



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 16, 1975 (श्रावण 25, 1897)

No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 16, 1975 (SRAVANA 25, 1897)

इस भाग में निम्न दृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० एस० सम्भरवाल को राष्ट्रपति द्वारा 9 जून 1975 से 2 अगस्त 1975 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है ।

दिनांक 14 जुलाई 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III(1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 मई 1975 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दाम शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 1 जुलाई 1975 से 31 अगस्त 1975 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

1-196 GI/75

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (2)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 मई 1975 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्त को राष्ट्रपति द्वारा, 1 जुलाई 1975 से 23 अगस्त 1975 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (3)—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० गुप्त को राष्ट्रपति द्वारा 7 जुलाई 1975 से 21 अगस्त 1975 तक की 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III(4)—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मांगो को राष्ट्रपति द्वारा 7 जुलाई 1975 से

21 अगस्त 1975 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (5)---इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19 अप्रैल 1975 का आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 24 मार्च 1975 से 13 जून 1975 तक की अवधि के लिए उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1975

सं० ए-38/65-प्रशासन-5---अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त कर लेने पर उड़ीसा राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति श्री ए० सी० पाण्डा, पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 24 मई 1975 के अपराह्न में पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, भुवनेश्वर शाखा के अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० ए/19036/ 75-प्रशा०-5---निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्त निरीक्षक श्री वी० जी० देशपाण्डे को दिनांक 4 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 जुलाई 1975

सं० ओ० II-881/69-स्थापना---महानिदेशक, श्री सन्त राम अनुभाग अधिकारी को महानिदेशालय, के० रि० पु० दल, नई दिल्ली में अस्थायी रूप से संयुक्त सहायक निदेशक (सी० पी० ए० यू०) के पद पर अगला आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री सन्त राम ने अपने पद का कार्यभार दिनांक 2 जून 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 18 जुलाई 1975

सं० ओ० II-940/73-स्थापना---राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी अमृत्या नाथ माह, 2 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्र दिनांक 10 फरवरी 1975 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० एफ०-8/9/75-स्थापना---राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० कपूर पुलिस उप-अधीक्षक, 13 बटालियन, के० रि० पु० दल का त्यागपत्र दिनांक 13 जून 1975 अपराह्न से मंजूर किया।

दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० 2/33/75 ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)---राष्ट्रपति निम्नलिखित उप अधीक्षक पुलिस (कम्पनी कमांडर/कवाटर् मास्टरों) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमांडेंट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पदस्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं:—

क्र० सं०	नाम	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार संभाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	श्री एन० पी० गुरंग	उप० अं० पुलिस 56 बटा० सी० आर० पी० एफ०	22-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट 42 बटा० सी० आर० पी० एफ०	26-5-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री पी० एस० सायरस	उप० अं० पुलिस 18 बटा० सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट 30 बटा० सी० आर० पी० एफ०	26-5-75 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5	6
3.	श्री आर० एस० पोगट	उप० अं० पुलिस 46 बटा० सी० आर० पी० एफ०	18-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट 33 बटा० सी० आर० पी० एफ०	28-5-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री पी० एस० वर्मा	उप० अं० पुलिस ग्रुप सेंटर सी० आर० पी० एफ० झारोडा कला नई दिल्ली।	23-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट 25 बटा० सी० आर० पी० एफ०	26-5-75 (पूर्वाह्न)
5.	श्री एस० पी० मिश्रा	उप० अं० पुलिस 53 बटा० सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेंट 53 बटा० सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (पूर्वाह्न)
6.	श्री एन० एस० यादव	उप० अं० पुलिस दो० आर० टी० सी०, सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट 52 बटा० सी० आर० पी० एफ०	21-5-75 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एम० आई० दास	उप० अं० पुलिस 34 बटा० सी० आर० पी० एफ०	23-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट जी० सी० सी० आर० पी० एफ० नीमच	27-5-75 (अपराह्न)
8.	श्री एस्० एन० वैष्णव	उप० अं० पुलिस 32 बटा० सी० आर० पी० एफ०	23-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट 6 बटा० सी० आर० पी० एफ०	1-6-75 (अपराह्न)
9.	श्री पी० दामोदरन	उप० अं० पुलिस जी० सी० सी० आर० पी० एफ० आवादी	22-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट 27 बटा० सी० आर० पी० एफ०	24-5-75 (पूर्वाह्न)
10.	श्री एम० एस० यादव	उप० अं० पुलिस 27 बटा० सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेंट जी० सी० सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (पूर्वाह्न)
11.	श्री एस० एन० निम्बालकर	उप० अं० पुलिस जी० सी०, सी० आर० पी० एफ०, नागपुर	18-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट जी० सी० सी० आर० पी० एफ० पूना	20-5-75 (पूर्वाह्न)
12.	श्री एन० एन० मिश्रा	उप० अं० पुलिस 40 बटा० सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेंट 3 बटा० सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (पूर्वाह्न)
13.	श्री एच० आर० चौधरी	उप० अं० पुलिस 15 बटा० सी० आर० पी० एफ०	24-5-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेंट 41 बटा० सी० आर० पी० एफ०	3-6-75 (पूर्वाह्न)
14.	श्री एम० बी० बेग	उप० अं० पुलिस 44 बटा० सी० आर० पी० एफ०	19-5-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेंट जी० सी० सी० आर० पी० एफ० मुकामाघाट	19-5-75 (अपराह्न)

सं० ओ० II-135/75-ईस्ट०—राष्ट्रपति भूतपूर्व मेजर जी० टी० वजीरानी (आई० सी०-10458) जो कि भारतीय स्थल सेना के एक अधिकारी है को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर अस्थाई रूप में सहायक कमांडेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने सहायक कमान्डेंट, ई० डी० पी० सैल, के पद का कार्यभार महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, आर० के० पुरम में 25 जून 1975 पूर्वाह्न को सम्भाला।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० ओ० II-1019/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर एम० डी० सुलेमान को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ

चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 17 अप्रैल 1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर एम० डी० सुलेमान को सैकन्ड बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल हैदराबाद में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (स्थापना),

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003 दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० ई०-29018(1)/2/75-प्रशा०—श्री जी० एस० सन्धू, ने दिनांक 1 जून 75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सुरक्षा पेपर मिल (होशंगाबाद) के सहायक कमांडेंट

पद का कार्यभार, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में था, छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत उर्वरक निगम (नाम रूप) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। जिनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 25/24/74-आर० जी० (ए० डी०-I)---इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/24/74-आर० जी० (ए० डी०-I), दिनांक 26 जुलाई 1974, की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति, उप महापंजीकार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर, श्री आर० बी० लाल की नियुक्ति पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर दिनांक 1 जुलाई 1975, पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक बढ़ाते हैं।

बद्री नाथ,
भारत के उप-महापंजीकार और
पदेन उप-सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
केरल के महालेखाकार का कार्यालय

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० प० सं० सिम्बन्दी/अ०/iv/9-86/11/100---केरल के महालेखाकार ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा तथा लेखा) श्री आर० रामवर्मा को 2 जुलाई 1975 (अपराह्न) से स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया है।

कृ० गणेशन,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

जगजीवन नगर, दिनांक 16 जुलाई 1975

पत्रांक प्र० 21(2)/69---निवृत्ति प्राप्ति के फलस्वरूप कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के अन्तर्गत केन्द्रीय चिकित्सालय, आसनसोल के चिकित्सा अधीक्षक के सचिव (टी० बी० विंग) श्री एच० एम० राय ने दिनांक 31 मई 1975 (अपराह्न) से अपने कार्यभार का त्याग किया।

रा० प्र० सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त
धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 6/305/55-प्रशा० (राज०)/9040---राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी नियंत्रक श्री के० पी० नारायण को 17 जून 1975 (पूर्वाह्न) से तीन महीनों की अवधि के लिए उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नियुक्त करते हैं।

बलदेव कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

मद्रास-1, दिनांक 3 मार्च 1975

आदेश

विषय---1,21,500 रुपए, 2,43,000 रुपए एवं 1,21,500 रुपए के लिए जारी किए गए क्रमशः लाइसेंस सं० पी०-एस०/1784538 दिनांक 20 जुलाई 1974 की सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों, लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784537 दिनांक 20 जुलाई 74 की सीमा शुल्कप्रति एवं लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784539 दिनांक 20 जुलाई 1974 की सीमा शुल्कप्रति को रद्द करना।

सं० पी० 9/240/ए० एम० 74/एस० एस० आई०-2---सर्वश्री ज्यो इण्डस्ट्रीज, एवं इन्सेक्टिसाइड्स (इण्डिया) प्रा० लि० 82/3-ए सथनगडू मद्रास-19 को अप्रैल/मार्च 1974 अवधि के लिए सीविन, हेक्टेक्लर, क्लोरडेन साइक्लोहेक्सेन एवं टेट्रियोन के आयात के लिए लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538/आर०/एम० एल०/52/एम०/37-38 दिनांक 20 जुलाई 74 मूल्य 1,21,500 रुपए लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784537/सी०/एक्स० एक्स०/53/एम०-37-38 दिनांक 20 जुलाई 74 मूल्य 2,43,000 रुपए एवं पी०/एस०/1784539/टी०/ओ० आर०/52/एम० 37-38 दिनांक 20 जुलाई 74 मूल्य 1,21,500 रुपए प्रदान किए गए थे। फर्म ने लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538 दिनांक 20 जुलाई 74 की अनुलिपि सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण दोनों प्रतियों, लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784537 दिनांक 20 जुलाई 1974 की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति एवं लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538 दिनांक 20 जुलाई 74 की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि विषयाधीन लाइसेंस किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकार के पास पंजीकृत कराए बिना और उनका बिल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गए/अस्थानस्थ हो गए हैं। अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने अलग-अलग शपथ पत्र दाखिल किए हैं।

मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538 दिनांक 20 जुलाई 74 की सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति, मूल लाइसेंस पी० एस०/1784537 दिनांक 20 जुलाई 74

की सीमा शुल्क प्रति एवं मूल लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784539 दिनांक 20 जुलाई 74 की सीमा शुल्क प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और उसकी अनुलिपि प्रतियां जारी की जानी चाहिए।

लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784538 की मूल सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां, लाइसेंस सं० पी०/एस०/1784537 की सीमा शुल्क प्रति एवं पी०/एस०/1784539 दिनांक 20 जुलाई 1974 की सीमा शुल्क प्रतियां एतद्वारा रद्द की जाती हैं।

एम० एफ० आर० बिजली,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 13 जुलाई 1975

सं० ई० एस० टी०-1-2(466)—भारतीय हथकरघा तकनीक संस्थान, वाराणसी के वरिष्ठ प्राध्यापक (वस्त्र रूपांकन) श्री एस० रंगराजन को, जो 7 मई 1971 से भारतीय हस्तकला और हाथकरघा निर्वात निगम मर्यादित, मद्रास में प्रतिनियुक्त थे, उसी संगठन में स्थायी रूप से समाहित होने पर, 6 मई 1974 के अपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र देने की अनुमति दी गई।

राजेन्द्र पाल कपूर,
वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 25 जुलाई 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(640)—वस्त्र आयुक्त, अपने बम्बई स्थित कार्यालय के टेक्नीकल अन्वेषक श्री जी० रामस्वामी को बुनकर सेवा केन्द्र विजयवाड़ा में 26 मई 1975 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (पी० और डी०) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० ना० वसु,
उप-निदेशक (प्रशासन)

उद्योग व नागरिक पूर्ति मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1975

सं० ए०/19018/150/74 प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर विकास आयुक्त लघु उद्योग, कृषि मंत्रालय के खाद्य विभाग में उप तकनीकी परामर्श दाता के कार्यालय में स्थायी वरिष्ठ निरीक्षक श्री मोहन सिंह को, लघु उद्योग विकास संगठन में, सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (फलपरिरक्षण) के रूप में, सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री मोहन सिंह

ने 15 मई 1975 पूर्वाह्न को लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (फल परिरक्षण) का कार्यभार संभाल लिया है।

के० बी० नारायणन,
निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० प्र०-1/1(778)—पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एस० टी० श्रमन्ना दिनांक 30 जून, 1975 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-1/1(932)—स्थायी अधीक्षक तथा पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-2) श्री जगजीत सिंह 30 जून, 1975 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-1/1(1023)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री डी० पी० गोड को दिनांक 20 जून, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री डी० पी० गोड की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

(प्रशासन शाखा-6)

दिनांक 18 जुलाई 1975

सं० प्र०-6/247(121)/58—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मण्डल में भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-1 के ग्रेड-2 में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण श्री एम० बी० प्रभु दिनांक 30 अप्रैल 1975 (अपराह्न) से स्वेच्छिक सेवा निवृत्ति पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

प्रशासन शाखा-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० प्र०-1/1(1009)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री एस० के० तालुकदार को दिनांक 1 जुलाई,

1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री तालुकदार को सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुपुस्वामी द्वारा वायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी

के० एल० कोहली,
उप-निदेशक (प्रशासन)

विशेषज्ञ सलाहकार समिति की संख्या को अगले आदेशों तक निम्नलिखित सदस्य को और जोड़कर बढ़ाने का निश्चय किया है :—

श्री डब्ल्यू० एच० सिद्दीकी,
अधीक्षण पुरातत्त्ववेत्ता
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
पश्चिमी मंडल, बंदोबरा-390001।

नी० र० बैनर्जी,
निदेशक (पुरावशेष)
कृते महानिदेशक

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 15 जुलाई 1975

सूचना

सं० जी०-65/बी० (कान)—1. श्री डी० के० कानूनगो वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी) राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता, जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की सूचना सं० जी०-65/बी० (कान) दिनांक 8 अगस्त 1973 के अनुसार दिनांक 18 जुलाई 1973 से उसी कार्यालय में वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए थे, पुनः दिनांक 5 जुलाई 1975 के अपराह्न से उसी कार्यालय में वैज्ञानिक सहायक (भौतिकी) के रूप में परिणीत किए गए।

2. श्री पी० बी० मण्डल, वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की सूचना सं० ई० 1255 दिनांक 24 जुलाई 1973 के अनुसार दिनांक 5 जुलाई 1973 के अपराह्न से राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता से कार्य मुक्त हुए जिससे कि हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्स्ट्रक्शन लि० कलकत्ता में कार्यभार संभाल सकें उन्हें हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्स्ट्रक्शन लि० कलकत्ता से दिनांक 5 जुलाई 1975 अपराह्न से कार्य-मुक्त होने के बाद इस कार्यालय में उसी दिनांक से वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति दी गई।

सुजित कुमार चट्टोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)
कृते निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्रालय

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 2/32/75—पुरा० पुरावशेष (निर्यात नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत जो पुरावशेष नहीं हैं, ऐसे सामानों या पदार्थों का वस्तुओं के निर्यात के लिए पारित करने वाली बम्बई

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1975

सं० 4/3/73 एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा आकाशवाणी के निम्नलिखित तदर्थ कार्यक्रम निष्पादकों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	वह केन्द्र/कार्यालय जहां काम कर रहे हैं	नियमित नियुक्ति की तारीख
1.	श्री आर० के० सिन्हा	दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली	1-4-75
2.	श्रीमती उर्वशी जोशी	कटक	8-4-75
3.	कुमारी मंजुला भटनागर	विदेश सेवा प्रभाग नई दिल्ली	29-3-75
4.	श्री जी० एस० शर्मा	वाराणसी	31-3-75
5.	श्री बी० के० सरकार	हैदराबाद	29-3-75
6.	श्री एम० के० सिंह	इम्फाल	1-4-75
7.	श्री एच० सी० शर्मा	रायपुर	2-4-75
8.	श्रीमती इन्दुबाई रमेश	नई दिल्ली	28-4-75

दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० 4(35)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री विजय वर्धन दीक्षित को 20 जून 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, जालंधर में, अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(56)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री फैयाज मुहम्मद खां को 5 जून, 1975 के अपराह्न से अग्रेतर आदेशों तक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(113)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री मुहम्मद अंगार रहमान खां को 3 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, गोरखपुर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(125)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री वी० वासवराज को 16 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, मंसूर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1975

सं० 4(12)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी किरण मुल्तानी को 16 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(32)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री आसकरण शर्मा को 23 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, अहमदाबाद में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० 4(25)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री त्रोगमथम चित्तरंजन सिंह को 7 मई, 1975 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, इम्फाल में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(26)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री लक्ष्मण दत्त दीक्षित को 1 जुलाई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, भोपाल में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(89)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री मणि प्रसाद राय को 16 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, खरसाड में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1975

सं० 2/20/60-एस-दो—श्री आर० बार्नबस, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, मद्रास, अधिवर्षता की आयु पर पहुँचने पर 30 जून, 1975 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हो गए।

र० कु० खट्टर,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 75

सं० 17-45/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री डी० एन० ईसर को 4 जून 1971 से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक सम्पादक (अंग्रेजी) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 19-35/73-एडमिन-1—अपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप श्री आर० के० जयशीलन ने 26 जून, 1975 के अपराह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में सहायक जन स्वास्थ्य इंजीनियर के पद का कार्य भार छोड़ दिया।

सं० 35-6/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती राज डोगरा के छुट्टी पर जाने के कारण उनके स्थान पर श्रीमती कुसुम लता कंसल को 23 जून, 1975 के पूर्वाह्न से 3 सितम्बर 1975 तक विलिंग्डन अस्पताल, नई दिल्ली में आहारविद के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 27-3/72-एडमिन-1—भारत के महापंजीयक के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के निःसंवर्ग पद (आई०एस० एस० के ग्रेड-3 के समकक्ष) पर अपनी नियुक्ति के परिणाम स्वरूप श्री टी० के० ऐकत ने 30 जून 1975 के अपराह्न को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (मूल्यांकन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-11, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० 20-12/75-सी० एच० एस०-2—अपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप डा० वी० सीतारामन ने 7 जून, 1975 के अपराह्न की केन्द्रीय कुष्ठ प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान चिंगलपट में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० 20-14/75-सी० एच० एस०-2—अपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप डा० सन्ध राम सिंह ने 10 जून 1975 के अपराह्न को केन्द्रीय कुष्ठ प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान, चिंगलपट में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रविन्द्र नाथ तिवारी,
उप-निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 4 जुलाई 1975

शुद्धिपत्र

सं० पी० ए०/81(56)/75-आर० 4—10 जून, 1975 दिनांक के इस अनुसंधान केन्द्र की समसंख्या अधिसूचना में श्री अविनाश केशव खरे के संबंध में ("भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी) "के स्थान पर" भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) " पढ़ा जाये।

पी० उन्नीकुण्ठन,
उपस्थापना अधिकारी(भ)

बम्बई-400085, दिनांक 15 जुलाई 1975

(तारापुर परमाणु बिजलीघर)

सं० डी/198/टी०पी०एस०/75/स्था-II—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थाई डाफ्टमैन (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० बी०) श्री हरीश चन्द्र वल्लभ ने, जो 1 मई, 1974 के अपराह्न से मेसर्स इंडो-बर्मा पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड, शिवरी, बम्बई-400015 के साथ विदेश सेवा में प्रतिनियुक्त किये गये थे, विदेश सेवा से प्रत्यावर्तन पर 2 मई, 1975 के पूर्वाह्न से इस अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी (एस० बी०) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

पी० आर० बोंदे,
उप स्थापना अधिकारी
कृते निदेशक

बम्बई-400085, दिनांक 22 जुलाई 1975

सं० बी/620/लेखा/स्था०-III—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री शंकर विष्णु भावे को छुट्टी रिक्त स्थान में 3 मार्च 1975 पूर्वाह्न से 31 जुलाई 1975 तक के लिए इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० शांत कुमार मेनन,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
(भारी पानी परियोजनाएं)

बम्बई-400008, दिनांक 30 जून 1975

संदर्भ: सं० भापाप/संस्था/1/डी-3/4351—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष कार्य अधिकारी, श्री किशोरचन्द्र मथुरादास घांघा, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजनाएं (बम्बई कार्यालय) के स्थानापन्न सहायक लेखापाल को, श्री अच्युत मुकुन्द वैद्या, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर 7 मई, 1975 (पूर्वाह्न) से 21 जून, 1975 (अपराह्न) तक के लिए भारी पानी परियोजना (कोटा) में स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी II, नियुक्त करते हैं।

संदर्भ सं० भापाप/संस्थापना/1/बी-22/4352—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष कार्य अधिकारी, श्री अच्युत मुकुन्द वैद्या, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थाई सहायक लेखाकार तथा स्थापन्न सहायक लेखा अधिकारी जो अब भारी पानी परियोजनाओं (बम्बई कार्यालय) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त हैं की श्री सदाशिव यशवंत गोखले, लेखा अधिकारी II, भारी पानी परियोजना (कोटा) जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर 7 मई, 1975 (पूर्वाह्न) से 21 जून, 1975 (अपराह्न) तक के लिए लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

बम्बई-401 504, दिनांक 2 जुलाई 1975

सं० टी०ए०पी०एस०/प्रशा०/735-ए०/842—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, श्री बी० के० पी० पिल्लै की सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की अवधि को 1 जुलाई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक तीन मास की और अवधि के लिए अथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से उस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो बढाते हैं।

सं० टी०ए०पी०एस०/प्रशा०/735-ए०/843—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, श्री आर० आर० बन्दरी की सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की अवधि को 1 जुलाई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक तीन मास की और अवधि के लिए अथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से उस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढाते हैं।

सं० टी०ए०पी०एस०/प्रशा०/735-ए०/844—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, श्री पी० गणपति की सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की अवधि को 1 जुलाई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक तीन मास की और अवधि के लिए अथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से उस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढाते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

(परमाणु विद्युत् प्राधिकरण)

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई-400 039, दिनांक 14 जुलाई 1975

सं० ए०पी०ए०/प्रशा०/16/5/73/862—परमाणु विद्युत् प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, स्थानापन्न कार्मिक अधिकारी श्री कोरुतारा कोचुकुट्टन केलुकुट्टी को, श्री बी० बी० सख्बरवाल; जिन्हें स्थानापन्न रूप से प्रशासन-अधिकारी-III के पद पर पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर 2 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से दो मास की अवधि के लिए निजी सचिव नियुक्त करते हैं।

बी० शिवकुमारन,
मुख्य प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० ई०(1)04251—वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन केन्द्रीय शुष्क जोन अनुसंधान संस्थान में प्रतिनियुक्त श्री ए० कृष्णन, सहायक मौसम विशेषज्ञ का उनके भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में स्थायी अन्तर्लेखन होने पर भारत मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी-II (केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-II) से 1 अप्रैल 1969 के पूर्वार्द्ध से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। श्री ए० कृष्णन ने उचित आज्ञा से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में अन्तर्लेखन होने के लिये त्यागपत्र दिया और उनको केन्द्रीय सेवा नियम 418 (बी) के अन्तर्गत लाभ प्राप्त होंगे।

एम० आर० एन० मनियन,
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० ए-32013/10/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की अवधि 30 अप्रैल 1975 से 30 सितम्बर, 1975 तक या उनके द्वारा धारित पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है :

1. श्री एस० कृष्णस्वामी
2. श्री एल० पी० सिंह
3. श्री एन० वैकटपति
4. श्री मृणाल कान्ति पाल
5. श्री बी० एन० गोडबोले
6. श्री जे० श्री० शर्मा
7. श्री ए० जी० नरसिंहम
8. श्री एस० जयारामन
9. श्री बी० श्रीनिवासन
10. श्री एम० एन० अदुर
11. श्री पी० जे० अय्यर
12. श्री एन० आर० स्वामी
13. श्री एम० ए० वेणुगोपाल
14. श्री एन० एन० गोपालन
15. श्री आर० के० बर्मा
16. श्री बी० अलागिरी
17. श्री पी० सी० बनर्जी
18. श्री एस० पी० हरदास

19. श्री के० के० नारायण
20. श्री एस० पी० जैन
21. श्री के० पी० बी० नायर
22. श्री बी० डी० गरेकर

दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० ए-38012/1/75-ई० सी०—नियंत्रक संचार, बैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय के श्री आर० सी० रायचौधरी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 30 जून, 1975 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० ए-32013/5/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री ए० एन० श्रीवास्तव, सहायक तकनीकी अधिकारी को 26 जून 1975 से अगले आदेश जारी होने तक निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास यूनिट, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए-32013/11/75-ई० सी०—इस विभाग के अधिसूचना 3 मार्च, 1975 संख्या ए-32013/12/73-ई० सी०, 19/20 मार्च, 1974 सं० ए-32013/9/73-ई० सी० और 16 जनवरी, 1973 संख्या ए-32013/1/73-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नति की अवधि की बरोत्तरी 30 जून 1975 तक प्रदान करते हैं :

1. श्री पी० एल० मोदगिल
2. श्री ए० नरेन्द्र नाथ
3. श्री एम० एस० कृष्णन
4. श्री सी० आर० नरसिंहम
5. श्री ओ० सी० एलकजेन्डर
6. श्री सी० बी० वैकटसन
7. श्री एस० बी० अय्यर
8. श्री आर० सी० राय चौधरी
9. श्री एस० रामाचन्द्रन
10. श्री एस० के० चन्द्रा
11. श्री जी० बी० कोशी
12. श्री पी० आर० सूर्यनन्दन
13. श्री एन० के० नानू
14. श्री ए० रामानाथन
15. श्री एस० के० दास
16. श्री बी० एस० ब्रैवाल
17. श्री बी० आर० चतुर्वेदी
18. श्री जे० के० भट्टाचार्य
19. श्री पी० एस० धुन्ता
20. श्री डी० सी० मेहता
21. श्री बी० के० बाबू

सं० ए-32013/12/75-ई० सी०—इस विभाग के अधिसूचना 19 अप्रैल, 1974 संख्या ए-32013/9/73-ई० सी०, 27 मई, 1974 संख्या ए-32013/9/73-ई० सी० और 29 मार्च/4 अप्रैल, 1975 संख्या ए-32013/9/73-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित वरिष्ठ संचार अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नति की अवधि की बढोत्तरी 30 जून, 1975 तक प्रदान करते हैं :

नाम और पद तथा नियुक्ति का स्टेशन

1. श्री किशू टैकवन्तानी—वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
2. श्री वी० के० कालरा—वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी
3. श्री एस० सी० गोस्वामी—वैमानिक संचार स्टेशन, अमरतला ।
4. श्री आर० पी० शर्मा—वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ।
5. श्री लाजपत राय गर्ग—वैमानिक संचार स्टेशन, सफरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ।

हरबंस लाल कोहली,
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक, 16 जुलाई 1975

सं० ए-35017/1/72-ई० ए०—निम्नलिखित अधिकारी भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट प्राधिकरण में स्थायी रूप में नियुक्त हो जाने के परिणामस्वरूप उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से नागर विमानन विभाग में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं—

क्रम सं०, नाम, नागर विमानन विभाग में धारित पद तथा नागर विमानन विभाग से सेवानिवृत्ति की तारीख

1. श्री आर० डी० प्रधान, उप-निदेशक नियंत्रक विमान क्षेत्र—1-5-74 ।
2. श्री एन० के० ड, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी—1-5-74 ।
3. श्री जी० वी० शांडिल्य, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी—1-5-74 ।
4. श्री जी० एन० लोकरे, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी—1-5-74 ।
5. श्री सी० जी० विश्वनाथ, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी—1-5-74 ।
6. श्री के० एस० जयराम, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी—1-5-74 ।
7. श्री के० के० गुलाटी, विमान क्षेत्र अधिकारी—1-5-74 ।
8. श्री एफ० के० उमरीगर, सहायक अग्निशमन अधिकारी—1-7-73 ।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 14 जुलाई 1975

मि० सं०-II(7)5-स्था०/75/7207—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं०-172/75 दिनांक 8 मई 1975 जो मि० सं०-II(3)43-स्था०/73/23362-81 दिनांक 8 मई 1975 के द्वारा पृष्ठांकित किया गया तथा जिसके द्वारा केन्द्रीय उत्पादक को चार निरीक्षकों (क० श्रे०), 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों सहित के वेतनमान में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था के अनुसरण में निम्न व्यक्तियों ने एतद्द्वारा स्थानों में उनके नामों के समक्ष दिखाए गई तिथियों और समय पर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद द्वितीय श्रेणी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया ।

क्र०सं० नाम और पद स्थापना के स्थान तथा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि

1. श्री सावलिया बिहारी—अधीक्षक, के० उ० (टक०) मु०, पटना— 31-5-75 (अपराह्न)
2. श्री मथुरा प्र० सिंह—अधीक्षक, के० उ० कुमारधुबी रेंज— 31-5-75 (पूर्वाह्न)

मि० सं०-II(7)5-स्था०/75/7202—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं०-232/75 दिनांक 13 जून 1975 जो मि० सं०-II(3)101-स्था०/74/32642-86 दिनांक 13 जून 1975 के द्वारा पृष्ठांकित किया गया तथा जिसके द्वारा श्री एच० डी० झा, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों सहित के वेतनमान में प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के अनुसरण में श्री एच० डी० झा ने प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद, लहेरियासराय का कार्यभार दिनांक 1 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न में ग्रहण किया ।

एच० एन० साहू,
समाहर्ता

निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1975

शुद्धि-पत्र

सं० 1041/21/75—वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 57 दिनांक 4 जून 1975 में श्री श्रीधर प्रसाद का अधीक्षक/सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-I दिनांक 16 मई 1975 से नियुक्त किए जाने पर इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 8/75 दिनांक 9 जून 1975 एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

सं० 9/1975—श्री ए० नटराजन ने, जो कि पिछले दिनों समाहर्तालय मद्रास, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में अधीक्षक श्रेणी-II के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दक्षिणी प्रादेशिक एकक, मद्रास में दिनांक 30 जून 1975 के दोपहर बाव से निरीक्षण अधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

बी० एस० चावला,
निरीक्षण निदेशक
सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1975

सं० 27-ई०/एच० (5)/69-ई० सी० I—राष्ट्रपति, अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक-II (उत्तरी अंचल) कार्यालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली के निर्माण सर्वेक्षक श्री जे० एल० हुमर द्वारा 22 अप्रैल 1975 को दिया सेवा से त्यागपत्र इस समय से स्वीकार करते हैं।

पी० एस० पारवानी,
प्रशासन उप-निदेशक

रेल मंत्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 16 जुलाई 1975

सं० ई०-II/आरटी/ओ/कान्फ—दिनांक 1 सितम्बर 1969 की अधिसूचना सं० ए/ईएस/सीएफएम/ओ के अन्तर्गत अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन में श्री श्रीकृष्ण दास का दिनांक 15 मार्च, 1967 से अनुभाग अधिकारी (लिपिक वर्ग) के रूप में स्थायीकरण पूर्वापेक्षी प्रभाव से निरस्त किया जाता है।

सं० ई-II/आरटी/ओ/कान्फ/I—श्री नवनीत लाल को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन में दिनांक 15 मार्च, 1967 से अनुभाग अधिकारी (लिपिक वर्ग) के रूप में स्थायी किया जाता है।

टी० बी० जोसफ,
महानिदेशक

सवारी डिब्बा कारखाना

मद्रास-38, दिनांक 18 जुलाई 1975

सं० पीबी/जीजी/9/मिश्र०-II—1. श्री पी० आर० नारायणन, स्थानापन्न सहायक निरीक्षण इंजीनियर (श्रेणी II) ने अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन, लखनऊ से स्थानांतरण होने पर दिनांक 9 जून 1975 के पूर्वाह्न को सवारी डिब्बा कारखाने में कार्यग्रहण किया और उन्हें स्थानापन्न सहायक

उत्पादन इंजीनियर/प्रगति/फर्निशिंग (श्रेणी II) के पद पर तैनात किया गया।

2. श्री सी० एस० बैकटरामन, स्थानापन्न जिला भंडार नियंत्रक (ब० मा०) (तदर्थ) को श्रेणी II सेवा को रिजर्व किया गया और उन्हें दिनांक 24 जून 1975 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/खरीद/शेल के पद पर तैनात किया गया।

3. श्री एस० बालसुब्रमणियन, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/खरीद/शेल (श्रेणी II) को दिनांक 24 जून 1975 के पूर्वाह्न से (श्रेणी III) सेवा को रिजर्व किया गया है।

एस० सुब्रमणियन,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महा प्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पाण्डू, दिनांक 19 जुलाई 1975

1. सं० ई/283/31 पार्ट VIII(O)—श्री के० सी० चौधुरी, पुल निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक पुल इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 10 जनवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

2. सं० ई/83/III/54पी० VIII(O)—श्री बी० के० नन्दी, सवारी एवं माल डिब्बा निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 14 जनवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

3. सं० ई/283/31 पी० टी० VIII(O)—श्री एस० के० धर, निर्माण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 17 जनवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

4. सं० ई/283/32 पी० टी० VIII(O)—श्री पी० एस० राव, प्रवर नक्शा नवीस (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 17 जनवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

5. सं० ई/283/92 पी० टी० X(O)—श्री पी० सी० दास, मुख्य लिपिक, (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिज्य अधिकारी के पद पर काम करने के लिए दिनांक 1 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

6. सं० ई/283/82/पी० टी० X(O)—श्री सी० एल० बन्धोपाध्याय, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक परिचालन अधीक्षक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 3 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

7. ई/283/82/पी० टी० X (O)—श्री जे० सी० दत्त, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक परिचालन अधीक्षक के पद पर काम करने के लिये दिनांक 4 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

8. ई/283/31/पी० टी० VII(O)—श्री पी० के० गोस्वामी, पुल निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 5 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

9. ई/283/82/पी० टी० X(O)—श्री जी० हाजरिका, डिप्टी कंट्रोलर (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक परिचालन अधीक्षक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 8 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

10. ई/283/82/पी० टी० X (O)—श्री जी० बी० षटर्जी, डिप्टी कंट्रोलर (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक पणन एवं विक्रय अधीक्षक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 8 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

11. ई/283/84/पी० VII(O)—श्री ए० सी० दास, लोको निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 11 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

12. ई/283/III/120/पी० III(O)—श्री बी० बरुआ, डिपो भंडार पाल (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक भंडार नियंत्रक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 21 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

13. पी० एन० ओ०/65/215/पी० टी० IV—श्री ए० सी० सिंह, सहायक लेखा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से प्रवर लेखा अधिकारी के पद पर काम करने के लिए दिनांक 17 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

14. ई/283/31/पी० टी० VIII(O)—श्री डी० के० मित्र, रेल-पथ निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर काम करने के लिए दिनांक 26 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

15. ई/283/III/30 पी० टी० V(O)—श्री डी० ई० गोस्वामी, सिविल रक्षा निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधि-

कारी के पद पर काम करने के लिए दिनांक 28 फरवरी 1975 से नियुक्त किया जाता है।

16. ई/283/III/30 पी० टी० V(O)—श्री एच० सी० सैक्सेना, प्रवर श्रम कल्याण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर काम करने के लिए दिनांक 6 मार्च 1975 से नियुक्त किया जाता है।

17. ई/283/82/पी० टी० X(O)—श्री टी० के० साहा, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को स्थानापन्न रूप से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर काम करने के लिए दिनांक 18 मार्च 1975 से नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी,
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956

और

फास्ट एण्ड सेफ्टी ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

एरणाकुलम, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० 2155/विघ०/आर०-4090/75—कम्पनी अधिनियम 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फास्ट एण्ड सेफ्टी ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित ना किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० एस० आन्वार,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
केरल

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 15 जुलाई 1975

सं० एफ० 48 एडी (एटी)/75—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 48 एडी (एटी)/74 भाग 2 दिनांक 22 जनवरी 1975 के भागसः उपान्तर में दी गई अधिसूचना सं० एफ० 48 एडी (एटी)/74 भाग 2 दिनांक 18 जून, 1975 एतद्वारा रद्द होती है। अधिसूचना सं० एफ० 48 एडी (एटी)/74 भाग 2 दिनांक 22 जनवरी, 1975 अब जारी रहेगी।

हरनाम शंकर,
अध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० -1001—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7635 नवम्बर 1974 में है तथा जो कपूरथला रोड जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम कुमार भारद्वाज सपुत्र पंडित सतपाल भारद्वाज
सैन्ट्रल टाउन जालन्धर (अन्तरक)

2. मैसर्स रविन्द्र कुमार विजय कुमार 15 इवनिंग कालेज
बिल्डिंग रोड जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7635 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1042—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7634 नवम्बर 1974 में है तथा जो गांध बरीना तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राम कुमार भारद्वाज सपुत्र श्री सतपाल भारद्वाज सपुत्र
टाऊन जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार, अशोक कुमार सपुत्र श्री लाभ चन्द्र सपुत्र श्री सरदारी लाल जैन जालन्धर शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि विलेख नं० 7634 नवम्बर-1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० -1043—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7215 नवम्बर 1974 में है तथा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती (1) राम रक्खी सपुत्री सरवल सिंह
(2) गुरनाम चन्द सपुत्र बाल चन्द निवासी अमृतसर (अन्तरक)
2. आत्मा सिंह सपुत्र खुशहाल सिंह निवासी रामपुर तहसील गढ़शंकर जिला होशियारपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिन के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा थक रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7215 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० 1044—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7214 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्री आत्मा सिंह सपुत्र श्री खुशहाल सिंह जिला होशियारपुर निवासी रामपुर तहसील गढ़शंकर (अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या देवी सपुत्री ब्राज्जी 48ए ओल्ड जवाहर नगर जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7214 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०-1045—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7716 नवम्बर 1974 में है तथा जो दीपक सिनेमा चौक लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—196GI/75

1. श्री दिलबाग सिंह सपुत्र ऊधम सिंह अलाईस आफ कमल-जीत सिंह सपुत्र दिलबाग सिंह जालन्धर। (अन्तरक)

2. एस० आई० बैंक एंड बिल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7716 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1046—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7560 नवम्बर 1974 में है तथा जो बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दिलबाग सिंह सपुल श्री ऊधम सिंह 300 एल भाडल टाऊन जालन्धर (अन्तरक)
2. एस० आई० बरिक्स बिल्डिंग प्राईवेट लिमिटेड दीपक सिनेमा चौक लुधियाना (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7560 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की)
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०-1047—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7413 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्द किशोर सपुत्र श्री बनारसी दास मकान नं० 170, मुहल्ला महिन्दु, जालन्धर । (अन्तरक)
2. श्रीमती कमला वति पत्नी जुग लाल, रमेश रानी पुत्री केवल कृष्ण व कान्ता रानी पत्नी सुभाषकुमार, प्रवीण कुमार पत्नी विजय कुमार जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7413 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०—1048—यतः मुझे, रवीन्द्र

कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1048 नवम्बर 1974 में है तथा जो प्रताप रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शाली बाई पत्नी शाम लाल निकट ओल्ड बस स्टैण्ड प्रताप रोड जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री तारा चन्द गोयल सपुत्र श्री हरि सिंह निकट फिश मार्केट जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7250 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं०-1049—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7592 नवम्बर 1974 में है तथा जो बस्ती गुंजा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र श्री उद्धम सिंह बस्ती गुंजा जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री प्यारा सिंह सपुत्र श्री हाकम सिंह बस्ती गुंजा जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7592 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1050—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1050 नवम्बर 1974 में है तथा जो प्रताप चौक जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मदन मोहन भारद्वाज सपुत्र बकशी तुलसी दास प्रताप चौक जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री सोमनाथ अग्रवाल आफ दाना नगर जिला गुरदासपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7527 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०-1051—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7306 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री अश्वर सिंह सपुत्र श्री राम सरन मुहल्ला प्रेम नगर जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री धर्मवीर सपुत्र श्री जगत राम 930 मुहल्ला गोविन्द गढ़ जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7306 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31-7-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० ए१० - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 1052—यतः मुसे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1052 नवम्बर 1974 में है तथा जो गुराया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री धनू सपुत्र श्री नाभा, गांव गुराया तहसील फिल्लौर (अन्तरक)
2. श्री तीर्थ राम सपुत्र श्री साधु राम निवासी बड़ा पिन्ड तहसील फिल्लौर जिला जालंधर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3237 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० 1053—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1864 नवम्बर 1974 में है तथा जो दाना मंडी जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—196 GI/75

1. श्री जगजीत सिंह, हरबन्स सिंह सपुत्र महंगा सिंह सपुत्र रूड सिंह पन्डोरी खास मार्फत हरबन्स लाल सपुत्र श्री नथू मल (अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह सपुत्र श्री रूड सिंह पन्डोरी तहसील नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1864 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1974

निर्देश सं० ए० पी० 1054—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2001 नवम्बर 1974
में है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री नीलकान्त, शशि प्रकाश, प्रीतम देवी, शकुन्तला
देवी राम वन्ती सपुत्री कृष्णलाल नकोदर (अन्तरक)
2. श्रीमती गुरबख्श कौर पत्नी अमर जीत सिंह सपुत्र प्यारा
सिंह नकोदर रोड जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोह-
स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2001 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर।

तारीख:—31 जुलाई 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए०पी.नं० 1055—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2002 नवम्बर 1974 में है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. नील कान्त, शशि प्रकाश, प्रीतम देवी, शकुन्तला देवी रामा बन्ती सधुत, सधुती कृष्णलाल, नकोदर (अन्तरक)

2. अमरजीत सिंह सधुत प्यारा सिंह नकोदर रोड जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2002 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 31 जुलाई, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०-1056—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7399 नवम्बर 1974 में है तथा जो पत्तरकला जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री साधु सिंह सपुत्र श्री कन्हैया सिंह अलाईस गनेश सिंह गांव पत्तर कला जिला जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री अर्जुन सिंह सपुत्र रतन सिंह गांव पत्तर कला जिला जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7399 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निवेश सं० ए०पी०नं०-1057—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7447 नवम्बर 1974 में है तथा जो लप्पेवाली जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर चन्द सपुत्र देहू राम निवासी पतारा, जिला जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्रीमती रत्न कौर पत्नी रक्खा राम सपुत्र श्री भगत राम जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7447 नवम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश ए० पी० नं० 1058—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7448 नवम्बर 1974 में है तथा जो (लपेवाली) जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अमर चन्द सपुत्र श्री ठेरू राम निवासी पतारा जिला जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी चमन लाल निवासी शेरपुर खेखल तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवक्त्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7448 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1059—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7196 नवम्बर 1974 में है तथा जो प्रताप कालोनी जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मदन मोहन भारद्वाज सपुत्र जीवन दास मार्फत बक्शी तुलसी दास सपुत्र बक्शी प्रताप अखिबार नहरू गार्डन रोड जालन्धर (अन्तरक)
2. सोमनाथ अग्रवाल सपुत्र राम प्रकाश अग्रवाल दीना नगर गुरदासपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुरा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7196 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 31-7-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1060—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7264 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री ऊधम सिंह सपुल श्री जगत सिंह निवासी अवतार नगर जालन्धर । (अन्तरक)
2. सुरेश कुमारी परनी देस राज सूद जालन्धर, मार्फत डारका नाथ ई० एस०-114 नकोदर रोड जालन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7264 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०-1061—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7335 नवम्बर 1974 में है तथा जो काजी मन्डी दौलतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:-
5-196GI/75

1. श्री राममूर्ति सपुत्र श्री अमी चन्द ई० जे० 316 रिआज पुरा जालन्धर। (अन्तरक)
2. मैसर्स त्रिलोक चन्द हंस राज मन्डी फौन्टन गन्ज जालन्धर मार्फत त्रिलोकचन्द। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7335 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी०-1062—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7417 नवम्बर 1974 में है तथा जो गार्डेन एक्सटेंशन बाई पास जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की द्वारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शाम कुमार भारद्वाज सपुत्र पंडित सतपाल भारद्वाज जालन्धर, जी० ए० ऊषाकिरण पत्नी मन्दिन्द्र नाथ मारफ़त सतपाल पंडित एण्ड कम्पनी मिलाप चौक जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री विलीप सिंह, पूर्ण सिंह सपुत्र बुध सिंह लकड़ मन्डी जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7417 नवम्बर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०-1063—प्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7502 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भगवान सिंह सपुत्र श्री मलवा सिंह सपुत्र खजना (गली नं०-6) मकान नं० 258 सैन्दल टाउन जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी तीर्थ सिंह सपुत्र अवतार सिंह गांव शंकर तहसील जिला जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7502 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश न० ए० पी० नं०-1064—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2590 नवम्बर 1974 में है तथा जो दसूहा में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दसूहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कर्ण देवी विधवा श्री ठोला राम निवासी दसूहा 1 जिला होशियारपुर। (अन्तरक)
2. महिन्द्र कौर पत्नी चरणजीत सिंह निवासी दसूहा जिला होशियारपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2590 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दसूहा में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०-1065—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7211 नवम्बर 1974 में है तथा जो बाजार शेखां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रोशन लाल व राम कुमार सपुत्र श्री लाल राम सरन जालन्धर शहर । (अन्तरक)
2. श्री गुलजारी लाल सपुत्र श्री राम सरण पता श्री देवी दास जालन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) । 3

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7211 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय (निरीक्षक), सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए०पी० नं०-1066-यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7423 नवम्बर 1974 में है तथा जो सूरुा ब्रह्म (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बरा सिंह सपुत्र श्री गंगा सिंह गांव पट्टी अभनतपुर
जिला जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री स्वर्ण सिंह, कर्म सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह,
गुरदीप सिंह, कुलदीप सिंह, अमरीक सिंह, लखबीर
सिंह, त्रिलोक सिंह सपुत्र चेत सिंह के भूपिन्द्र
सिंह सपुत्र करनैल सिंह गांव सलीमपुर जिला
जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7423 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी०-1067---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7736 नवम्बर 1974 में है तथा जो चाननपुर (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्प आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भजनसिंह, अजीत सिंह, जुगिन्द्र सिंह सपुत्र पुष्पा सिंह सपुत्र जीवा सिंह गांव सभटा तहसील जिला जालन्धर (अन्तरक)
2. हजूर सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह सपुत्र श्री निहाल सिंह गांव गुधीनवाली तहसील जिला जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7736 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए०पी० नं० 1068—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7737 नवम्बर 1974 में है तथा जो ललियां कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निरंजन सिंह, महमा सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह आफ ललियां कलां तहसील जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री दीदार सिंह, निर्मल सिंह सपुत्र श्री स्वर्ण सिंह गांव ललियां कलां जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7737 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1069—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7318 नवम्बर 1974 में है तथा जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—196GI/75

1. भूपिन्द्र कौर पत्नी श्री अवतार सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह 615 सैक्टर 16 डी० (अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र राम सपुत्र श्री फुमन राम गुरचरण सिंह सपुत्र श्री लेखराज जी० टी० रोड जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7318 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश न० ए० पी० 1070—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7391 नवम्बर 1974 में तथा जो काटलोपुर (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चानन सिंह मतवना श्री इन्द्र सिंह गांव काटलोपुर तहसील जिला जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री प्यारा सिंह, जोगिन्द्र सिंह, सतनाम सिंह सपुत्र श्री चानन सिंह, गांव जाखल तहसील जिला जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि न० 2 में है (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7391 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1071—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7295 नवम्बर 1974 में है तथा जो ललियां कलां जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मल सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह गांव ललियां कलां जालन्धर (अन्तरक)

2. बचित्र सिंह, सपुत्र इन्द्र सिंह गांव ललियां कलां जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7295 नवम्बर 74 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निवेश सं० ए० पी० -1072—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7271 नवम्बर 1974 में है तथा जो बहगनी पिन्ड तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री स्वर्ण सिंह सपुत्र श्री मिलखी वासी चक्क हुसैना लम्बा पिन्ड जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री अमरसिंह लाल सिंह, चानन सिंह सपुत्र श्री गन्डा सिंह लम्बा पिन्ड जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7271 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०—1073—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7223 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों; को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री रहमत नसीब सपुत्र श्री लहना मसीह गांव धोगडी तहसील जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री निर्मल सिंह सपुत्र श्री ज्ञान सिंह गांव रुडकी खास, तहसील गढ़शंकर, जिला होशियारपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7223 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए०पी०-1074—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7383 नवम्बर
1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगन नाथ सपुत्र श्री रघु राम आफ जन्डू सिधां जिला
जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री डोगल सिंह सपुत्र महिन्द्र सिंह सतनाम सिंह सपुत्र
श्री सन्ता सिंह आफ कपूर पिन्ड जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7383 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1075-यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7554
नवम्बर 1974 में है तथा जो कपूरपिण्ड (जालन्धर) में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महिन्द्र सिंह सपुत्र दारा सिंह कपूरपिण्ड
(जालन्धर) (अन्तरक)

(2) श्री मलकियत सिंह, मोहन सिंह, सुरिन्द्र सिंह,
केवल सिंह सपुत्र बलवन्त सिंह कपूरपिण्ड (जालन्धर)
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7554 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1076—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7497 नवम्बर 1974 में है तथा को भाव नागरा (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रेशम सिंह, अजीत सिंह गांव नागरा तहसील जिला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री चानन सिंह, महिन्द्र सिंह, अमरीक सिंह सपुत्र श्री दलीप सिंह गांव नागरा तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7497 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1077—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7518 नवम्बर 1974 में है तथा जो भोगपुर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

7-196 G1/75

(1) श्री बकशी सिंह सपुत्र जीवन सिंह गांव तथा डाकखाना भोगपुर (अन्तरक)

(2) श्री चानन सिंह, जसवंत सिंह, कामजीत सिंह अमरीक सिंह सपुत्र कैप्टन पिरंजन सिंह नगरनवली जिला जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7518 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1078—प्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1228 नवम्बर 1974 में है तथा जो गांव पनमा में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूगां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चानन कौर सपुत्री श्री केसर सपुत्र श्री भूपा निवासी गांव लिट, पोस्ट आफिस दसूहा

(अन्तरक)

(2) उजागर सिंह सपुत्र श्री मन्ता सिंह सपुत्र भुला गांव पनमा जिला हुशवारपुर, राम नाथ नमूना दास गुर-भजन सिंह, दर्शन सिंह निवासी लिट तहसील भूगां।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1228 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भूगां में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं०-1079—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1167 नवम्बर 1974 में है तथा जो नंगल थाथल (तहसील हुशयारपुर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बिना ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बाबू राम सपुत्र श्री वजिरया सपुत्र श्री अर्जन निवासी नंगल थाथल तहसील हुशयारपुर (अन्तरक)

(2) श्री जगदीशलाल सपुत्र दीना नाथ प्रोतम दास गुरमीत सिंह थाथल तहसील हुशयारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 1167 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भूंगा में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०-1080:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3160 नवम्बर 1974 में है तथा जो हुशयारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती उमा बती सपुत्री अनता सपुत्र श्री मथरा गांव थाथल तहसील हुशयारपुर (अन्तरक)

(2) श्री मंगल सिंह, जगदीश सिंह, रवीन्द्र लाल सपुत्र श्री राम दास कश्मीर देवी पत्नी मंगल सिंह निवासी शेरपुर बरयाना तहसील हुशयारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मैं जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3160 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा हूँ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1081—यत्, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3108 नवम्बर 1974 में है तथा जो नगराली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगत सिंह सपुत्र जीवन सिंह सपुत्र महन सिंह निवासी नगराला (अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार सपुत्र वेद प्रकाश सपुत्र श्री अनन्त राम खुलट मुहल्ला जगतपुरा हुशयारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3018 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1082—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3095 नवम्बर 1974 में है तथा जो सिवल लाईन हुशयारपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बिपन लाल सपुत्र लाला गोपीमल निवासी कुव्याला हाऊस, हुशयारपुर मुर० मुख्तारग्राम (अन्तरक)

(2) श्रीमती हरवन्त कुमारी विधवा जुगिन्द्र लाल (2) बिशन लाल, कुव्याला सपुत्र श्री बिशन लाल हुशयारपुर श्री यशपाल सपुत्र श्रीराम दयाल सिवल लाईन हुशयारपुर (अन्तरिणी)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3095 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1083—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2998
नवम्बर 1974 में है तथा जो मिलाप नगर हुशयारपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
यह उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देसराज खुराना सपुत्र श्री सोहना राम सपुत्र
श्री हीरालाल निवासी माडल टाउन हुशयारपुर (अन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण सपुत्र श्री शामलाल निवासी
बस्ती दोलत कानपुर, श्री हरभजन सिंह सपुत्र श्री बन्ता
सिंह जिला हुशयारपुर सपुत्र श्री चन्द गांव मान पी० एस०
हुशयारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2998 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा
है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1084—यतः मुझे, रवीन्द्र,

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 2485 नवम्बर 1974 में है तथा जो गन्धोगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गन्धोगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरकृष्ण सिंह सपुत्र धनया सिंह सपुत्र और सिंह, गांव गन्धोगल तहसील गन्धोगल (अन्तरिक)

(2) श्री गुरदेव सिंह, सन्तोख सिंह सपुत्र दरशन सिंह गांव गन्धोगल तहसील गन्धोगल यवतार सिंह, गुरमेज सिंह (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 2485 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गन्धोगल में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1085—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7494 नवम्बर 1974 में है तथा जो जट्टेसाली तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्राव्य 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—196GI/75

(1) श्री अमर जीत सिंह सपुत्र श्री रेशम सिंह श्रीमती धन कौर विधवा जवन्द सिंह, निवासी मंदर तहसील, जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह, अजीत सिंह, निर्मल सिंह, दिलवाग सिंह सपुत्र लक्ष्मन सिंह, निवासी जट्टेसाली तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7494 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1086—यतः, मुझे, रवीन्द्र

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1523 नवम्बर 1974 में है तथा जो मुकेरियां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेरियां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिफल से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मधट मल मयूख गुरदिता मल गांव मुकेरियां
(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार सपुत श्री अचनाश लाल निशामी
मुकेरियां (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रवि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1523 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेरियां में है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1087—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2975
नवम्बर 1974 में है तथा जो माडल टाउन हुशयारपुर में
स्थित है (और इसमें उनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बुद्ध सिंह सपुत्र दलेल सिंह सपुत्र खुशहाल
सिंह, माडल टाउन हुशयारपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्यन्त कौर पत्नी हरबकश सिंह सपुत्र
महंगा सिंह गांव तहसील हुशयारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2975 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1088—प्रतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2995
नवम्बर 1974 में है तथा जो हुशयारपुर में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राम सुन्दर सपुत्र श्री अमर नाथ सपुत्र अमी
चन्द सेठी, निवासी माडल टाऊन हुशयारपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रकान्ता पत्नी रविन्द्र नाथ पाठक
सपुत्र श्री भगत राम, निवासी मजारा टीगरां जिला हुशयारपुर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2995 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1974

निदेश सं० ए० पी० नं० 1089—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है। और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3258 दिसम्बर 1974 में है तथा जो हुशयारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कीमती लाल सपुत्र श्री डोगर मल सपुत्र श्री मेहर चन्द जैन बाजार सराफा हुशयारपुर (अन्तरक)

(2) श्री परस कुमार सपुत्र श्री डोगर मल सपुत्र मेहर चन्द बाजार सराफा जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3258 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1090—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2973 नवम्बर 1974 में है तथा जो निकट हरिबाग मन्दिर हुशयारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मोहन लाल सपुत्र श्री नंद लाल सपुत्र श्री मुन्शी राम निवासी मुहल्ला प्रेम गढ़ हुशयारपुर (अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र सिंह ग्रेवाल सपुत्र करम सिंह सपुत्र प्रताप सिंह निवासी बरीना जिला हुशयारपुर (2) नंदलाल सपुत्र श्री मुन्शी राम, रामगढ़ हुशयारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2973 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 31 जुलाई 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1091—प्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3136 नवम्बर 1974 में है तथा जो कच्चा टोवा होशियारपुर में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर नाथ सपुत्र श्री मस्तान चन्द सपुत्र
श्री गिरधारी लाल कच्चा टोवा होशियारपुर (अन्तरक)

(2) श्री मती कृष्णा रानी पत्नी दयाल चन्द मार्फत
ईशर दास कच्चा टोवा होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3136 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1092—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3156 नवम्बर 1974 में है तथा जो प्रेम गढ़ होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरमेल सिंह सुपुत्र श्री उधम सिंह निवासी प्रेमगढ़ होशियारपुर (अन्तरक)

(2) श्री निर्मल सिंह सुपुत्र श्री तख्त सिंह गांव मोना कलां तहसील होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3156 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, जालन्धर।

तारीख : 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० -1093-यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7431 नवम्बर 1974 में है तथा जो ललियां कला में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—196 GI/75

(1) श्री सुरजीत सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह गांव ललियां कला तहसील जिला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री दीदार सिंह, निर्मल सिंह सपुत्र श्री स्वर्ण सिंह गांव ललियां कला तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7431 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयन्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई, 1975

निदेश नं० ए० पी० -1094—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7735 नवम्बर 1974 में है तथा जो लम्बा पिन्ड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम सिंह सपुत्र आसा राम लम्बा पिन्ड जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री सत पाल सपुत्र श्री बूटा राम जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7735 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निदेश ए० पी० नं०-1095--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3502 दिसम्बर 1974 में है तथा जो गांव रटेवाल (फिल्लौर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अजीत राम सपुत्र श्री गुलजाटा राम गांव रटेवाल तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

(2) श्री विकराम चन्द सपुत्र श्री गुलजाटा राम, लैफ्टीडेंट ए० सी० एच० जटेवान जिला करनाल (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3502 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 31-7-1975

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किववाई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता 16, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० 270/एकुरे III/75-76/कल०—अतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री बलोराम मुखार्जी 31 मोतिलाल नेहरू रोड, कलकत्ता-26 (अन्तरक)

(2) उत्तरा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि० 12/2 पाम एविन्यु, कलकत्ता-16 (अन्तरिती)

(3) सर्व/श्री 1. राम कुमार मतदिन, 2. रघुबीर दयाल रामबतार, 3. शेख कचि, 4. प्रसान्त कुमार माहति, 5. सुदर्शन बणिक, 6. सन्धा राणी मजुमदार और हिमानसु कुमार मजुमदार, 7. तारा नाग, नेपाल नाग और विश्वनाथ नाग, 8. महादेव नाग, 9. आबदुल हक, 10. आबदुल हक, 11.

शेख तिनकरि, 12. भारकर चक्रवर्ती, 13. भारस्कर चक्रवर्ती 14. अनिल कुमार धर, 15. यतीन्द्र नाथ घोष, 16. महादेव चन्द्र पाल, 17. अनुराधा नाग, 18. पार्वती चौधुरी, 19. राम, पिरित प्रसाद साउ, 20. रामपिरित प्रसाद साउ और अशोक कुमार राय, 21. शिवसंकर चौधुरी, 22. रामबाहादुर चौधुरी 23. जगदीश चौधुरी, 24. सिताराम चौधुरी, और सिताराम चौधुरी, 25. अनिमा नाग, 29. समत दत्त, 27. राजेन्द्र साउ, 28. सारतिद सदीर, 29. अशोक दत्त, 30. शोभा साउ, 31. रामलगन साउ, 32. पन्चा नस्कर, 33. सन्तोष प्रमानिक 34. फनी प्रामानिक, 35. योगी साउ, 26. कुनीव साउ, 37. अन्कल साउ, 38. दुलाल नाग, 39. अखिल दास, 40. निखिल दास, 41. प्रसादी सि, 42. दुलाल हालदार, 43. सूर्य बागी, सूर्य बागी, 44. लक्ष्मी मण्डल, लक्ष्मी मण्डल 45. गुलाबी साउ, 46. जनक साउ, जनक साउ, 47. लक्षन गायान, 48. पालम सदीर, 49. मुक्ताराम मोड़ल, 50. बटुवर्तीक, 51. भारत मण्डल, 52. सुनील नाग, 53. एला खान, 54. शेख फकिस-दीन, 55. शेख गोলাম, 56. शेख बुलबुल, 57. शेख दिलवार, 58. सेन्द्रल फिसारीज कापौ०, 59. अब्दुल हक, 60. प्रसान्त कुमार माहति, 61. रक्तु ठाकुर, 62. तारा नाग, 63. आदि बालीगंज शिल्प समवाय लि०, आदि बालीगंज शिल्प समिति लि०, 63. दुलाल मण्डल, 65. ननी मण्डल, 66. निर्मल प्रामानिक, 69. गया साउ, 68. असरिफ साउ, 69. निखिल चन्द्र कुन्डल, 70. नारायण गोयल दोर, 71. हारान चन्द्र दे, 72. विष्णुपद दास, 73. बिपिन चन्द्र बेरा, 74. दादल चन्द्र सरकार ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 11 कठ्ठा जमीन और तालाब साथ उस पर बनाया गया समुचा पका या अस्थायी स्ट्राक्चर का अविभक्त, 1/4 अंश जो ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता पर अब स्थित है और ब्रड स्ट्रीट मार्केट, नाम से परिचित श्री र जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 7020/1974 का अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

तारीख : 26-7-1975 54, रफी अहमद किववाई रोड, मोहर :

कलकत्ता-16

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० 271/एकु० रे० III/75-76/कलकत्ता—अतः

मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है जिसकी सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री असिम कुमार मुखार्जी 31 मोतिलाल नेहरू रोड, कलकत्ता-26 (अन्तरक)

(2) उत्तरा कोअपारेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमि०, 12/2 पाम एविन्यु, कल०-16 (अन्तरिती)

(3) सर्व/श्री 1. रामकुमार मतदिन, 2. रघुवीर दयाल राम-वतार 3. शेख कचि, 4. प्रसान्त कुमार माद्धति, 5. सुदर्शन बणिक, 6. सन्धा राणी मजुमदार और हिमानसु कुमार मजुमदार, 7. तारा नाग, नेपाल नाग और विश्वनाथ नाग, 8. महादेव नाग, 9. अबदुल हक, 10. अबदुल हक, 11. शेख तिनकरि, 12. भास्कर चक्रवर्ती, 13. भास्कर चक्रवर्ती, 14. अनिल कुमार धर, 15. यतीन्द्र नाथ घोष, 16. महादेव चन्द्र पाल, 17. अनुराधा नाग, 18. पार्वती चौधुरी, 19. रामपिरीत प्रसाद साउ, रामपिरीत प्रसाद साउ, 20. अशोक कुमार राय,

21. शिवसंकर चौधुरी, 22. रामबाहादुर चौधुरी, 23. जगदीश चौधुरी, 24. सिताराम चौधुरी, सिताराम चौधुरी 25. अनिमा नाग, 26. समत दत्त, 27. राजेन्द्र साउ, 28. तारपिद सदीर, 29. अशोक दत्त, 30. शोभा साउ, 31. रामलंगन साउ, 32. पन्ना नस्कर, 33. सन्तोष प्रामानिक 34. फनी प्रामानिक, 35. योगी साउ, 36. कुनीब साउ, 37. अन्काल साउ, 38. दुलाल नाग, 39. अखिल दास, 40. निखिल दास, 41. प्रसादी सिं, 42. दुलाल हालदार, 43. सुर्य बागी, सुर्य बागी, 44. लक्ष्मी मण्डल, लक्ष्मी मण्डल, 45. गुलाबी साउ, 46. जनक साउ, जनक साउ, 47. लक्ष्मण गायान, 48. पालन सदीर, 49. मुक्ताराम मोड़ल, 50. बटु बर्तकि, 51. भारत मण्डल, 52. सुनील नाग, 53. एला खान, 54. शेख फकिरुद्दीन, 55. शेख गोলাম, 56. शेख बुलबुल, 57. शेख दिलवार, 58. सेन्द्राल फिसारीज कर्पो०, 59. अबदुल हक, 60. प्रसान्त कुमार माद्धति, 61. रक्तु ठाकुर, 62. तारा नाग, 63. आदि बालीगंज शिल्प सभबाय लि०, आदि बालीगंज शिल्प समिति लि०, 64. दुलाल मण्डल, 65. ननी मण्डल, 66. निर्मल प्रामानिक, 67. गया साउ, 68. आसरफि साउ, 69. निखिल चन्द्र कुण्डल, 70. नारायण कौपाल होर, 71. हारान चन्द्र दे, 72. विष्णुपद दास, 73. विपिन चन्द्र बेरा, 74. बादल चन्द्र सरकार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बिघा 11 कट्टा जमिन और तलाब साथ उस पर बनाया समुचा पाका या अस्थायी स्ट्राकचरका अविभक्त 1/4 अंश जो 13 ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता पर अब स्थित और ब्रड स्ट्रीट मार्केट नाम से परिचित और जो रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 7021/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता -16.

तारीख : 26-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० 272/एकुरे III/75-76/कल—अतः मुद्रा,
एल० के० बालसुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है।
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-
74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मन्मथ नाथ मुखार्जी 31 मोतिलाल नेहरू
रोड, कल०-26 (अन्तरक)

(2) उत्तरा को अपारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि०
12/2 पाम एविन्यु कल०-16 (अन्तरिती)

(3) सर्वे/श्री 1. रामकुमार मतदिन, 2. रघुबीर दयाल रामवतार
3. शेख कचि, 4. प्रसान्त कुमार माइति, 5. सुदर्शन वर्णिक,
6. सन्धा राणी मजुमदार और हिमानसु कुमार मजुमदार,
7. तारा नाग, नेपाल नाग और विश्वनाथ नाग, 8. महादेव
नाग, 9. अबदुल हक, 10. अबदुल हक, 11. शेख तिनकरि,
12. भास्कर चक्रवर्ती, 13. भास्कर चक्रवर्ती, 14. अनिल
कुमार धर, 15. यतीन्द्र नाथ घोष, 16. महादेव चन्द्र पाल,
17. अनुराधा नाग, 18. पार्वती चौधुरी, 19. रामपिरीत
प्रसाद साउ, रामपिरीत प्रसाद साउ, 20. अशोक कुमार राय,

21. शिवसंकर चौधुरी, 22. रामबाहादुर चौधुरी, 23.
जगदीश चौधुरी, 24. सिताराम चौधुरी, सिताराम चौधुरी
25. अनिमा नाग, 26. समत दत्त, 27. राजेन्द्र साउ,
28. तारपिद सदीर, 29. अशोक दत्त, 30. शोभा साउ,
31. रामलंगन साउ, 32. पन्ना लस्कर, 33. सन्तोष प्रामानिक
34. फनी प्रामानिक, 35. योगी साउ, 36. कुनीब साउ,
37. अन्काल साउ, 38. दुलाल नाग, 39. अखिल दास,
40. निखिल दास, 41. प्रसादी सि, 42. दुलाल हालदार,
43. सुर्य बागी, सूर्य बागी, 44. लक्ष्मी मण्डल, लक्ष्मी मण्डल,
45. गुलाबी साउ, 46. जनक साउ, जनक साउ, 47. लक्षन
गायान, 48. पालन सद्दीर, 49. मुक्ताराम मोडल, 50.
बटु बर्तक, 51. भारत मण्डल, 52. सुनील नाग, 53.
एला खान, 54. शेख फकिरुद्दीन, 55. शेख गोलाम, 56.
शेख बलबुल, 57. शेख दिलबारा, 58. सेन्ट्राल फिसारीज
कर्पो०, 59. अबदुल हक, 60. प्रमन्त कुमार माइति,
61. रक्तु टाकुर, 62. तारा नाग, 63. आदि बालीगंज
शिल्प समवाय लि०, आदि बालीगंज शिल्प समिति लि०,
64. दुलाल मण्डल, 65. ननी मण्डल, 66. निर्मल प्रामानिक,
67. गया साउ, 68. आसरफ साउ, 69. निखिल चन्द्र
कुन्डल, 70. नारायण कोपाल होर, 71. हारान चन्द्र दे,
72. विष्णुपद दास, 73. बिपिन चन्द्र बेरा, 74. बादल चन्द्र
सरकार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बिघा 11 कट्टा जमिन और तलाब साथ उस पर
बनाया समुचा पाका या अस्थायी स्ट्राकचरका अविभक्त
1/4 अंश जो 13 ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और
ब्रड स्ट्रीट, मार्केट नाम से परिचित और जो कि रेजिस्ट्रार,
आलिपुर 24 परगना द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 8065/
1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 26-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० 270/एकुरे III/75-76/कल०—अतः मुझे,
एल० के० वालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 2-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सौरेन्द्र नाथ मुखार्जी, 31 मोतीलाल नेहरू रोड,
कल०-26 (अन्तरक)

(2) उत्तरा कोअपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी
लिमि० 12/2 पाम एविन्यु, कल०-16 (अन्तरिती)

(3) सर्वे/श्री 1. रामकुमार मतदिन, 2. रघुबीर दयाल रामवतार
3. शेख कचि, 4. प्रसान्त कुमार माइति, 5. सुदर्शन बणिक,
6. सन्धा राणी मजुमदार और हिमानसु कुमार मजुमदार,
7. तारा नाग, नेपाल नाग और विश्वनाथ नाग, 8. महादेब
नाग, 9. आबदुल हक, 10. आबदुल हक, 11. शेख तिनकरि,
12. भास्कर चक्रवर्ती, 13. भास्कर चक्रवर्ती, 14. अनिल
कुमार धर, 15. यतीन्द्र नाथ घोष, 16. महादेब चन्द्र पाल,
17. अनुराधा नाग, 18. पार्वती चौधुरी, 19. रामपिरीत
प्रसाद साउ, रामपिरीत प्रसाद साउ, 20. अणोक कुमार राय,
21. शिवसंकर चौधुरी, 22. रामबाहादुर चौधुरी, 23.
जगदीश चौधुरी, 24. सिताराम चौधुरी, सिताराम चौधुरी

25. अनिमा नाग, 26. समत दत्त, 27. राजेन्द्र साउ,
28. तारपिद सदीर, 29. अणोक दत्त, 30. शोभा साउ,
31. रामलगन साउ, 32. पन्चा नस्कर, 33. सन्तोष प्रामानिक
34. फनी प्रामानिक, 35. योगी साउ, 36. कुनीब साउ,
37. अन्काल साउ, 38. दुलाल नाग, 39. अखिल दास,
40. निखिल दास, 41. प्रसादी मि, 42. दुलाल हालदार,
43. सुर्य बागी, सुर्य बागी, 44. लक्ष्मी मन्डल, लक्ष्मी मन्डल,
45. गुलाबी साउ, 46. जनक साउ, जनक साउ, 47. लक्षन
गायान, 48. पालन सञ्जीर, 49. मुक्ताराम मोइल, 50.
बटु बर्तीक, 51. भारत मन्डल, 52. सुनील नाग, 53.
एला खान, 54. शेख फकिरुद्दीन, 55. शेख गोसाम, 56.
शेख बुलबुल, 57. शेख दिलवार, 58. सेन्द्राल फिसारीज
कर्पो, 59. आबदुल हक, 60. प्रसान्त कुमार माइति,
61. रक्तु ठाकुर, 62. तारा नाग, 63. आदि बालीगंज
शिल्प समवाय लि०, आदि बालीगंज शिल्प समिति लि०,
64. दुलाल मन्डल, 65. ननी मन्डल, 66. निर्मल प्रमानिक,
67. गया साउ, 68. आसरफि साउ, 69. निखिल चन्द्र
कुन्डल, 70. नारायण कोपाल होर, 71. हारान चन्द्र दे,
72. बिष्णुपद दास, 73. विपिन चन्द्र देरा, 74. बादल चन्द्र
सरकार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बिघा 11 कट्टा जमिन और तलाब साथ
उसपर बनाया समुवा पाका या अस्थायी स्ट्राफचरका अविभक्त
1/4 अंश जो 13 ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और
ब्रड स्ट्रीट मार्केट नामसे परिचित और जो रेजिस्ट्रार आफ
एसुरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 7036/
1974 का अनुसार है।

एल० के० वालसुब्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, 54 रफी ग्रहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 26-7-1975

मोहर :

प्रस्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० 75/एक्यू०/सहारनपुर/726/74-75-अतः मुझे,
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुरूप है तथा जो चकरोता बस स्टैन्ड सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवहारों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सजन बती पत्नी लाला पद्म प्रसाद जैन निवासी गांव जादोदा पन्डा तहसील देव बन्द मोहल्ला रानी बाजार, जिला मेरठ। (अन्तरक)

(2) श्री लाला हर भगवान दास पुत्र लाला कर्मचन्द निवासी 6/972 चकरोता बास स्टैन्ड के सामने सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी तथा व्यवसायी प्लॉट नं० 6/972 साथ में एक बड़ा शौड जो चकरोता बस स्टैन्ड के सामने सहारनपुर में स्थित है 40,000 रुपये में बेचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० आय ए० सी०/ए० सी० क्यू०/38/75-76—

यतः मुझे, डी० रामाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्कल नं० 19/27, वार्ड नं० 1/3 मकान नं० 043 के पश्चिम भाग वाला हिस्सा है तथा जो नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—
10—196 GI/75

(1) मेसर्स अमृत फार्मसी प्राईवेट लिमिटेड, नागपुर
द्वारा डायरेक्टर श्री प्रताप राव कृष्णराव प्रधान
(अन्तरक)

(2) (1) श्री विगायकराव लक्ष्मणराव बावने
(2) श्री वासुदेवराव लक्ष्मणराव बावने
(3) श्री मधुकरराव लक्ष्मणराव बावने (अन्तरिती)

(3) (1) भारतीय हॉटेल, नागपुर : निचली मंजिल
(2) नागपुर साड़ी केंद्र, नागपुर : पहली मंजिल
(3) श्री डी० व्ही० नवगरे : दुसरी मंजिल
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (1) नागपुर साड़ी केन्द्र, नागपुर
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 043-3 मंजिल का आधा हिस्सा, पश्चिम भाग, सर्कल नं० 19/27, वार्ड नं० 1/3 जिसका परिमाण 42'×13'—9" है जो सीताबर्डी मेन रोड नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है।

डी० रामाराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नागपुर।

तारीख : 31-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए०सी०क्यू० 23-1-460(201)/1-1/75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 67, 68, सब प्लॉट नं० 26, एफ० पी० नं० 387, टी० पी० एस० नं० 19 है, तथा जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चांदनीबेन टी० देसाई, 30 महाराष्ट्र सोमायटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) आनंदीनी प्लैटस को-आपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस : हंसाविला, नवरंगपुरा कासींग के निकट अहमदाबाद (अन्तरिती)

(3) 1. श्री रमेशचंद्र चिमनलाल गांधी, 2. श्रीमती हेमलताबेन के० पटेल, 3. श्रीमती खेरशेद महेरजी अबारी, 4. विराफ पेशोत्तन दूकानदार, 5. इन्दिराबेन के० हेगडे, 6. विणाबेन एच० देसाई, आनंदीनी प्लैटस को-आपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, सेंट जेवियर्स हाई स्कूल के निकट, अहमदाबाद-9

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन (बाँछकाम सहित) जिसका क्षेत्रफल 607 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 67, 68, सब प्लॉट नं० 26, एफ० पी० नं० 387, टी० पी० एस० नं० 19 है और जो नवरंगपुरा अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 9-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 31-पी०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भरौली बाजार देवरिया है तथा जो
मकान जिसका क्षेत्रफल 1043 वर्ग फीट है जो में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवरिया में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4/12/1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महावीर प्रसाद मोदी (अन्तरक)

(2) श्री पीताम्बर लाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 1043 वर्ग फीट
है जो ग्राम भरौली बाजार जिला देवरिया में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 7-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 52-आर/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० — है तथा जो भरौली बाजार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवरिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|-----------------------------|------------|
| (1) श्री महावीर प्रसाद मोदी | (अन्तरक) |
| (2) श्रीमती रुकमनी देवी | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 1043 वर्ग फीट जो ग्राम भरौली बाजार जी० देवरिया में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लखनऊ।

दिनांक : 7-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री महावीर प्रसाद मोदी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लालता देवी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं० 19-एल०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० --- है तथा जो भरीली बाजार देवरिया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवरिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 1043 वर्ग फीट जो ग्राम भरीली बाजार जी० देवरिया में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख : 7-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० 9-एन०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० एम० 271/1 है तथा जो ग्राम चांदपुर देहात जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुशीला देवी जजोदिया (अन्तरक)

(2) श्री नवनीत अरुण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० एम० प्लॉट नं० 271/1 एक किता प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3633 वर्ग फीट है जो ग्राम चांदपुर देहात जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख : 9-7-1975

मोहर :

प्रहण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सी० अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जून 1975

निर्देश सं० ए० सी० 219/आर०-IV/कल०/75-76--
अतः मुझे, एस० बट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 14 है तथा जो महात्मा गांधी रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गधा गोविन्द नन्दी, राजन्द्र नारायण नन्दी, नन्दलाल नन्दी, राधा पद नन्दी, हरिसाधन नन्दी,

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्ध नन्दी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविभाजित आधा हिस्सा 5 कट्टा के लगभग जमीन और उस पिर मकान का, जो के 14 महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता में है।

एस० बट्टाचार्य,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 28-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 24 मई 1975

निर्देश सं० 19/75-76/आई० ए० सी० (ए०/आर०)/
यतः मुझे, जी० बी० यान्ट
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० सी० एस० प्लट नं० 105/1, 106/2
है, जो मंगलाबाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जिला सब रजिस्टार कटक में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 य(1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रमेश कुमार भोसिका, 2. कमल किशोर
भासिका, 3. श्रीमती अम्बिका देवी, स्वामी स्वर्गत दुर्गादत्त
भोसिका (अन्तरक)

(2) दि० उत्कल अटो मोवाईलस् पी० भी० टी०,
एस० टी० डी०, कयांटन मेट रोड, कटक टाउन म्यानेजि
आगिरेक्टर, श्री नगिन भगवानजी पारिस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमिन और मकान कयांटन मेट रोड, मंगलाबाग, कटक
टाउन में सी० एस० प्लट नं० 105/1, 106/2 पर स्थित
है। वह जमिन 6-12-1974 तारीख में कटक जिला सब
रजिस्टार अफिस में रजिस्टार हुआ, जिसकी डकुमेंट नं०
7867 है।

जी० बी० यान्ट,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भुवनेश्वर।

तारीख 24-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज शिलांग

शिलांग, दिनांक 19 मई 1975

निर्देश सं० ए० 96/75-76/515-536—अतः मुझे, एगवर्ट सिंग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बकसा पत्ता नं० 3, दाग नं० 3092, 3098 और दाग नं० 3099 का भाग से एपरलेनिङ टु दाग नं० 3100, 3101 और 3102 हैं तथा जो सिलचार टाउन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिलचार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताकीख 14-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अनिल कुमार चन्दा सन अफ मिरतक किसिनी कुमार चन्दा, जिसके मकान जीठुभूम, सानतिनिकेतन, जिला बिरबूम में हैं।
2. श्री जुक्ता मनिका चन्दा, बिदवा असोक कुमार चन्दा जिसकी मकान 54 ई, सुजान सिंग पार्क, नई दिल्ली में हैं।
3. श्रीजुक्ता अंजली पाल बाईफ अफ श्री निक्किल रंजन पाल जिसकी मकान 54 ई०, सुजान सिंग पार्क, नई दिल्ली में हैं।
4. श्रीजुक्ता मलाबिका करलेकार, बाईफ अफ श्री हिरनमय करलेकार जिसकी मकान 116, गल्फ लिण्ड, नई दिल्ली में हैं।
5. श्री अरिजित कुमार चन्दा, सन अफ मिरतक अरुन कुमार चन्दा जिसकी मकान दिगबोड, आसाम में हैं।

6. श्री अमाजित कुमार चन्दा, सन अफ मिरतक अरुण कुमार चन्दा जिसकी मकान 131 नेताजी सुभाष रोड, टोलिंगंगा, कलकत्ता।
7. श्रीजुक्ता जैएश्री सेन बाईफ अफ समरेन्दा चन्द्र सेन जिसकी मकान 182 नेताजी सुभाष चन्द्र रोड, टोलिंगंगा, कलकत्ता।
8. श्रीजुक्ता जयन्ती नेवराजानी बाईफ अफ श्री भीर-तिरथ दास नेवराजानी जिसकी मकान 1, बालि-गटन एभेन्यू, लन्डन, यू० के०
9. श्रीजुक्ता लटिका सरकार बाईफ अफ श्री चन्चल सरकार, एल०-1/10 हाउज खास, नई दिल्ली।
10. श्री शिशिर कुमार दत्ता सन अफ मिरतक हेम चन्द्र दत्ता जिसकी मकान 16 हिन्दुस्तान पार्क, बालीगन्ज, कलकत्ता।
11. आगे बताई हुई श्री अनिल कुमार चन्दा मारागिया अपुर्भ कुमार चन्दा का उईल का सिन एक्सीक्यूटर और दास्ती मध्ये में वह एक है, मानुस 9,10,11 का वारेमे श्री अनुजीत कुमार चन्दा अलाइस, श्री टरुनान्दु अलाइस पुनो। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल लाल, सन अफ मिरतक किसोन लाल लाला सेन्तराल रोड, सिलचार टाउन, जिला कचार। (अन्तरिती)
- (3) मेसर्स सुरमा इलेक्ट्रिक स्टोर्स सिलचार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह सब टुकड़ा टुकड़ी जमीन बकसा पत्ता नं० 3 के मौजा सिलचार टाउन, जिला कछार आसाम प्रदेश में स्थित हैं। उसकी मपाई 78 फिट पुरब से पश्चिम तक और 43 फिट उत्तर से दक्षिण तक दाग नं० पूरा 3093, 3089 और कुछ भाग नं० 3099 और 100 फिट पुरब से पश्चिम की ओर 84 फिट उत्तर से दक्षिण तक जो दाग नं० 3100, 3101 और 3102 में पुरि पड़ि हैं इन सब कि जोड़ लगभग 16 कला, 2 छताके जिसकी उत्तर में छोटी रास्ता वि० एन० एन० के० गर्लस हाई स्कूल की ओर दक्षिण में नाला और उसके बाद चनदास का जमीन, पुरब में दि० एन० एन० के० गर्लस हाई स्कूल, पश्चिम में पि० डबल्यू० दि० रोड से घिरी हुई हैं।

एगवर्ट सिंग,

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 19-5-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज शिलांग।

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1975

निर्देश सं० 23-I-464(186)/1-1/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 256-257, सब प्लॉट नं० 2ए०, टी० पी० एस० 3 है, जो शेखपुर खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख 30-12-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मैसर्स निमल लैन्ड कारपोरेशन की ओर से, भागीदार श्री भरत कुमार सीताराम देहलीवाला, पद्म प्रभु सोसायटी, पालड़ी, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्रेयस शापिंग सेंटर ओनर्स एसोसिएशन की ओर से मन्त्री (सैक्रेटरी) श्री महेन्द्र कुमार नाथा लाल गाह, शाहीबाग, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिस का फायनल प्लॉट नं० 256-257, सब प्लॉट नं० 2ए०, टी० पी० स्कीम नं० 3 है तथा जो शेखपुर खानपुर (नवरंगपुरा), अहमदाबाद में स्थित है और जिस का क्षेत्रफल 9231/13 वर्ग गज है (यानी 3000 वर्गगज का 40/130 अविभक्त भाग)।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 23-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जून 1975

निर्देश सं० अर्जन 181/गाजियाबाद/74-75/535—अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो रामनगर, गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती राजरानी पत्नी श्रीवोधराज नि० मोहल्ला कुम्हारान बाई नं० 3 मुरादनगर, परगना जलालाबाद, जि० मेरठ (अन्तरक)

(2) श्रीमती महेन्द्र कौर तत्नी श्री लखवीर सिंह नि० 161, गोपाल नगर, गाजियाबाद (अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति जो रामनगर गाजियाबाद, जि० मेरठ में स्थित प्लॉट नं० 14 जिसका क्षेत्रफल 170 7/9 वर्ग-गज है जिसमें दो कमरे, लैटरीन, बाथरूम, और किचन बना हुआ है। इसका हस्तान्तरण 40,000/- में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर।

तारीख: 2-6-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 मई 1975

निर्देश सं० ए०-95/गौ०/75-76/363-73—अतः मुझे, एगवार्ट सिंग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डाग सं० 586, के० पि० पट्टा सं० 282 है तथा जो गाँव जाफ्रिंग, मौजा बेलतला, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री देवान सुता उल्ला लाखटकिया, गौहाटि (अन्तरक)

(2) 1. अनुप कुमार सान्याल, केयर आफ बैचनाथ जुयेलरी, लाखटकिया, गौहाटि

2. डालिम पाठक उकील, बेलतला, पोस्ट आफिस दिसपुर, गौहाटि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन की माप 5 (पाँच) बिघा 2 (दो) कट्टा है है जो डाग सं० 586, के पि० पट्टा सं० 282 से घिरे हुए है और गाँव जाफ्रिंग, मौजा बेलतला, जिला कामरूप, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एगवार्ट सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 2-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सचवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 30 मई 1975

निर्देश सं० ए०-103/वि० वि० आर०/75-76/700-11

—अतः मुझे, एगबर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1. एन० एल० आर० ग्रान्त नं० 165 (160)-दाग नं० 1 से 11, 13 से 25, 74, 83, 86, 88 से 103, 105 से 124, 104/125, 23/126 और 74/127 मौजा रंगागोरा में। 2. एन० एल० आर० ग्रान्त नं० 236(234) दाग नं० 14 से 19, 28 से 44, 56 से 59 और 66 मौजा रंगागोरा में। 3. एन० एल० आर० ग्रान्त नं० 257 दाग नं० 27, 46 से 53, 60 से 65, 67 से 72, 75 से 82, 84 और 87, सब-रेजिस्ट्रार दफ्तर तिनसुकिया में है। 4. एन० एल० आर० ग्रान्त नं० 40 (37) दाग नं० 60 से 64 और 79 से 83 मौजा तिनसुकिया में। 5. एन० एल० आर० ग्रान्त नं० 76(73) दाग नं० 30 से 34, 36 से 39, 41 से 51, 55 से 58 और 59 मौजा तिनसुकिया में। 6. पत्ता नं० 1-दाग नं० 1 से 22, 27 से 29, 52 से 54, 65, 66, 5/68 और 64 से 77 मौजा तिनसुकिया में। 7. पत्ता नं० 1-दाग नं० 104 मौजा रंगागोरा में। 8. पत्ता नं० 1-दाग नं० 1 से 20, 23 से 28, 30, 31, 36, 40, 43 से 50 मौजा रंगागोरा में। 9. पत्ता नं० 12-दाग नं० 55, 61, 66, 67, 69 और 72 मौजा रंगागोरा में। 10. पत्ता नं० 40-दाग नं० 24 मौजा रंगागोरा में। 11. पत्ता नं० 33-दाग नं० 77 और 78 मौजा तिनसुकिया में। 12. पत्ता नं० 33-दाग नं० 131 मौजा रंगागोरा में। 13. पत्ता नं० 15-दाग नं० 30, 31, 45 और 50 मौजा रंगागोरा में। है तथा जो मौजा तिनसुकिया और रंगागोरा तिनसुकिया सब-डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिवहगई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दि जोकाई (आसाम) टि० कम्पनी लिमिटेड,
29 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री नन्दलाल अगरवाला, बिसमाइल, पो० अ०
चबुआ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वह दुकान दुकरी जमी जिसको हुकनपुकरी टि इस्टेट कह जाती है और इसके माप 2889.14 एकर्स लगभग इसके अंदर प्लानटेशन गांव और बहुत ससान, कल कारखाना इत्यादि खड़े हैं ।

एगबर्ट सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख : 30 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 31 मई 1975

निर्देश सं० ए० 102/जे० आर० टि०/75-76/685-94

—अतः मुझे, एगवटे सिंग

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

सं० नं०	ग्रान्त अथवा पत्ता नं०	मौजा
1. पि० नं० 1 (ग्रान्त नं० 146/387) पार्त		खाडगिया
2. पत्ता नं० 1-पार्त		—दु—
3. पि० नं० 1-ग्रान्त नं० 39/413 (पार्त)		—दु—
4. पि० नं० 1-ग्रान्त नं० 163/570/179 पार्त		—दु—
5. पि० नं० 1-ग्रान्त नं० 135/20 पार्त		—दु—
6. पि० नं० 1- —दु—		—दु—
7. पि० नं० 1-ग्रान्त नं० 172/441		—दु—
8. पि० नं० 9		—दु—
9. पि० नं० 1		—दु—
10. पि० नं० 5		—दु—
11. पि० नं० 1		—दु—
12. पि० नं० 15 (नया)		—दु—
13. पि० नं० 11 (नया)		—दु—
14. पि० नं० 1/के० ए०		—दु—
15. पि० नं० 18 (नया)		खाडगिया
16. पि० नं० 36		—दु—
17. पि० नं० 284 (एन० 316)		काकादंगा
18. पि० नं० 309		—दु—
19. पि० नं० 114		—दु—

है तथा जो मौजा खानगिया और काकादंगा सिबसागर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री हेमचन्द्र प्रसाद बरूवा, श्री रोमेन्द्र प्रसाद बरूवा, श्रीमती कमल कुमारी बरूवा, द्रुस्तीस आफ सिभ प्रसाद बरूवा फेमिली ट्रस्ट, क्लब रोड, जोरहाट (अन्तरक)
- (2) मेसर्स बरासाली टि० कम्पनी प्राइवेट लिमि० ना-अलि, जोरहाट (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

साडसुग्रा टि० ईस्टेट के जमीन के माप प्राय 1003.07 (दाग नं० 114, 115) (भाग) 116 और 117 के पत्ता नं० 9 पेरिश्रोदिक में से 18.06 एकर्स जमीन बांटा गई है। यह गाँव साडसुग्रा मौजा खाडगिया में है। इसके अन्तर चाय का गाँव, बहुत मकान और इत्यादि खड़े हैं और इन सब को मिला के साडसुग्रा टि० ईस्टेट कहलाती है जो सिबसागर जिला में स्थित है।

एगवटे सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 31 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एम० चन्द्र मिश्रा

(अन्तरक)

(2) श्री राम प्यारी देवी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० 51-आर०/अर्जन--अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 88 है तथा जो महानगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 88 जो कि 10000 वर्ग फिट है जो कि महानगर लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 7 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री महावीर प्रसाद मोदी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहन लाल (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी,
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० 54-एम०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० — है तथा जो ग्राम भरोली देवरिया
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवरिया
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 4-12-1974

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

अनुसूची

एक कित्ता मकान जो कि 1043 वर्ग गज में है यह
ग्राम भरोली जिला देवरिया में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 7 जुलाई 1975

मोहर:

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/845/65-65/1292—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15-ए०/16 है, जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
2—196GI/75

(1) श्री बलराज मिगलानी सुपुत्र श्री भेरया लाल मिगलानी, निवासी 15-ए०/16, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री बृज नन्दन गुप्ता, सुपुत्र श्री राम रूप गुप्ता, निवासी 15-ए०/16, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लोजहोल्ड जायदाद जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जिसका नं० 15-ए०/16, है, और जो कि ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : जी० बी० पी०

दक्षिण : जी० पी० बी०

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 2, दिल्ली,
नई दिल्ली-1

तारीख : 1 जुलाई 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 25 जून 1975

निर्देश सं० III-900/अर्जन/75-76/383—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट सं० 3932 तोजी सं० 9386 है तथा जो डूमराँव में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्वारा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एम० एस० डूमराँव प्रोपर्टीज एण्ड इन्टर प्राइजे...
(फ़ा०) लिमिटेड, डूमराँव, जिला-भोजपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी खेमानी जीजे स्व० काशी
नाथ खेमानी द्वारा शंकर क्लौथ स्टोर, चौक बाजार डूमराँव,
जिला भोजपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक टुकड़ा जमीन जिसका रकबा उकरठा 13 घूर है
जिसका सर्वे (प्लॉट सं० 3932 तथा तोजी सं० 9386
जो डूमराँव शहर में स्थित है जो कि दस्तावेज सं० 11830
दिनांक 18-12-74 में पूर्णतया वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज पटना।

तारीख : 25 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० सी० क्यू० 23-1-564/(197)/16-
6/74-75—प्रतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की

धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी

को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 401 प्लॉट नं० 1 और 2, है

तथा जो मवडी प्लॉट राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-

कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख 26-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंसर्ज पटेल भावजी कानजी एन्ड ब्रदर्स जेष्ठल रोड दरवाजा, राजकोट (अन्तरक)

(2) एक्ज्युमेक्स लिमिटेड, नथल कुंज एनेक्ष डॉ० राजेन्द्र प्रसाद रोड, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या, तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कम्पाउन्ड वाल सहित खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल लगभग 15555.5 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 401 प्लॉट नं० 1 तथा 2 है और जो मवडी प्लॉट भक्तीनगर रेलवे स्टेशन के पीछे राजकोट में स्थित है और जिसका पूर्व विवरण बिक्री दस्तावेज नं० 3811 दिनांक 26-12-1974 में सच रजिस्ट्रार राजकोट द्वारा दिया गया है।

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख : 3-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त. (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 1 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए०-107/नौगाउं/75-76—यतः, मुझे, श्री एगबर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दाग नं० 865, 864, 884, पि० पि० नं० 382 है तथा जो हाईवर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नौगाउं में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मोतिलाल दात्रा, मारवारी पाली नौगाउं सहर (आसाम) (अन्तरक)

2. श्री मोहनलाल ग्रौर बाल, श्री दिप चन्द कोथारी हाईवर गांउ, नौगाउं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 1 (एक) काथा जो कि दाग नं० 865, 864, 884, पि० पि० नं० 382, हाईवर गांउ जिला नौगाउं, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एगबर्ट सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 1 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 138/74-75—यतः मुझे,
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-से अधिक है
और जिसकी सं० 5-8-42 नामपल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-12-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1, श्री अनंता विजय श्रीधर नामक, 5-8-42 फते सुल्तान
लेन, नामपल्ली हैदराबाद (अन्तरक)

2, मेसर्स नन्दनाम कन्स्ट्रक्शन कम्पनी म्योनेजिंग पार्टनर्स
श्री एन० नरहरी रेड्डी और एम० एल० प्रसादाराव द्वारा 3-4-863
बरकत पुरा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—ईमारत तथा जमीन सं० 5-8-42, फते सुल्तान
लेन, नामपल्ली, हैदराबाद क्षेत्रफल 3460 वर्गफीट :—

पूरब—काम्पोन्ड वाल अन्तरक का,
पश्चिम—काम्पोन्ड वाल अन्तरक का,
उत्तर—काम्पोन्ड वाल अन्तरक का,
दक्षिण—काम्पोन्ड वाल अन्तरक का ।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 24-3-1975

मोहर :

प्रकरण आई० पी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता.

कलकत्ता, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 250 एकु० रे -III/75-76/कल०—यन. मुझे.
के० एल० बालसुब्रह्मनियम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 21 है, जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है,
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7-12-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्त्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पार्वती प्रसन्न घोष 10/1, रेनी पार्क, कलकत्ता
(अन्तरक)
2. प्रवीर कुमार दत्त 'मनिका', 9 बि० लैंड, सिन्हा रोड,
कलकत्ता
(अन्तरितों)
3. श्री मिहिर कुमार दत्त समीर कुमार दत्त शिबिर कुमार
दत्त श्री मति प्रतिमा दत्त, 9 बि० लैंड सिन्हा रोड, कलकत्ता
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 35
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 14 छटांक स्को: फुट जमीन का अविभक्त 1/4
अंश जो सं० 21 गुरुसदय रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जो
रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल
सं० 7 183/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रह्मनियम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 23-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 251/एकुरे-III/75-76/कल०—यतः मूजे.
एल० के० बालसुब्रमणियन,घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 21 है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) पके अधीन
तारीख 7-12-1974 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए शय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—1. श्री पार्वती प्रसन्न घोष 10/1, रेनी पार्क, कलकत्ता
(अन्तरक)2. श्री समीर कुमार दत्त 'मिनिका', 9 बि० लर्ड
सिनहा रोड कलकत्ता (अन्तरिती)3. श्री मिहिर कुमार दत्त, प्रवीर कुमार दत्त, शिशिर कुमार
दत्त, श्री मति प्रतिमा दत्त, 9 बी०, लर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शायेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 14 छटांक 9 स्को: फुट जमीन का अविभक्त
1/5 अंश जो सं० 21, गुरुसदय रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और
जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल
सं० 7184/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमणियन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज-III 54, रफी ग्रहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 23-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 252/एकुरे 3/75-76/कलकत्ता—यतः, मुझे,
एल० के० बालमुब्रमनियन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 21 है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
7-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पार्वती प्रसन्न घोष 10/1 रेनी पार्क, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. शिशिर कुमार दत्त 'मिनिका' 9 बी० लर्ड सिनहा रोड,
कलकत्ता
(अन्तरिती)

3. श्री मिहिर कुमार दत्त, प्रवीर कुमार दत्त, समीर कुमार
दत्त, श्रीमती प्रतिमा दत्त, 9 बि०, लर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्ठा 14 छटांक 9 स्को: फुट जमीन का अग्रिभक्त
1/5 अंश जो सं० 21, गुरुसदय रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और
जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल
सं० 7185/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालमुब्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, 54 रफी अहमद

किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख : 23-4-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 187/एकुरे-III/75-76/कलकत्ता—अतः, मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 21 है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7-12-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—
13—196GI/75

1. श्री पार्वती प्रसन्न घोष 10/1, रेनी पार्क, कलकत्ता
(अन्तरक)
2. मिहिर कुमार दत्त 'मनिका', 9 बि०, लर्ड सिनहा रोड
कलकत्ता (अन्तरिती)
4. प्रवीर कुमार दत्त, समीर कुमार दत्त, शिशिर कुमार
दत्त, श्रीमती प्रतिमा दत्त, 9 बी०, लर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 14 छटांक 9 स्को : फुट जमीन का अभिभक्त
1/4 अंश जो सं० 21, गुरुसदय रोड, कलकत्ता और अबस्थित और
जो रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल
सं० 7182/1974 का अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 23-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 253/एकुरे-III/75-76/कलकत्ता—यतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21 है तथा जो गुरुसदाय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा, 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री पार्वती प्रसन्न घोष 10/1 रेनी पार्क, कलकत्ता (अन्तरक)

2. प्रतिमा दत्त, 'मनिका' 9 बि, लर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

4. श्री मिहिर कुमार दत्त, प्रवीर कुमार दत्त, समीर कुमार दत्त, शिशिर कुमार दत्त, बी, लर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 14 छटां 9 स्को : फुट जमीन का अविभक्त 1/5 अंश जो सं० 21, गुरुसदाय रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत सं० 7186/1974 का अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 23-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० 88/गोहाटी/74-75/4229-39-अतः मुझे
एगबर्ट सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० पि० सं० 1068 है तथा जो गोला घाटी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोलाघाट में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम चन्द्र महन्त, जोर हाट । (अन्तरक)

2. (1) तोफानी बोरा केअर प्रभात बोरा ।

(2) अनुपमा बोरा केअर श्री निष्प बोरा निस्पेक्टर
सेल-ट्रेक्स, नौगांग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन की माप 2 विगहा 2 कट्टा और 11 लेचा जो पि०
सं० 1068 द्वारा परिविच्छित और गोला घाट टाउन जिला-शिव-
सागर आसाम में स्थित है ।

एगबर्ट सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख : 10 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा-269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 मार्च, 1975

निर्देश सं० 41-ए/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० — है तथा जो लालपुर हमीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तह० बिलारी मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जियाउल रहमान (अन्तरक)

2. श्री अजीज अहमद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38-73 का 1/4 भाग जिसमें द्यूबबैल, इमारत और मशीनरी शामिल है। जोकि ग्राम लालपुर हमीर, तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 31 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड-4

धारवाड-4, दिनांक 27 मई 1975

निर्देश सं० 77/75-76/ए०सी०क्यू०—अतः मुझे आर०
पार्थसारथी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 10/सी० और सी० टी० एस०
नं० 420 है, जो केशवापुर, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हुबली में डाक्युमेंट नं० 2592 के अन्तर्गत 24 दिसम्बर
1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बसनगोंडा फकीर गोंडा पाटील, केशवापुर, हुबली ।
- (2) श्री फकीर गोंडा बसनगोंडा पाटील, केशवापुर,
हुबली ।
- (3) श्री नरसिंह गगाधर शेवडे, मालमडडी, धारवाड ।
- (4) श्री देवदास नरसिंह शेवडे, केनारा बैंक, ट्राफिक
एल्योड ब्रांच, हुबली । (अन्तरक)

2. मैसर्स नारायणजी कानजी, केशवापुर, हुबली अपने
पार्टनरों के जरिये ।

- (1) श्री नारायणजी कानजी;
- (2) श्री मोतीचंद नारायणजी;
- (3) श्री वीरचंद नारायणजी;
- (4) श्री चमनलाल नारायणजी और
- (5) श्री रत्तीलाल नारायणजी,
मर्चेंट्स, केशवापुर, हुबली । (अन्तरिती)

3. (1) श्री वामन लिंगो कुलकर्णी;
- (2) श्री भीनाजी नारायण दीक्षित, कान्द्राकटर;
- (3) श्री वेंकप्पा भीमप्पण यडल्ली, फैंर बुडे मर्चेंट्स,
और
- (4) एडवर्ड हंफ्रीज, केशवापुर, हुबली ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

केशवापुर, हुबली में आर० एस० नं० 10/सी० और सी०
टी० एस० नं० 420 में 38 गुंठा विस्तीर्ण का बिन् शेन्की जमीन,
जिसकी सीमाएं :—

पूरब में : हुबली-कुसुगल् रोड;
पश्चिम में और उत्तर में : पब्लिक रोड और
दक्षिण में : डा० अहमद और मिसेल् डिसेजा के सी० टी०
एस० नं० 419 का आस्ती ।

आर० पार्थसारथी
सक्षम प्राधिकारी ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड ।

तारीख : 27 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जून 1975

निर्देश सं० राज० सं० आयु० अर्जन/245—यतः मुझे, एस०
आर० वैश्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है नं० 548 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13
दिसम्बर 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजकुमार जावा पुत्र श्री किशनदयाल जावा, केमिस्ट
मकान नं० 217, मोडल टाऊन करनाल (हरयाना)
(अन्तरक)

2. श्रीमती संतोष जावा पत्नी श्री ईश कुमार जावा, प्लॉट
नं० 548, राजा पार्क, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
बाधियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शली नं० 7, राजा पार्क जयपुर स्थित प्लॉट नं० 548 एवं
उस पर निर्मित एक ड्राविंग रूम, तहखाना, रसोई, स्नानघर एवं
दो छोटे कमरे। प्लॉट का क्षेत्रफल 500 वर्ग गज।

एस० आर० वैश्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 19 जून 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री महेश्वर दयाल माथुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री रामेश्वर दयाल व अन्य

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निर्देश सं० 55-आर०/ए०सी०क्यू०—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 163 है तथा जो शाहनजफ रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्तूबर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 163 का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 16 बिसवा 15 बिसवासी (22932 वर्ग फीट) है । जोकि शाहनजफ रोड पर स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 17-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती सुशीला देवी जजोदिया । (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार अग्रवाल । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निर्देश सं० 17-बी/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० एस० एम० 271/1 है तथा जो ग्राम चांदपुर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269 ग के अनुकरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० एम० प्लॉट नं० 271/1 का विभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 3670 वर्ग फीट है। जोकि ग्राम चांदपुर, जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 17-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० सी० ए० 82/75-76—यतः मुझे आर० रंगय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23-6-851 शाली बंड़ा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती इंदिरा सूरि पत्नी श्री जयपाल सूरि 23-6-853/4, शाली बंड़ी, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. डाक्टर बी० मुधीर सपुत्र श्री बी० बालय्या 3-6-563, हिमाचल नगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 23-6-851 का भाग जो राम बकशा बंड़ा, शाली बंड़ा, हैदराबाद में स्थित है। क्षेत्रफल—232.85 वर्ग मीटर्स।

आर० रंगय्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 22 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 30th June 1975

J. No. I. 535(EG)/74-75/Acq. File No. 200.---

अतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 11-4-10 है तथा जो Prabhakara Street, Kakinada में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. Dantu Venkataramanamangatayaru, being minor by guardian, mother Smt. Suryakantam, W/o Bhaskararao, Dantuvuri St. Kakinada.

2. Smt. Kavula Gowri Subhadra, W/o Renukara, Dantuvuri St. Kakinada.

3. Sri Dantu Veeravenkatarama Subramanya Suryarao, Dantuvuri St. Kakinada.

(अन्तरक)

(2) Sri P. Rajagopal, Pro:- Satkar Hotel, Kakinada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Schedule property is Land and building as registered vide Deoc. Nos. 6038/74; 6039/74 and 6040/74 of S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

Kakinada.

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) Shri Sripada Narasimha Somayajulu,
Gangalakurru.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) Shri Garimolla Visweswararao,
Gangalakurru.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

J. No. 1(490)/EG/74-75/Acq. File No. 213.---

यतः, मुझे B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० land Ac. 6-83 cents है, जो Gangalakurru village में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Ambajipeta में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dated 20th November, 1974 vide document No. 1628 registered on 7th December, 1974 before the S.R.O. Ambajipeta.

B. V. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 21-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

J. No. 5(560)/EG/74-75/Acq. File No. 212.—

अतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

R.S. No. 279/3 land 1-09 with sheds, buildings etc.
है तथा जो Vellapalam में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, Samalkota में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—

(1) 1. Kondapally Ramakrishna

2. Kondapally Subbayamma

3. Kondapally Veera Venkata Satyanarayana

4. Vegulla Suryanarayana

(अन्तरक)

(2) 1. Bikkina Krapanandam

2. Yenduri Venkatarao

3. Yenduri Kannaayya

4. Yenduri Badri Luxminarayanamma

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dated 31st
July, 1974 vide document No. 2255 registered before
the S.R.O. Samalkota on 31-12-1974.

B. V. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 22-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 22nd July 1975

J. No. I (432)/KR/74-75/Acq. File No. 214—

यतः, मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 27-30-3, Governorpeta, है तथा जो Vijayawada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri Maganti Subramanyam,
S/o Venkateswarlu,
Vijayawada.

(अन्तरक)

(2) 1. Shri Puchalapalli Sundarayya
2. Shri Makineni Basava Punnaiah
3. Meturu Hanumantharao
Prajasakti Office,
Governorpeta, Vijayawada.

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dated 20th December, 1974 vide document No. 4190 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 22-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 83/75-76---यतः मुझे आर०

रंगय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1-86 मिरयाल गुंडा है जो मिरयाल गुंडा में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरयालगुंडा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री पी० विश्वनाथम्, मकान नं० 26-97, मिर-
याल गुंडा ।
- (2) श्री पी० वेंकटेश्वरल, मकान नं० 26-97, मिर-
याल गुंडा ।
- (3) श्री पी० पी० मोहन राव, मकान नं० 26-97,
मिरयाल गुंडा । (अन्तरक)
2. (1) श्री जे० लिंगय्या } सभी श्री पट्टेय्या के सपुत्र
(2) श्री जे० शंकरय्या } हैं मकान नं० 9-11,
(3) श्री जे० रंगय्या } मिरयाल गुंडा, नलगोंडा
(4) श्री जे० नरसय्या } जिला ।
(5) श्री जे० प्रेमसागर }
- (6) श्री जी० कोटय्या, म० नं० 26-62, मिरयाल-
गुंडा पोस्ट ।
- (7) श्री पी० नारायना नं० नं० 10-34 मिरयाल-
गुंडा पोस्ट ।
- (8) श्री जी० नरसय्या म० नं० 24-11 मिरयाल-
गुंडा पोस्ट ।
- (9) श्री पी० वीरप्पा, तिप्परती पोस्ट, नलगोंडा जिला
- (10) श्री पी० वेंकट नरसय्या, सज्जापूर निवासी, हुजूर
नगर तालूका, नलगोंडा जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पदमावती रायस मिल् जी० पी० नं० 1-86, जो मिरयाल
गुंडा, विवेका नगर स्ट्रीट, नलगोंडा जिले में स्थित है । क्षेत्रफल
768 वर्ग गज है ।

आर० रंगय्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (भार साधक)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 22 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० सी० 221/आर०-IV/कल०/75-76—

अतः मुझे एस० वट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 28/1 बि० है तथा जो सामापुपुर लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरजित दास और श्रीमती श्रीन्द्रा दास ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमा राय ।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती लीला दास गुप्ता, मंजु, विष्णु, देबेस, भोला नाथ, बमकेश और नारायण चौधुरी, डा० भोलानाथ पादन, ए० एन० मिश्रा, अनिल चटर्जी और सत्यव्रत सरकार ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अविभाजित आधा हिस्सा, प्रेमिसेस सं० 28/1 बि०, सामा-पुपुर लेन, कलकत्ता-9, जिसका पुरा परिमाण 5 कट्टा 2 छटाक का लगभग है और उसपर स्थित मकान ।

एस वट्टाचार्य,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख : 22 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 57/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16/552 संकर अग्रहारम् है, जो नेल्लूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 4-12-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय कर 'अधिनियम',
1961 (1961 का 43) या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए
सकर बनाना

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ण रूप सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्री सी० रतनम् मुदलियार पुत्र श्री मुदलियार
जयराम कूल ट्रिक्स, ट्रंक रोड, नेल्लूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० लक्ष्मी नाथारम्मा पत्नी श्री रामलू
पोलीस कानस्टेबल, कलुवाड, आनमाकूर तालूक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सं० 16/552, संकर अग्रहारम् नेल्लूर ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, हैदराबाद ।

तारीख : 9-7-1975

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 17th July 1975

No. F.6/75-SCA(I).—The Honble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri A. P. Jain, Stenographer, to officiate as Private Secretary to Honble the Chief Justice of India until further orders, vice Shri K. K. Sehgal, Private Secretary to Honble the Chief Justice of India granted leave.

R. SUBBA RAO,
Deputy Registrar (Admin.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th July 1975

No. A.32014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 9th June 1975 to 2nd August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

The 14th July 1975

No. A.32014/1/75-Admn.III.(1).—In continuation of this office notification of even number dated 27th May 1975, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1st July 1975 to 31st August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.(2).—In continuation of this office notification of even number dated 27th May 1975, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1st July 1975 to 23rd August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.(3).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 7th July 1975 to 21st August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.(4).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 7th July 1975 to 21st August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.(5).—In partial modification of this office notification of even number dated 19th April 1975, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia,

No. F. 2/33/75-Estt. (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis the following Dy. SsP (Coy. Comd Quarter Masters) as Assistant Commandants in the CRP Force until further orders.

2. Their postings and the dates of handing/taking over charge are indicated against each :

Sl. No.	Name	Rank & unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Shri N. P. Gurang	Dy. SP, 56th Bn CRPF	22-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. 42nd Bn CRPF	26-5-75 (FN)
2.	Shri P. S. Savarus	Dy. SP, 18th Bn CRPF	19-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. 30th Bn CRPF	26-5-75 (FN)
3.	Shri R. S. Phogat	Dy. SP, 46th Bn CRPF	18-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. 33rd Bn CRPF	28-5-75 (FN)
4.	Shri P. S. Verma	Dy. SP, GC CRPF, Jharodakalan, NDLI	23-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. 25th Bn CRPF	26-5-75 (FN)

15—196 GI/75

a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 24th March 1975 to 13th June 1975.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 18th July 1975

No. A-38/65-AD-V.—Shri A. C. Panda, Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation on deputation from Orissa State Police relinquished charge of his office as Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, Bhubaneswar Branch on the afternoon of 24th May 1975 on completion of his term of deputation.

The 21st July 1975

No. A/19036/10/75-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, S.P.E. hereby appoints Shri V. G. Deshpande, a deputationist Inspector of Maharashtra State Police as Dy. Supdt. of Police in the C.B.I./SPE with effect from the forenoon of 4th July 1975, until further orders.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer(E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 17th July 1975

No. O.II-881/69-Estt.—The D. G. has been pleased to appoint Shri Sant Ram, Section Officer as Joint Assistant Director (Accounts) in the CPAU, Dte. Genl., CRP Force, New Delhi on temporary basis until further orders.

2. Shri Sant Ram took over the charge of his post on the forenoon of 2nd June 1975.

The 18th July 1975

No. O.II-940/73-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Amulya Nath Sahu, JMO 2nd Bn CRPF wef the forenoon of the 10th February 1975.

The 21st July 1975

No. F.8/9/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri S. C. Kapoor, Dy. SP of 13th Bn., CRPF w.e.f. the afternoon of 13th June, 1975.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5. Shri S. C. Misra	Dy. SP, 53rd Bn CRPF	19-5-75 (FN)	Asstt. Comdt. 53rd Bn CRPF	19-5-75 (FN)	
6. Shri N. S. Yadav	Dy. SP, 2nd RTC CRPF	19-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. 52nd Bn CRPF	21-5-75 (FN)	
7. Shri M. I. Dass	Dy. SP, 34th Bn CRPF	23-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. GC CRPF Neemuch	27-5-75 (AN)	
8. Shri L. N. Vaishnav	Dy. SP, 32nd Bn CRPF	23-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. 6th Bn CRPF	1-6-75 (AN)	
9. Shri P. Damodran	Dy. SP GC CRPF Avadi	22-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. 27th Bn CRPF	24-5-75 (FN)	
10. Shri M. S. Yadav	Dy. SP, 27th Bn CRPF	19-5-75 (FN)	Asstt. Comdt. GC CRPF Durgapur	19-5-75 (FN)	
11. Shri S. N. Nimbalkar	Dy. SP GC CRPF Nagpur	18-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. GC CRPF Poona	20-5-75 (FN)	
12. Shri N. N. Misra	Dy. SP, 40th Bn CRPF	19-5-75 (FN)	Asstt. Comdt. 3rd Bn. CRPF	19-5-75 (FN)	
13. Shri H. R. Choudhary	Dy. SP, 15th Bn CRPF	24-5-75 (AN)	Asstt. Comdt. 41st Bn CRPF	3-6-75 (FN)	
14. Shri N. B. Beg	Dy. SP, 44th Bn CRPF	19-5-75 (FN)	Asstt. Comdt. GC CRPF Mokamchghat	19-5-75 (AN)	

The 22nd July 1975

No. O.II-135/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Major G. T. Vazirani (IC-10458), a serving Officer of the Indian Army, as Assistant Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Assistant Commandant EDP Cell, in the Dte. General, CRP Force, R. K. Puram, on the forenoon of 25th June, 1975.

The 25th July 1975

No. O.II-1019/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Md. Sulaiman as Junior Medical Officer in the CRP Force, on an ad-hoc basis, initially for a period of one year with effect from the forenoon of 17th April, 1975.

2. Dr. Md. Sulaiman, is posted to 2nd Bas Hospital, CRPF, Hyderabad.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 11th July 1975

No. E-29018(1)/2/75-Ad.I.—Shri G. S. Sandhu, Assistant Commandant/Central Industrial Security Force, Security

Paper Mill, (Hoshangabad) with Headquarters at New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st June, 1975 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Fertilizer Corporation of India (Namrup) with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of the same date.

L. S. BISHT,
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 21st July 1975

No. 25/24/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/24/74-RG(Ad.I) dated 26th July 1974, the President is pleased to continue the appointment of Shri R. B. Lal as Deputy Registrar General (Vital Statistics) on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 1st July 1975 until further orders.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Dy. Secy.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE AND INSURANCE)

INCOME-TAX DEPARTMENT

Bangalore, the 10th July 1975

No. SIB/287/IT/75-76/CIT-I.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and the other particulars hereinafter specified relating to assessee.

(i) being individuals or Hindu Undivided Families who have been assessed on an income of more than Rs. 1 lakh; and

(ii) being Firms, or other Associations of persons, have been assessed on an income of more than Rs. 10 lakhs.
during the financial year 1974-75 under the provisions of the Income-tax Act, 1961.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessee aforesaid are hereby published as under :—

SCHEDULE I

Individuals, Hindu Undivided Families who have been assessed on an income over Rs. 1 lakh during the Financial year 1974-75

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Income returned	Tax payable by the assessee
		Assessment year	Income assessed	Tax paid by the assessee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			Rs.	Rs.
1.	Sri B. K. Amanullah Khan, Horse Trainer, 45/1, Miller Road, Benson Town, Bangalore.	Individual 1971-72	— 1,34,590	89,611
2.	Kum. Arathi, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual 1974-75	1,78,740 1,78,740	1,32,240 1,32,240
3.	Sri M. Ananda Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual 1974-75	8,46,320 8,47,160	7,84,400 7,84,400
4.	Sri Attur Vasudeva Prabhu, Pr. M/s. Attur Vasudeva Prabhu Bunder, Mangalore.	Individual 1974-75	1,06,790 1,06,830	66,084 66,084
5.	Sri Y. Abdullah Kunhi, Pr. M/s. Y. Moiden Kunhi & Co. Ashoknagar, Mangalore.	Individual 1973-74	1,90,580 1,92,570	1,44,965 1,44,965
6.	Smt. Chandravathi Ghorpade, C/o. Mysore Co., No. 27, Palace Road, Bangalore.	Individual 1974-75	1,13,950 1,13,950	72,634 18,200
7.	Sri Changchun, Prop: Continental Restaurant, No. 4, Brigade Road, Bangalore.	Individual 1973-74	2,07,625 2,12,500	1,64,019 1,64,019
		Individual 1974-75	2,30,600 2,35,480	1,86,482 1,86,482
8.	Sri J. N. Gurjar, C/o Kirloskar Asea Ltd., Hebbal, Bangalore.	Individual 1974-75	1,22,350 1,19,990	78,190 78,190
9.	Sri M. Govindarao, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual 1974-75	7,91,770 7,92,480	7,30,022 7,30,022
10.	Sri Hansraj Juneja, M/s. Hansraj & Co. No. 11, S. J. P. Road, Bangalore.	Individual 1974-75	1,91,983 1,93,220	1,45,840 1,45,840
11.	Sri V. D. Hindocha, C/o. King & Patridge, Coffee Board Building, Vidhana Veedhi, Bangalore.	Individual 1974-75	1,45,960 1,15,960	1,04,986 1,04,986
12.	Smt. M. Hemalatha, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual 1974-75	17,39,990 17,41,150	16,58,275 16,58,275
13.	Sri M. G. Iyengar, C/o. Mysore Electrical Industries, Yeshwantpur, Bangalore.	Individual 1974-75	1,14,924 1,14,920	73,526 73,526
14.	Smt. S. F. Irani, Krupalaya, Mysore.	Individual 1974-75	1,21,400 1,24,230	82,091 82,091
15.	Sri M. Janardhana Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual 1974-75	24,56,860 24,57,210	23,58,222 23,58,222
16.	Sri Jagadeesh M. Shah, No. 113, Bull Temple Road, Bangalore.	Individual 1974-75	1,01,608 1,05,560	64,848 61,352
17.	Sri T. Krishna Rao, Advocate, No. 229, Upper Palace Orchards, Bangalore.	Individual 1974-75	1,27,790 1,27,980	85,579 85,579
18.	Sri S. Krishnamurthy, No. 317, N. R. Colony, Bangalore.	Individual 1974-75	1,12,540 1,13,520	72,239 66,497

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
19.	Smt. M. Kaveribai, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	4,63,900	4,10,858
		1974-75	4,65,020	4,10,858
20.	Sri Kasturi Suresh Pai, Pr. M/s. P. V. Pai & Co., Mission St., Mangalore.	Individual	1,46,465	1,02,093
		1973-74	1,45,970	1,02,093
21.	Sri A. S. Lakshman, No. 14, Tannery Road, Bangalore.	Individual.	1,02,130	55,387
		1970-71	1,04,060	47,531
22.	Sri V. P. Mahendra, Lakshminivas High Grounds, Bangalore.	Individual	1,06,852	66,427
		1974-75	1,06,880	63,414
23.	Sri B. Madhava Pai, Pr. M/s. Bharat Beedi Works, Kadri, Mangalore.	Individual	9,46,580	8,81,591
		1972-73	9,46,580	8,81,591
24.	Sri B. Manjunatha Pai, Pr. M/s. Bharat Beedi Works, Kadri, Mangalore.	Individual	9,40,760	8,75,892
		1972-73	9,40,760	8,75,892
25.	Shri Y. Mohammad Kunhi Pr. M/s. Y. Moideen Kunhi & Co., Ashoknagar, Mangalore.	Individual	1,77,920	1,34,237
		1973-74	1,80,910	1,34,237
26.	Sri Y. Moideen Kunhi Pr. M/s. Y. Moideen Kunhi & Co., Ashoknagar, Mangalore.	Individual	1,96,970	1,49,325
		1974-75	1,97,310	1,49,325
27.	Sri J. G. L. Morris, By Agent D'Souza & D'Silva, Advocates, Bangalore.	Individual	1,81,340	1,34,918
		1974-75	1,81,650	1,34,918
28.	Sri M. J. O'Leary, No. 8/1, Residency Road, Bangalore.	Individual	1,26,930	84,576
		1974-75	1,26,930	84,576
29.	Sri F. Prussakowsky, Motor Industries Co. Ltd., Bangalore.	Individual	1,28,560	1,82,014
		1972-73	2,30,910	1,82,014
		Individual	2,23,970	1,77,538
		1973-74	2,26,330	1,80,272
		Individual	2,24,460	1,75,709
		1974-75	2,24,460	1,79,316
		Individual	3,63,720	2,56,657
		1975-76	3,63,720	2,57,822
30.	Smt. M. Puslipalatha, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Mysore.	Individual	14,81,760	14,05,414
		1974-75	14,82,980	14,05,414
31.	Sri. S. Prabhakar Tholar M/s. Prabhakar Tile Works, Goondapur, South Kanara.	Individual	1,03,960	1,09,627
		1974-75	1,54,160	1,09,627
32.	Sri Ravi L. Kirloskar, C/o. Kirloskar Electric Co., Malleswaram, Bangalore.	Individual	1,83,730	1,39,214
		1974-75	1,86,690	1,39,214
33.	Sri B. Raghurama Prabhu, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinobha Road, Mysore.	Individual	16,28,870	15,48,430
		1974-75	16,28,880	15,48,430
34.	Smt. B. Rama Bai Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works Vinobha Road, Mysore.	Individual	1,57,630	1,14,213
		1974-75	1,57,640	1,14,213
35.	Sri M. Rajagopala Pai, 'Sahukar Mahal', Car St., Mangalore.	H.U.F.	1,12,290	80,030
		1974-75	1,12,460	80,030
36.	Sri Y. N. Shivanandan No. 15, Ramalah Lane, Bangalore.	H.U.F.	31,395	67,968
		1972-73	1,21,587	7,665
37.	Sri S. G. Sundaraswamy, Advocate, No. 25 'Keshava Nivas', Gandhinagar, Bangalore-9.	Individual	1,89,710	1,45,669
		1974-75	1,93,830	1,45,669
38.	Sri Sundeeep M. Shah, No. 113, Bull Temple Road, Bangalore.	Individual	1,01,017	63,960
		1974-75	1,04,970	60,723
39.	Sri Sunil M. Shah, No. 113, Bull Temple Road, Bangalore.	Individual	1,01,342	64,258
		1974-75	1,05,290	61,033

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
40.	Smt. K. Shankaramma, M/S. K. G. V. Swamy & Sons, Arasikere, Hassan Dist.	Individual	48,524	1,27,903
		1973-74	1,68,345	1,16,903
41.	Sri Shah Jayanthilal Khetsi, Pr : M/s. Sha Jayanthilal Khetsi, Bunder, Mangalore.	H.U.F.	1,07,505	75,192
		1974-75	1,07,510	75,192
42.	Sri M. Suresh Rao, Pr : M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	10,67,720	10,01,882
		1974-75	10,68,650	10,01,882
43.	Sri M. P. Shankaranarayana Shenoy, Pr : M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	2,09,760	1,59,551
		1974-75	2,09,760	1,59,551
44.	Sri B. Subbaraya Baliga, Pr : M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	2,74,178	2,23,980
		1974-75	2,74,178	2,23,960
45.	Sri A. Shamaprasada Rao, Pr : M/s. Aravind Motors, Balamatta, Mangalore.	Individual	1,04,570	65,680
		1974-75	1,04,420	65,680
46.	Sri Siraj Ahmed Haji, S. Umachagi, Gadag.	Individual	1,02,414	72,773
		1974-75	1,13,430	72,773
47.	Sri S. R. Umachagi, Gadag.	Individual	1,13,094	84,538
		1974-75	1,25,650	84,538
48.	Sri G. K. Velu, Pr. M/s. G. K. Vale & Co., M. G. Road, Bangalore.	Individual	1,48,647	1,14,172
		1972-73	1,59,100	1,04,558
49.	Sri Vijayraj Lunia, Minor by Guardian K. Poolchand, No. 27, Heins Road, Bangalore.	Individual	1,14,500	73,558
		1973-74	1,14,500	73,558
50.	Sri D. N. Vatcha, Motor Industries Co. Ltd., Bangalore.	Individual	1,99,730	1,51,552
		1974-75	1,99,730	1,51,552
51.	Kum. Vatsala, Pr. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1,81,330	1,34,623
		1974-75	1,81,330	1,34,623
52.	Sri M. Viswanatha Rao, Pr. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	10,47,620	9,80,837
		1974-75	10,48,120	9,80,837
53.	Sri M. Vinoda Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	9,84,800	9,20,129
		1974-75	9,86,490	9,20,129

SCHEDULE II

*Firms, Associations of Persons and Companies who have been assessed on an income of over
Rs. 10 lakhs during the financial year 1974-75*

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Income Returned	Tax payable by the assessee
		Asst. Year	Income assessed	Tax paid by the assessee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	M/s. Amro Batteries Ltd., Unity Buildings, Bangalore.	Co.	38,05,837	24,73,659
		1974-75	39,43,110	24,73,659
2.	M/s. Anand Transport and Printers, Vinoba Road, Mysore.	Regd. Firm	25,31,570	6,82,338
		1974-75	25,31,740	6,82,338
3.	M/s. Bharath Beedi Works, Kadri, Mangalore.	Regd. Firm	51,89,330	14,15,834
		1974-75	51,89,330	14,15,834
4.	M/s. Karnataka State Road Transport Corporation, Bangalore-27.	Company	88,01,520	48,80,601
		1971-72	88,73,820	48,80,601

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
5.	M/s. Mysore Minerals Ltd., 67/2, Lavelle Road, Bangalore.	Company	19,29,670	12,29,383
		1974-75	21,20,870	12,29,383
6.	M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Regd. Firm	1,55,86,270	42,84,533
		1974-75	1,55,83,170	42,84,533
7.	M/s. Prakash Beedies (P.) Ltd., Kodialbail, Mangalore.	Company	16,99,940	10,60,374
		1974-75	16,99,800	10,60,374
8.	M/s. Robert Bosch GmbH, C/o. Motor Industries Co. Ltd., Adugodi, Bangalore.	Company	41,56,110	30,09,881
		1974-75	52,04,830	30,09,881
9.	M/s. United Breweries Ltd., No. 24, Grant Road, Bangalore.	Company	1,05,88,130	64,36,740
		1974-75	1,11,45,870	64,36,740

In the above cases (Schedules I and II) either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax has expired without an appeal having been presented or the appeal if presented has been disposed of.

A. BALASUBRAMANIAN,
Commissioner of Income-tax
Karnataka-I, Bangalore

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 16th July 1975

No. Estt.A/VII/9-86/Vol./II/1100.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri. R. Ramavarma, permanent Section Officer (Audit & Accounts), to officiate as Accounts Officer with effect from 2nd July 1975 afternoon.

K. GANESAN,
Deputy Accountant General (Admn)

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Jagjivannagar, the 16th July 1975

No. Adm.21(2)/69.—Consequent on his retirement from service under the Coal Mines Labour Welfare Organisation on superannuation, Shri H. M. Roy relinquished charge of the Office of the Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospital, Asansol (T. B. Wing), on 31st May 1975 in the afternoon.

R. P. SINHA,
Coal Mines Welfare Commissioner Dhanbad.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st July 1975

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/305/55-Admn(G)/9040.—The President is pleased to appoint Shri K. P. Narayan, permanent Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in that office for a period of three months with effect from 17th June 1975 (forenoon).

B. D. KUMAR,
Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

Madras-I, the 3rd March 1975

ORDER

SUBJECT—Cancellation of Customs and Exchange Control Copies of Licence No. P/S/1784538 dated 20th July 1974, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 dated 20th July 1974 & Customs Copy of Licence No. P/S/1784539 dated 20th July 74 issued for Rs. 1,21,500 Rs. 2,43,000 & Rs. 1,21,500 respectively.

No. P/9/20/A.M.74/SSI.2.—M/s. Geo Industries & Insecticides (India) Private Ltd., No. 82/3-A, Sathangadu, Madras. 19 were issued import licences No. P/S/1784538/R/ML/52/M/37-38 dated 20th July 1974 for Rs. 1,21,500. No. P/S/1784537/C/XX/53/M/37-38 dated 20th July 1974, for Rs. 2,43,000 and No. P/S/1784539/T/OR/52/M/37-38 dated 20th July 1974 for Rs. 1,21,500 for April/March 1974 Period for import of Sevin, Heptachlor, Chlordane, Cyclohexane and Tediom. The firm have applied for issue of Duplicate Copies of both Customs and Exchange Control Copy of Licence No. P/S/1784538 dated 20th July 1974, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 dated 20th July 74 and Customs Copy of licence No. P/S/1784538 dated 20th July 1974, on the ground that the respective original licences have been lost/misplaced without having been registered with any customs authorities and utilised at all. In support of their contention they have filed affidavits separately.

I am satisfied that the Customs & Exchange Control copy of the original licence No. P/S/1784538 dated 20th July 1974, Customs Copy of the Original Licence No. P/S/1784537 dated 20th July 74 and Customs copy of the original Licence No. P/S/1784539 dated 20th July 1974, have been lost/misplaced and duplicate copies of the same may be issued to the firm.

The original Customs and Exchange Control Copies of the Licence No. P/S/1784538, Customs Copy of Licence No. P/S/1784537 and Customs Copy of Licence No. P/S/1784539 dated 20th July 1974, are hereby cancelled. Issued from File No. P.9/260/A.M.74/SSI.2).

M. F. R. BIJLI,
Deputy Chief Controller of Imports & Exports

For Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 13th July 1975

No. EST.I-2(466).—Shri S. Rangarajan, Permanent Senior Lecturer (Textile Designs) in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi, who was on Foreign Service with the Handicrafts and Handlooms Exports Corporation of India Ltd., Madras, from the 7th May 1971 has been permitted to resign from Government Service with effect from the afternoon of the 6th May, 1974 on his absorption permanently in that Organisation.

R. P. KAPOOR,
Textile Commissioner

Bombay-20, the 15th July 1975

No. Est.I-2(640).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 26th May, 1975 and until further orders. Shri G. Ramaswamy, Technical Investigator, in the Office of the Textile Commissioner, Bombay as Assistant Director, Grade II (P & D) in the Weavers' Service Centre, Vijayawada.

B. N. BASU,
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 16th July 1975

No. A-19018/150/74-Adm.I(G).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri Mohan Singh, a permanent Senior Inspector in the Ministry of Agriculture, Department of Food, Office of the Deputy Technical Adviser, as Assistant Director (Grade II) (Fruit Preservation) in the Small Industry Development Organisation. Shri Mohan Singh assumed charge as Assistant Director (Grade II) (Fruit Preservation), at Small Industries Service Institute, Srinagar, on the forenoon of 15th May 1975.

K. V. NARAYANAN,
Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 16th July 1975

No. A-1/1(778).—Shri S. T. Amaana, permanent Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(932).—Shri Jagatjit Singh, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th June 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(1023).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. P. Gaur, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 20th June, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri D. P. Gaur as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the writ petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

The 18th July 1975

No. A-6/247(121)/58.—Shri M. B. Prabhu a permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) and officiating Dy. Director of Inspection in Grade II of the Indian Inspection Service Class I in the Bombay Inspection Circle, under the Directorate General of Supplies & Disposals retired from Government service w.e.f. 30th April 1975 (A.N.) on voluntary retirement.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 16th July 1975

No. A-1/1(1009).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. K. Talukdar, Junior Field

Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 1st July, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri Talukdar as an Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 15th July 1975

No. G-65/B(Con).—1. Shri D. K. Kanungo, Scientific Assistant (Physical) National Test House, Calcutta, who was promoted to officiate as Scientific Officer (Physical) in the same office w.e.f. 18th July 1973 vide National Test House, Calcutta Notification No. G-65/B(Con) dated 8th August 1973 has been reverted to the post of Scientific Assistant (Physical) in the National Test House Calcutta with effect from the afternoon of 5th July 1975.

2. Shri P. B. Mondal Scientific Officer (Physical) who was released from National Test House, Calcutta w.e.f. the afternoon of 5th July 1973 to enable him to take up his new assignment under Messrs. Hindustan Steel Works Construction Ltd., Calcutta vide National Test House, Calcutta Notification No. E-1255 dated 24th July 1973 has on reversion to this office after release from the Hindustan Steel Works Construction Ltd., Calcutta w.e.f. the afternoon of 5th July 1975 been allowed to assume charge of the office of the scientific Officer (Physical), National Test House, Calcutta w.e.f. the same date.

S. K. CHATTOPADHYAY,
Asstt. Director (Admn.)
for Director, National Test House.

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE
ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 21st July 1975

No. 2/32/75-Adm.—It has been decided to further augment the strength of the Bombay Experts Advisory Committee for passing the articles, objects or things of export which are not antiquities under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, by the addition of the following member until further orders:—

Shri W. H. Siddiqi,
Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Western Circle,
VADODRA-390001.

N. R. BANERJEE,
Director (Antiquities)
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 4th July 1975

No. 4(3)/73-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following *ad hoc* Programme Executives, All India Radio, on a regular basis with effect from the date shown against each :

Sl. No.	Name	Station/Office where working	Date of regular appointment
(1)	Shri R. K. Sinha	TV Centre, New Delhi.	1-4-75
(2)	Smt. Urbashi Joshi	Cuttack	8-4-75
(3)	Kum. Manjula Bhattacharya	External Services Division, New Delhi.	29-3-75
(4)	Shri G. S. Sharma	Varanasi	31-3-75
(5)	Shri B. K. Sarkar	Hyderabad	29-3-75
(6)	Shri M. K. Singh	Imphal	1-4-75
(7)	Shri H. C. Sharma	Raipur	2-4-75
(8)	Smt. Indubai Ramesh	New Delhi	28-4-75

The 16th July 1975

No. 4(35)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Vijay Wardhan Dixit as Programme Executive All India Radio, Jullundur in a temporary capacity with effect from the 20th June, 1975 and until further orders.

No. 4(56)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Faiyaz Mohd. Khan as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from the afternoon of 5th June, 1975 and until further orders.

No. 4(113)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mohd. Ansar Rahman Khan, as Programme Executive, All India Radio, Gorakhpur in a temporary capacity with effect from the 3rd June, 1975 and until further orders.

No. 4(125)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. Basavaraj as Programme Executive, All India Radio, Mysore in a temporary capacity with effect from the 16th June, 1975 and until further orders.

The 18th July 1975

No. 4(12)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari Kiran Multani as Programme Executive, Television Centre, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 16th June, 1975 and until further orders.

No. 4(32)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Askaran Sharma as Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from the 23rd May, 1975 and until further orders.

The 22nd July 1975

No. 4(25)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Nongmaithem Chittaranjan Singh as Programme Executive, All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 7th May, 1975 and until further orders.

No. 4(26)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Lakshaman Dutta Dixit as Programme Executive, All India Radio Bhopal in a temporary capacity with effect from the 1st July, 1975 and until further orders.

No. 4(89)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mani Prasad Rai as Programme Executive, All India Radio, Kurseong in a temporary capacity with effect from the 16th June 1975 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 15th July 1975

No. 2/20/60-SSI.—Shri R. Barnabas, Sr. Administrative Officer, All India Radio, Madras retired from service with effect from the afternoon of 30th June, 1975 on attaining the age of superannuation.

R. K. KHATTAR,
Deputy Director of Admn.
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th July 1975

No. 17-45/74-Admn.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. N. Issar in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Editor (English) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, with effect from the 4th June, 1971.

No. 19-35/73-Admn.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri R. K. Jayaseelan relinquished charge of the post of Assistant Public Health Engineer at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the afternoon of the 26th June, 1975.

No. 35-6/75-Admn.-I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Smt. Kasum Lata Kansal in the post of Dietician Willingdon Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 23rd June, 1975 vice Smt. Raj Dogra on leave, up to the 3rd September, 1975.

The 21st July 1975

No. 27-3/72-Admn.I.—Consequent on his appointment to the ex-cadre post (equivalent to Grade III of I.S.S.) of Senior Research Officer in the Office of the Registrar General of India, Shri T. K. Aikat, relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Assessment) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, on the afternoon of 30th June, 1975.

S. P. JINDAL,
Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi-1, the 21st July 1975

No. 20-12/75-CHS II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. V. Setharaman, relinquishment charge of the post of Junior Medical Officer (ad hoc), Central Leprosy Teaching Research Institute, Chingleput, on the afternoon of the 7th June, 1975.

The 22nd July 1975

No. 20-14/75-CHS.II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. Santh Ram Singh relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (ad hoc), Central Leprosy Teaching Research Institute, Chingleput, on the afternoon of the 10th June, 1975.

R. N. TEWARI,
Deputy Director Administration (CHS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 4th July 1975

CORRIGENDUM

No. PA/81(56)/75-R-IV.—In this Research Centre's Notification of even number dated June 10, 1975, the words appearing as "a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre *after* Shri Avinash Keshav Khare *may be read as* a temporary Scientific Assistant (B) in the Bhabha Atomic Research Centre".

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer(R)

Bombay-400085, the 15th July 1975

No. D/198/TPD/75/Estt.II.—Shri Harish Chandra Dabral, a permanent Draughtsman (B) and officiating Scientific Officer/Engineer Grade (SB) of Bhabha Atomic Research Centre who was deputed on foreign service

with M/s Indo Burma Petroleum Company Ltd, Sewri, Bombay-400015 with effect from the afternoon of May 1, 1974, has, on reversion from foreign service, assumed charge of his post of Scientific Officer/Engineer Grade (SB) in this Research Centre with effect from the forenoon of May 2, 1975.

P. R. BONDRE,
Dy. Establishment Officer
for Director.

Bombay-400085, the 22nd July 1975

No. B/620/Accts./Estt.III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Shankar Vishnu Bhave a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre from 3rd March 1975 FN to 31st July 1975 AN against leave vacancies.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (HEAVY WATER PROJECTS)

Bombay-400008, the 30th June 1975

Ref. No. HWP/Estt/1/D-3/4351.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kishorchandra Mathuradas Dhandha, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of the Heavy Water Projects (Bombay Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project from May 7, 1975 (FN) to June 21, 1975 (AN) *vice* Shri Achyut Mukund Vaidya, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer II in Heavy Water Project (Kota).

Ref. No. HWP/Estt/1/V-22/4352.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Projects (Bombay Office) in the same grade, to officiate as Accounts Officer II in Heavy Water Project (Kota) from May 7, 1975 (FN) to June 21, 1975 (AN), *vice* Shri Sadashiv Yeshavant Gokhale, Accounts Officer II granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay-401504, the 2nd July 1975

No. TAPS/ADM/735-A/842.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the *ad hoc* appointment of Shri V. K. P. Pillai as Assistant Personnel Officer for a further period of three months from 1st July 1975 to 30th September 1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

No. TAPS/ADM/735-A/843.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the *ad hoc* appointment of Shri R. R. Bandooni as Assistant Personnel Officer for a further period of three months from 1st July 1975 to 30th September 1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

16—196 GI/75

No. TAPS/ADM/735-A/844.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the *ad hoc* appointment of Shri P. Ganapathy as Assistant Personnel Officer for a further period of three months from 1st July 1975 to 30th September 1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

K. V. SETHUMADHAVAN
Chief Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY (CENTRAL OFFICE)

Bombay-400039, the 14th July 1975

No. APA/Adm/16/5/73/862.—The Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority hereby appoints Shri Koruthara Kochukuttan Kelukutty, an officiating Personnel Assistant as Private Secretary with effect from the forenoon of July 2, 1975 for a period of two months *vice* Shri V. V. Sabharwal promoted to officiate as Administrative Officer-III.

V. SIVAKUMARAN
Chief Adm. & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 16th July 1975

No. E(1)04251.—Resignation of Shri A. Krishnan Assistant Meteorologist on deputation in the Central Arid Zone Research Institute under the Indian Council of Agricultural Research from the Indian Meteorological Service, Class II (Central Service Class II) has been accepted by the Director General of Observatories, New Delhi with effect from the forenoon of 1st April, 1969 on his permanent absorption in the ICAR. Shri Krishnan resigned for absorption in the I.C.A.R. with proper permission and the benefits under C.S.R. 418(b) will be admissible to him.

M. R. N. MANIÄN, Meteorologist.
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th July 1975

No A.32013/10/75-EC.—The President is pleased to extend beyond 30th April, 1975 the *ad hoc* promotion of the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department upto the 30th September, 1975 or till the posts held by them are filled on a regular basis whichever is earlier.

1. Shri S. Krishnaswamy
2. Shri L. P. Singh
3. Shri N. Venkatapathy
4. Shri Mrinal Kanti Pal
5. Shri B. N. Godbole
6. Shri J. V. Sharma
7. Shri A. G. Narasimhan
8. Shri S. Jayaraman
9. Shri V. Srinivasan
10. Shri M. N. Adur
11. Shri P. J. Iyer
12. Shri N. R. Swamy
13. Shri M. A. Venugopal
14. Shri N. N. Gopalan
15. Shri R. K. Verma
16. Shri V. Alagiri
17. Shri P. C. Banerjee
18. Shri S. P. Hardas
19. Shri K. K. Narayana
20. Shri S. P. Jain
21. Shri K. P. B. Nair
22. Shri B. D. Garekar

The 11th July 1975

No. A. 38012/1/75-EC.—Shri R. C. Roychoudhary, Senior Technical Officer in the Office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the 30th June, 1975 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 21st July 1975

No. A. 32013/5/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Srivastava, Assistant Technical Officer in the Civil Aviation Department to the post of Technical Officer on purely *ad hoc* basis with effect from 26th June 1975 in the Office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi until further orders.

No. A. 32013/11/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/12/73-EC dated the 3rd March, 1975, No. A. 32013/9/73-EC, dated the 19/20th March, 1974 and No. A. 32013/1/73-EC dated the 16th January, 1973, the President is pleased to extend the *ad hoc* promotion of the following Senior Technical Officers in the Civil Aviation Department upto the 30th June 1975 :—

1. Shri P. L. Modgil
2. Shri A. Narendra Nath
3. Shri M. S. Krishnan
4. Shri C. R. Narasingham
5. Shri O. C. Alexander
6. Shri C. V. Venkatesan
7. Shri S. V. Iyer
8. Shri R. C. Roy Chowdhury
9. Shri S. Ramachandran
10. Shri S. K. Chandra
11. Shri G. V. Koshy
12. Shri P. R. Suryanandan
13. Shri N. K. Nanu
14. Shri A. Ramanathan
15. Shri S. K. Dass
16. Shri B. S. Grewal
17. Shri B. R. Chaturvedi
18. Shri J. K. Bhattacharya
19. Shri P. S. Dhunta
20. Shri D. C. Mehta
21. Shri V. K. Babu

No. A. 32013/12/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/9/73-EC dated the 19th April, 1974, No. A. 32013/9/73-EC, dated the 27th May, 1974, and No. A. 32013/9/73-EC, dated the 29th March/4th April, 1975, the President is pleased to extend the *ad hoc* promotion of the following Senior Communication Officers in the Civil Aviation Department up to 30th June, 1975 :—

Name & designation	Station of posting.
1. Shri Kishu Tekchandani	A.C.S.N., Madras.
2. Shri V. K. Kalra	A.C.S., Gauhati.
3. Shri S. C. Goswami	A.C.S., Agartala.
4. Shri R. P. Sharma	A.C.S., Calcutta.
5. Shri Lajpat Rai Garg	A. C. S., Safdarjung Airport, New Delhi.

H. L. KOHLI,

Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 16th July 1975

No. A. 35017/1/72-EA.—The following officers retired from Government service in the Civil Aviation Department on their permanent absorption in the International Airports Authority of India, with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Name	Post held in the C.A.D.	Date of retirement from C.A.D.
1.	Shri R. D. Pradhan	Dy. Dir./C of AS	1-5-74
2.	Shri N. K. Dey	Senior Aerodrome Officer	1-5-74
3.	Shri G. V. Shandilya	Senior Aerodrome Officer	1-5-74
4.	Shri G. N. Lokre	Senior Aerodrome Officer	1-5-74
5.	Shri C. G. Viswanath	Senior Aerodrome Officer	1-5-74
6.	Shri K. S. Jayaram	Senior Aerodrome Officer	1-5-74
7.	Shri K. K. Gulati	Aerodrome Officer	1-5-74
8.	Shri F. K. Umrigar	Asstt. Fire Officer	1-7-73

S. L. KHANDPUR

Asstt. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 14th July 1975

C. No. II(7) 5-ET/75/7201.—In pursuance of this Office Estt. Order No. 172/75 dated 8th May, 1975 issued under Endt. C. No. II(3)43-ET/73/Loose/23362-81 dated the 8th May, 1975, appointing four Inspectors (S.G.) of Central Excise to officiate as Superintendent of Central Excise Class-II in the scale of pay of Rs.650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40 1000-E.B.-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, the following have assumed charge as Superintendent, Central Excise Class-II at the respective places and with effect from dates and hour indicated against each :—

Sl. No.	Name	Place of Posting	Dt. of assumption of charge
1.	Shri Sawalia Bihari	Superintendent of C. Excise (Tech.) Headquarters Office, Patna.	31-5-75 (A.N.)
2.	Shri Mathura Pd. Singh	Superintendent of C. Excise, Kumardhubi Range.	31-5-75 (F.N.)

C. No. II(7)5-ET/75/7202.—In pursuance of this office Estt. order No. 232/75 dated 13th June 1975 issued under Endt. C. No. II(3)101-ET/74/32642-86 dated 13th June 1975 appointing Shri H. D. Jha, Office Superintendent of Central Excise and Customs to officiate as Administrative Officer of Central Excise and Customs Class-II in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 plus usual allowances as admissible under rules, Shri H. D. Jha assumed charge as Administrative Officer, Central Excise, Laheriasarai in the forenoon of 1st July 1975.

H. N. SAHU
Collector

**DIRECTORATE OF INSPECTION, CUSTOMS AND
CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 15th July 1975

CORRIGENDUM

C. No. 1041/21/75.—With the issue of Notification S. No. 57 dated the 4th June, 1975 by the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) appointing Shri Shreedhar Prasad to officiate as Supdt./Asstt. Collector of Central Excise Class I w.e.f. 16th May 1976, Notification No. 8/75 dated the 9th June, 1975 of this Directorate is hereby cancelled.

No. 9/1975.—Shri A. Natarajan, lately posted as Supdt. of Central Excise Class II in the Madras Central Excise Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II in the South Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, at Madras on 30th June 1975 (afternoon).

B. S. CHAWLA
Director of Inspection
Customs and Central Excise

**OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

New Delhi, the 18th July 1975

No. 27-E/H(5)/69-ECI.—The President is pleased to accept with immediate effect the resignation from service, tendered by Shri J. L. Humar, Surveyor of Works in the office of S.S.W. II, Northern Zone, C.P.W.D. New Delhi, on 22nd April 1975.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Administration

**MINISTRY OF RAILWAYS
RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS
ORGANISATION**

Lucknow-11, the 16th July 1975

No. EII/RT/O/Conf.—The confirmation of Shri S. K. Das as Section Officer (Ministerial) in the Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 15th March, 1967 as per Notification No. A/ES/CFM/O dated 1st September 1969 is rescinded with retrospective effect.

No. EII/RT/O/Conf/I.—Shri Naunit Lal is confirmed as Section Officer (Ministerial) in the Research Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 15th March, 1967.

T. V. JOSEPH
Director General

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 18th July 1975

No. PB/GG/9/Misc. II.—Sri P. R. Narayanan, Officiating Assistant Inspecting Engineer (Class II) on transfer from Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow re-

ported for duty in I.C.F. and posted as officiating Assistant Production Engineer/Progress/Furnishing (Class II) with effect from 9th June 1975 F.N.

2. Sri C. S. Venkataraman, Officiating District Controller of Stores (S.S.) (ad hoc) has been reverted to Class II service and posted as officiating Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell with effect from 24th June 1975 F.N.

3. Sri S. Balasubramanian, Officiating Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell (Class II) has been reverted to Class III service with effect from 24th June 1975 F.N.

S. SUBRAMANIAN
Deputy Chief Personnel Officer
For General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 19th July 1975

1. E/283/31 Pt. VIII(O).—Shri K. C. Chowdhury, BRI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Bridge Engineer with effect from 10th January 1975.

2. E/283/III/54 PVII(O).—Shri B. K. Nandy, C&WI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service purely on ad hoc measure as Assistant Mechanical Engineer with effect from 14th January 1975.

3. E/283/31 Pt. VIII(O).—Shri S. K. Dhar, IOW (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Engineer with effect from 17th January 1975.

4. E/283/31 Pt. VIII(O).—Shri P. S. Rao, SDM (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Engineer with effect from 17th January 1975.

5. E/283/82 Pt. X(O).—Shri P. C. Das, CC-I (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Commercial Officer with effect from 1st February 1975.

6. E/283/82 Pt. X(O).—Shri C. L. Bandopadhyay, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Operating Superintendent w.e.f. 3rd February 1975.

7. E/283/82/Pt. X(O).—Shri J. C. Dutta, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Operating Superintendent with effect from 4th February 1975.

8. E/283/31 Pt. VII(O).—Shri P. K. Goswami, BRI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Engineer with effect from 5th February 1975.

9. E/283/82 Pt. X(O).—Shri G. Hazarika, DYC (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Operating Superintendent with effect from 8th February 1975.

10. E/283/82 Pt. X(O).—Shri G. B. Chatterjee, DYC (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Marketing Sales Superintendent with effect from 8th February 1975.

11. E/283/54/PVII (O).—Shri A. C. Das, LI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service purely on ad hoc measure as Assistant Mechanical Engineer with effect from 11th February 1975.

12. E/283/III/129 PIII(O).—Shri R. Barua, DSK (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Controller of Stores with effect from 21st February 1975.

13. PNO/65/215/Pt. IV.—Shri A. C. Singh, Asstt. Accounts Officer (Class II) is appointed to officiate as Senior Accounts Officer w.e.f. 17th February 1975.

14. E/283/31 Pt. VIII(O).—Shri D. K. Mitra, PWI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Engineer with effect from 26th February 1975.

15. E/283/III/30 Pt. V(O).—Shri D. K. Goswami, CDI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Personnel Officer with effect from 28th February 1975.

16. E/283/III/30 Pt. V(O).—Shri H. C. Saxena, SLWI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Personnel Officer with effect from 6th March 1975.

17. E/283/82 Pt. X(O).—Shri T. K. Saha, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II Service as Assistant Commercial Superintendent with effect from 18th March 1975.

M. R. REDDY
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Fast and Safety Transports Private Limited

Ernakulam, the 9th July 1975

No. 2155/Liq/R-4090/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Fast and Safety Transports Private Limited, Chembukavu, Tricour-1, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. S. ANWAR
Registrar of Companies
Kerala

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 15th July 1975

No. F. 48-Ad(AT)/75.—This Office Notification No. F. 48 Ad(AT)/74-P. II dated 18th June 1975 issued in partial modification of Notification No. F. 48-Ad(AT)/74-P. II dated 22nd January 1975 hereby stands cancelled.

The Notification No. F. 48-Ad(AT)/74. P. II dated 22nd January 1975 will now stand.

HARNAM SHANKAR
President

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1001.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Kapurthala Road, Jullundur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kumar Bhardwaj s/o Pat Sat Pal Bhardwaj of Central Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) M/s. Ravinder Kumar, Vijay Kumar, 15-Evening College Building Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7635 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-7-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1044.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ladowali Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Atma Singh s/o Khushal Singh r/o Rampur Teh. Garshaukar, Distt. Hoshiarpur.
(Transferor)

- (2) Smt. Satya Devi d/o Jhangi Ram r/o 48/A, Old Jawahar Nagar, Jullundur.
(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7214 of Nov. 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1043.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ladowali Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

- (1) Shri Atma Singh s/o Khushal Singh r/o Rampur, Teh. Garshankar, Distt. Hoshiarpur,

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Ram Rakhi d/o Sarwal Singh, 2. Gurnam Chand s/o Bal Chand r/o Amritsar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7215 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1042.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Variana, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Kumar Bhardwaj s/o Pt. Sat Pal Bhardwaj of Central Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri. Vijay Kumar, Ashok Kumar, s/o Shri Labh Chand s/o Sardari Lal Jain of Jullundur City.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7634 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Jullundur, the 31st July 1975

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1045.—Whereas, I. Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Deepak Cinema Chowk Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

17—1 6GI/

(1) Shri Dilbag Singh s/o Udham Singh alias of Kamaljit Singh s/o Dilbagh Singh of Jullundur,
(Transferor)

(2) S. I. Bank & Building Pvt. Ltd. Deepak Cinema Chowk, Ludhiana,
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7716 of Nov. 74 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal ;

FORM ITNS—

(2) S. I. Bank and Buildings Pvt. Ltd, Deepak Cinema Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1046.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Basti Shaikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the 'Said' immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions must herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(1) Sh. Dilbagh Singh s/o Uddham Singh, 300/L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

Land as mentioned in Regd. deed No. 7560 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

THE SCHEDULE

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal ;

FORM ITNS

(2) Smt. Kamlavati w/o Jug Lal, Ramesh Rani d/o Kewal Krishan and Kanta Rani w/o Subash Kumar and Parveen Kumari w/o Vijay Kumar, Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P. 1047.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Shri Nand Kishore s/o Banarsi Das, H. No. 170, Moh. Mahendru, Jullundur City.

(Transferor)

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 7413 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-7-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1048.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Partap Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shali Bai w/o Sham Lal Near Old Bus stand, 34-Partap Road, Present: Sham Trading Coy, 6055 Main Bazar, Jullundur City.
(Transferor)
- (2) Shri Tara Chand Goyal s/o Hari Singh, near Fish Market, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7250 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1049.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Basti Guzan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Udham Singh of Basti Guzan, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Piara Singh s/o Hakam Singh of Basti Guzan, Jullundur
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7592 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madan Mohan Bhardwaj s/o Bakshi Tulsi Das.
(Transferor)(2) Shri Som Nath Aggarwal of Dena Nagar, District
Gurdaspur.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1050.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule, situated at Partap Chowk, Nurmahal Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7527 of Nov. 1972 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Achar Singh s/o Sh. Ram Saran Mohalla Prem Nagar, Ramesh Colony, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dharam Vir s/o Jagat Ram, 930, Mohalla Govindgarh, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1051.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7306 of Nov. 1974 of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Dhanu s/o Nama V. Goraya, Teh. Phillaur.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1052.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sh. Tirath Ram s/o Sadhu Ram r/o Barah Pind.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the house.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3237 of Nov. 74 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-7-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

(1) S/Sh. Jagjit Singh, Harbans Singh Ss/o Mehnga Singh s/o Rur Singh, Pandouri Khas through Kartar Singh s/o Rur Singh, Pandori.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Harbans Lal s/o Nathu Mal, Nakodar.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the shop.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shop as mentioned in Regd. deed No. 1864 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

(1) Sh. Neel Kant, Shashi Parkash, Pritam Dew, Shakuntala Devi, Rama Banti Ss & Ds/o Sh. Krishan Lal, Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gurbax Kaur w/o Amarjit Singh s/o Piara Singh of Nakodar Road, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. A.P. 1054.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Property as mentioned in Regd. deed No. 2001 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-7-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

(1) Sh. Neel Kant, Shashi Parkash, Pritam Devi, Shakuntala Devi, Rama Banti Ss & Ds/o Sh. Krishan Lal, Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Amarjit Singh s/o Piara Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1055.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Nakodar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property as mentioned in Regd. Deed No. 2002 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1056.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Patar Kalan (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sadhu Singh s/o Ghanaya Singh alias Ganesh Singh of Vill. Pattar Kalan, Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Ajaib Singh s/o Battan Singh of V. Pattar Kalan, Dist. Jullundur.

(Transferee)

- *(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- *(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7399 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-7-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1057.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Amar Chand s/o Dheru Ram r/o Patara, of Jullundur,

(Transferor)

- (2) Smt. Ratan Kaur w/o Rakha Ram s/o Mangat Ram, Jullundur.

(Transferee)

- * (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- * (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7447 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1058.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jullundur (Ladowali Road) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Chand s/o Dheru Ram r/o Patara,
(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur w/o Chaman Lal r/o Sherpur
Shekhl, Teh. Jullundur.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be in-
terested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7448 of Nov.,
1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31-7-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1059.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Partap Colony, Near Radio Station, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Madan Mohan Bhardwaj s/o Bakshi Tulsi Dass s/o Bakshi Jiwan Das c/o Daily Partap, Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Som Nath Aggarwal s/o Ram Parkash Aggarwal, Dina Nagar, Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Murabba. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Murabba as mentioned in Regd. deed No. 7196 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1060.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Udham Singh s/o Jagat Singh (R. O. Avtar Nagar, Jullundur).
(Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kumari w/o Des Raj Sood Jullundur through Dwarka Nath, E.S. 114, Nakodar Road, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7264 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-7-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. A.P. 1061.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kazi Mandi, Daulatpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

19—196GI/75

(1) Ram Murti s/o Amin Chand of E.J. 316, Riazpura, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Tarlok Chand, Has Raj, Mandi Phantam Ganj, Jullundur Through Sh. Terlok Chand Sehgal.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7335 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax

Acquisition Range, Jullundur

Date: 31-7-1975

Seal;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1062.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per Schedule situated at Garden Axtation, Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Sham Kumar Bharwaj s/o Pt. Sant Paul Bharwaj, Jullundur. G.A. Usha Keram w/o Mohinder Nath c/o Sat Paul Pandit & Co. Milap Chowk, Jullundur.
(Transferor)

(2) Sh. Dalip Singh, Puran Singh Ss/o Budha Singh, Lukar Mandi, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the plot. Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that chapter .

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7417 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1963.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at House No. 258, Central Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bhagwan Singh s/o Malba Singh s/o Khajana (Gali No. 6) H. No. 258, Central Town, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Bulbir Kaur w/o Teerath Singh s/o Avtar Singh, Vill. Shankar, Teh. Distt. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the plot. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7502 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1064.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. As per Schedule situated at Dasuya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dasuya in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Karan Devi wd/o Dhole Ram r/o Dasuya.
(Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur w/o Charanjit Singh, R.O. Dasuya.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the plot, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 2590 of Nov. 1974 of Registering Authority, Dasuya.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Roshan Lal and Ram Kumar s/o Sh. Lal Ram Saran Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Gulzari Lal s/o Sh. Ram Saran Pata Sh. Devi Dass, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1065.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur (Bazar Kalan) (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7211 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bara Singh s/o Ganga Singh of V. Pati Amattapur, Distt. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1066.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Sura Beram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269C of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Swaran Singh, Karam Singh Ss/o Inder Singh 1/4, Gurmeet Singh, Kuldip Singh, Amrik Singh, Lakhbir Singh, Tarlok Singh Ss/o Chain Singh 1/4, Bhpinder Singh s/o Karnail Singh of Vill. Salempur, Distt Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land. (person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7423 of Nov. 1974 of Registering Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1067.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Chananpur Teh. & Distt. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Bhajan Singh, Ajit Singh, Joginder Singh Ss/o Punna Singh s/o Jiwa Singh of Vill. Saprai, Teh. & Distt. Jullundur,

(Transferor)

- (2) Shri Hazur Singh s/o Bhagat Singh s/o Nihal Singh of Vill. Gaudianwali, Teh. & Distt. Jullundur. (Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

- (4) Any other person interested in the land (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7736 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date . 31st July 1975.

Seal ;

FORM ITNS

(1) Sh. Niranjana Singh, Mehma Singh Ss/o Sunder Singh of Lallian Kalan, Teh. & Distt. Jullundur, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Didar Singh, Nirmal Singh Ss/o Swaran Singh of Vill. Lallian Kalan. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1068.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Lallian Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7737 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1069.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
20—196GI/75

(1) Shrimati Bhupinder Kaur w/o Sh. Avtar Singh s/o Sh. Harnam Singh of 615 Sector 16/D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Ram s/o Sh. Phuman Ram, Gurcharan Singh s/o Lekh Singh, G.T. Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the Kothi. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 7318 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1070.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Katloopur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chanan Singh adopted son of Inder Singh of V. Katloopur. Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferor)

(2) Sb. Piara Singh, Joginder Singh, Satnam Singh Ss/o S. Chanan Singh. V. Gakkhal. Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7391 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 31st July 1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mal Singh s/o Inder Singh of Vill. Lallian Kalan, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bachittar Singh s/o Dharam Paul Singh s/o Swaran Singh. Vill. Lallian Kalan, Teh. & Dist. Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1071.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Lallian Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7295 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Sh. Amar Singh, Lal Singh and Sh. Charan Singh
s/o Genda Singh in Lamapind, Teh. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1072.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Lamapind Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Swarn Singh s/o Sh. Milkhi Vassi Chuck
Husaina, Lamapind, Teh. Jullundur,
(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7271 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Rahmat Nasib s/o Sh. Labha Masih of Vill. Dhogri, Teh. Distt. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nirmal Singh s/o Sh. Gian Singh of V. Rurki Khas, Teh. Garshankar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 31st July 1975

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1073.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land as mentioned in Regd. deed No. 7223 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1074.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kapoor Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagan Nath s/o Raghu Ram of Jandu Singha. (Transferee)
- (2) Shri Dayal Singh s/o Mohinder Singh & Satnam Singh s/o Santa Singh of Kapoorpind. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7383 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohinder Singh s/o Dara Singh, Kapoor Pind.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Malkit Singh, Mohan Singh, Surinder Singh,
Kewal Singh Ss/o Balwant Singh Kapoor Pind.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

(4) Any other person interested in the land,

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1075.—Whereas, I, Ravinder Kumar
being the Competent Authority
under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapoor Pind
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7554 of Nov. 1974
of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1076.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill, Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Resham Singh, Ajit Singh, V. Nagra, Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Charan Singh, Mohinder Singh, Amrik Singh s/o Dalip Singh, V. Nagra, Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7497 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1077.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Bhogpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(1) Bakshi Singh s/o Jiwan Singh, Vill/P.O. Bhogpur.
(Transferor)

(2) Chanana Singh, Jaswant Singh, Karamjit Singh, Amrik Singh s/o Capt. Niranjan Singh, Sagranwalli.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7518 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Chanana Kaur d/o Kasar s/o Bhupa R.O. Vill.
Lit., P.S. Dasuya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1078.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Vill. Panma (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhunga in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the eduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) (1) Sh. Ujjagar Singh s/o Santa Singh s/o Bhula, Vill. Panma, Distt. Hoshiarpur (2) Ram Nath, Namuna Dass, (3) Gurbhajan Singh, (4) Darshan Singh, R.O. Vill. Lit.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1228 of Nov. 1974 of Registering Authority, Bhunga.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Baboo Ram s/o Waziria, s/o Arjan R/o Nanga Thathal, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Jagish Lal, Pritam Das, Gurmit Singh Ss/o Dina Nath s/o Lachhman Das R.O. Nangal, Thatchal, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1079.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Nangal Thathal, Teh. Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhunga in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1167 of Nov. 1974 of Registering Authority, Bhunga.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax Acquisition Range,

Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Uma Wati d/o Ananta s/o Mathra Vill. Thathal, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1080.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Thathal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Nov. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) (1) Mangal Singh, (2) Jagdish Singh, (3) Ravinder Lal, (4) Kashmir Devi w/o Mangal Singh; Ss/o Ram Das; Ram Das r/o Sherpur Bhatiana, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the plot. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3160 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1081.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Nagraha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagat Singh s/o Jiwan Singh s/o Mahan Singh, R.O. Nagraha.
(Transferor)
- (2) Sh. Pawan Kumar s/o Ved Parkash s/o Anant Ram Khullar, Moh. Jagatpura, Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]
- (4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3018 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1082.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Civil Lines, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Bipan Lal s/o L. Gopi Mal, R.O. Kuthtrala house, Hoshiarpur, Mukhtar-I-aml Harbans Kumar Wd/o Joginder Lal, 2. Bishan Lal, Kuthtrala s/o Bishan Lal, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Yash Pal s/o Ram Dayala, R.O. Civil Lines, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 3095 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1083.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Milap Nagar, HSP (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hoshiarpur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sh. Des Raj Khurana s/o Sohna Ram s/o Hira Mal, R.O. Model Town, Hoshiarpur, (2) Kewal Krishan s/o Sham Lal, R.O. Bassi Daulat Khanpur, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Sh. Harbhajan Singh s/o Banta Singh s/o Amin Chand Vill. Man, P.S. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 2998 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1084.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Gandhowal, Kothj No. 46/90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Garshankar in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Harikishan Singh s/o Ghanmaya Singh s/o Sheo Singh V. Gandhowal, Teh. GSR (Garshankar).
(Transferor)
- (2) S/Sh. Gurdev Singh, Santosh Singh, Avtar Singh, Gurmej Singh Ss/o Darshan Singh, V. Gandhowal.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2485 of Nov. 1974 of Registering Authority, Garshankar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Joginder Singh, Ajit Singh, Nirmal Singh, Dilbagh Singh S/o Lachhman Singh r/o Jandu Singh, Teh. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1085.—Whereas, I. Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jatwali, Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Amarjit Singh s/o Resham Singh, Smt. Dhan Kaur wd/o Jwand Singh, R/o Madar village, Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7494 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Jullundur.

Date : 31st July 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1086.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mukerian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Maghar Mal s/o Gurdit Mal, vill. Mukerian. (Transferor)
- (2) Sh. Devinder Kumar s/o Avnashi Lal r/o Mukerian. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the House. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 1523 of Nov. 1974 of Registering Authority, Mukerian.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July, 1975

(1) Sh. Budh Singh s/o Dalal Singh s/ Khushal Singh,
Model Town, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Satwant Kaur w/o Harbaksh Singh, s/o Mehnga
Singh, Vill. Khabal Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)(4) Any other person interested in the Kothi. (Person
whom the undersigned knows to be interested in the
property.)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

Ref. No. AP-1087.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Model Town, Hoshiarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in No. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 2975 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1088.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred at Hoshiarpur in Nov. 1974 under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Sunder s/o Amar Nath s/o Amin Chandel Sethi, R.O. Model Town, Hoshiarpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Chander Kanta w/o Ravinder Nath Pathak s/o Bhagat Ram, R.O. Mazara Digrian, Dist. Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Kothi. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 2995 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range
Jullundur.

Date : 31st July 1975

Seal :

FORM ITNS-1

(1) Sh. Kimti Lal s/o Dogar Mal s/o Mehar Chand Jain,
Br. Sarafan, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Paras Kumar s/o Dogar Mal s/o Mahar Chand,
Br. Sarapasi, Hoshiarpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)(4) Any other person interested in the House, (Person
whom the undersigned knows to be interested in the
property.

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1089.—Whereas, I, Ravinder Kumar
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per schedule situated at Hoshiarpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hoshiarpur in Dec. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3258 of Dec. 1974
of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act. to the following
persons namely :—

Date : 31st July 1975
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mohan Lal s/o Nand Lal s/o Munshi Ram
R.O. Moh. Premgarh Hoshiarpur. (2) Nand Lal d/o
Munshi Ram, R.O. Premgarh, Hoshiarpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sh. Rajinder Singh Grewal s/o Karam Singh s/o
Pratap Singh, R.O. Bariana, Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)
(4) Any other person interested in the House (Person
whom the undersigned knows to be interested in the
property.)

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1090.—Whereas, I, Ravinder Kumar
being the competent Authority under section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Near Hari Bawa Mandir
Krishan Nagar, Hoshiarpur
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
Hoshiarpur in Nov. 1974
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or their assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—

House as mentioned in Regd. deed No. 2973 of Nov. 1974
of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Amar Nath s/o Sh. Mastan Chand s/o Girdhari Lal,
Kacha Toba, Hoshiarpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Krishna Rani w/o Dyal Chand c/o Ishar Dass,
Kacha Toba, Hoshiarpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)

(4) Any other person interested in the House. (Person
whom the undersigned knows to be interested in the
property.)

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. AP-1091.—Whereas, I, Ravinder Kumar
being the competent authority under section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kacha Toba, Hoshiarpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer at
Hoshiarpur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3136 of Nov. 1974
of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons namely :—

Date : 31st July 1975
Seal :

FORM JINS—

(1) Sh. Gurmail Singh s/o Udham Singh, r/o Premgarh, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Nirmal Singh s/o Takhat Singh, Vill. Mona Kalan, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the House. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Jullundur, the 31st July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1092.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Premgarh Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hoshiarpur in Nov. 1974

for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3156 of Nov. 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 31st July 1975

Seal :

FORM ITNS

(Surjit Singh s/o Sunder Singh s/o Inder Singh of Vill. Lallian Kalan, Teh. & Dist. Jullundur.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Didar Singh, Nirmal Singh Ss/o Swaran Singh of Vill. Lallian Kalan, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1093.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Lallian Kalan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—196GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7431 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31st July 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1094.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Lamba Pind (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ram Singh s/o Assa Ram of Jullundur, Lamba Pind.
(Transferor)

(2) Satpal s/o Proota Ram of Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7735 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31st July 1975

Seal :

FORM FINS—

(2) Sh. Bikram Chand s/o Gulzara Ram, Lt. A.C.H. Jalewan, Distt. Karnal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) As per Sr. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the House,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDURObjections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 31st July 1975

Ref. No. AP-1095.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Ratewal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Dec 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ajit Ram s/o Gulzara Ram Ratewal, Teh. Phillaur.
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3502 of Dec. 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31st July 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th July, 1975

Ref. No. 270/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 13, situated at Broad Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 30-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Balaram Mukherjee 31, Motilal Nehru Road, Calcutta-29.

(Transferor)

- (2) Uttara Co-operative Housing Society Ltd. 12/2, Palm Avenue, Calcutta-19.

(Transferee)

- (3) [Persons in occupation of the property.]

- (1) Sri Ram Kumar Matadin.
- (2) Sri Raghubir Dayal Ramabatar.
- (3) S. K. Kachi.
- (4) Sri Prasanta Kr. Maity.
- (5) Sudarsan Bank.
- (6) Sandhya Rani Mayunder and Himansu Kr. Mayunder.
- (7) Tara Nag Nepal Nag and Biswanath Nag.
- (8) Mahadeb Nag.
- (9) Abdul Haque.
- (10) Abdul Haque.
- (11) S. K. Tinkari.
- (12) Bhaskar Chakrabarty.
- (13) Bhaskar Chakrabarty.
- (14) Anil Kumar Dhar.
- (15) Jatindra Nath Ghosh.
- (16) Mahadeb Ch. Pal.
- (17) Anuradha Nag.
- (18) Prabhat Chowdhury Parbati Chowdhury
- (19) Rampirit Prasad Shaw.
- (20) Ashoke Kumar Roy.
- (21) Shib Sankar Chowdhury.
- (22) Rambahadur Chowdhury.
- (23) Jagadish Chowdhury.
- (24) Sitaram Chowdhury, Sitaram Chowdhury.
- (25) Anima Nag.
- (26) Sanat Dutta.
- (27) Rajindra Shaw.

- (28) Tarapada Sadhar.
- (29) Ashoke Dutta.
- (30) Sova Shaw.
- (31) Ramlagan Shaw.
- (32) Pancha Naskar.
- (33) Santosh Paramanik.
- (34) Fani Paramanik.
- (35) Yogi Shaw.
- (36) Kunieb Shaw.
- (37) Ankal Shaw.
- (38) Dalal Nag.
- (39) Akhil Das.
- (40) Nikhil Das.
- (41) Prosadi Singh.
- (42) Dulal Haldar.
- (43) Surya Bagi Surya Bagi.
- (44) Lakshmi Mandal, Lakshmi Nandal.
- (45) Gulabi Shaw.
- (46) Janak Shaw, Janak Shaw.
- (47) Lakshman Gayan.
- (48) Palan Sardar.
- (49) Muktarom Morol.
- (50) Batuebatrik.
- (51) Bharat Mondal.
- (52) Sunil Nag.
- (53) Eela Khan.
- (54) SK Fakiruddin.
- (55) SK Golam.
- (56) SK Bulbul.
- (57) SK Dilbhar.
- (58) Central Fisheries Corpn.
- (59) Abdul Haque.
- (60) Prasanta Kumar Maity.
- (61) Ratu Thakur.
- (62) Tara Nag.
- (63) Adi Ballygunge Silpa Samaty Ltd., Adi Ballygunge Silpa Samity Ltd.
- (64) Dulal Mondal.
- (65) Nani Nondal.
- (66) Nirmal Paramanik.
- (67) Gaya Shaw.
- (68) Asrafi Shaw.
- (69) Nikhil Ch. Kundal.
- (70) Narayan Gopal Hore.
- (71) Haram Ch. Dey.
- (72) Bishnupada Das.
- (73) Bipin Chandra Bera.
- (74) Badal Ch. Sarkar.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land and pond land measuring 1 Bigha 11 cottahs more or less together with all the permanent and semi-permanent structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta, commonly known as 'Broad Street Market', as per deed no. 7020 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date : 26-7-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th July, 1975

Ref. No. 271/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 13, situated at Broad Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta, on 30-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ashim Kumar Mukherjee 31, Motilal Nehru Road, Calcutta-29,

(Transferee)

- (2) Uttara Co-operative Housing Society Ltd, 12/2, Palm Avenue, Calcutta-19,

(Transferor)

(3) [Persons in occupation of the property.]

- (1) Sri Ram Kumar Matadin.
- (2) Sri Raghubir Dayal Ramabatar.
- (3) SK. Kachi.
- (4) Sri Prasanta Kr. Maity.
- (5) Sudarsan Bank.
- (6) Sandhya Ravi Mayundul & Himansu Kr. Mayunder.
- (7) Tara Nag Nepal Nag and Biswanath Nag.
- (8) Mahadeb Nag.
- (9) Abdul Haque.
- (10) Abdul Haque.
- (11) SK. Tinkari.
- (12) Bhaskar Chakrabarty.
- (13) Bhaskar Chakrabarty.
- (14) Anil Kumar Dhar.
- (15) Jatindra Nath Ghosh.
- (16) Mahadeb Ch. Pal.
- (17) Anuradha Nag.
- (18) Prabhati Chowdhury, Parbati Chowdhury.
- (19) Rampirit Prasad Shaw.
- (20) Ashoke Kumar Roy.
- (21) Shib Sankar Chowdhury.
- (22) Rambahadur Chowdhury.
- (23) Jagadish Chowdhury, Sitaram Chowdhury.
- (24) Sitaram Chowdhury Sitaram, Chowdhury.
- (25) Anima Nag.
- (26) Sanat Dutta.
- (27) Rajindra Shaw.
- (28) Tarapada Sadder.
- (29) Ashoka Dutta.
- (30) Sova Shaw.
- (31) Ramlagan Shaw.

- (32) Pancha Naskar.
- (33) Santosh Paramanik.
- (34) Fani Paramanik.
- (35) Yogi Shaw.
- (36) Kunieb Shaw.
- (37) Ankal Shaw.
- (38) Dulal Nag.
- (39) Akhil Das.
- (40) Nikhil Das.
- (41) Prosadi Singh.
- (42) Dulal Haldar.
- (43) Surya Bagi Surya Bagi.
- (44) Lakshmi Mandal, Lakshmi Nandal.
- (45) Gulabi Shaw.
- (46) Janak Shaw, Janak Shaw.
- (47) Lakshman Gayan.
- (48) Palan Sardar.
- (49) Muktaram Morol.
- (50) Batuebatrik.
- (51) Bharat Mondal.
- (52) Sunil Nag.
- (53) Eela Khan.
- (54) SK. Fakiruddin.
- (55) SK. Golam.
- (56) SK. Bulbul.
- (57) SK. Dilbhar.
- (58) Central Fisheries Corpn.
- (59) Abdul Haque.
- (60) Prasanta Kumar Maity.
- (61) Ratu Thakur.
- (62) Tara Nag.
- (63) Adi Ballygunge Silpa Samait Ltd., Adi Ballygunge Silpa Samity Ltd.
- (64) Dulal Mondal.
- (65) Nani Nondal.
- (66) Nirmal Paramanik.
- (67) Gaya Shaw.
- (68) Asrafi Shaw.
- (69) Nikhil Ch. Kundal.
- (70) Narayan Gopal Hore.
- (71) Haran Ch. Dey.
- (72) Bishnupada Das.
- (73) Bipin Chandra Bera.
- (74) Badal Ch. Sarkar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in or less together with all permanent and semi-permanent structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta, commonly known as 'Broad Street Market'; as per deed no. 7021, of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date : 26-7-1975.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 26th July, 1975

Ref. No. 272/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, situated at Broad Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24 Pgs. on 30-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act, to the following persons, namely :—

(1) Mammotho Nath Mukherjee 31, Motilal Nehru Road, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Uttara Co-operative Housing Society Ltd. 12/2, Palm, Avenue, Calcutta-19.

(Transferee)

(3) [Persons in occupation of the property.]

- (1) Sri Ram Kumar Matadin.
- (2) Sri Raghubir Dayal Ramabatar.
- (3) SK. Kachi.
- (4) Sri Prasanta Kr. Maity.
- (5) Sudarsan Bank.
- (6) Sandhya Ravi Mayundur & Himansu Kr. Mayunder.
- (7) Tara Nag Nepal Nag and Biswanath Nag.
- (8) Mahadeb Nag.
- (9) Abdul Haque.
- (10) Abdul Haque.
- (11) SK. Tinkari.
- (12) Bhaskar Chakrabarty.
- (13) Bhaskar Chakrabarty.
- (14) Anil Kumar Dhar.
- (15) Jatindra Nath Ghosh.
- (16) Mahadeb Ch. Pal.
- (17) Anuradha Nag.
- (18) Prabhgati Chowdhury, Parbati Chowdhury.
- (19) Rampir Prasad Shaw.
- (20) Ashoke Kumar Roy.
- (21) Shib Sankar Chowdhury.
- (22) Rambahadur Chowdhury.
- (23) Jagadish Chowdhury.
- (24) Sitaram Chowdhury Sitaram Chowdhury.
- (25) Anima Nag.
- (26) Sanat Dutta.
- (27) Rajindra Shaw.
- (28) Tarapada Saddar.

- (29) Ashoka Dutta.
- (30) Sova Shaw.
- (31) Rambagan Shaw.
- (32) Pancha Naskar.
- (33) Santosh Paramanik.
- (34) Fani Paramanik.
- (35) Yogi Shaw.
- (36) Kunieb Shaw.
- (37) Ankal Shaw.
- (38) Dulal Nag.
- (39) Akhil Das.
- (40) Nikhil Das.
- (41) Prosadi Singh.
- (42) Dulal Haldar.
- (43) Surya Bagi Surya Bagi.
- (44) Lakshmi Mandal, Lakshmi Nandal.
- (45) Gulabi Shaw.
- (46) Janak Shaw, Janak Shaw.
- (47) Lakshman Gayan.
- (48) Palan Sundar.
- (49) Muktaram Morol.
- (50) Batuebatrik.
- (51) Bharat Mondal.
- (52) Sunil Nag.
- (53) Bela Khan.
- (54) SK. Fakiruddin.
- (55) SK. Golam.
- (56) SK. Bulbul.
- (57) SK. Dilbar.
- (58) Central Fisheries Corpn.
- (59) Abdul Haque.
- (60) Prasanta Kumar Maity.
- (61) Ratu Thakur.
- (62) Tara Nag.
- (63) Adi Ballygunge Silpa Samaty Ltd., Adi Ballygunge Silpa Samaty Ltd.
- (64) Dulal Mondal.
- (65) Nani Nondal.
- (66) Nirmal Paramanik.
- (67) Gaya Shaw.
- (68) Asrafi Shaw.
- (69) Nikhil Ch. Kundal.
- (70) Narayan Gopal Hore.
- (71) Haran Ch. Dey.
- (72) Bishnupada Das.
- (73) Bipin Chandra Bera.
- (74) Badal Ch. Sarkar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in or less together with all permanent and semi-permanent structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta, commonly known as 'Broad Street Market; as per deed no. 8065, of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24 Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date : 26-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th July, 1975

Ref. No. 273/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, situated at Broad Street, Calcutta, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 2-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sourendra Nath Mukherjee 31, Motilal Nehru Road, Calcutta-29,

(Transferor)

- (2) Uttara Co-operative Housing Society Ltd., 12/2 Palm Avenue, Calcutta-19,

(Transferee)

- (3) [Persons in occupation of the property.]

- (1) Sri Ram Kumar Matadin.
- (2) Sri Raghubir Dayal Ramabatar.
- (3) SK. Kachi.
- (4) Sri Prasanta Kr. Maity.
- (5) Sindarsan Bank.
- (6) Sandhya Ravi Mayundur & Himansu Kr. Mayunder.
- (7) Tara Nag Nepal Nag and Biswanath Nag.
- (8) Mahadeb Nag.
- (9) Abdul Haque.
- (10) Abdul Haque.
- (11) SK. Tinkari.
- (12) Bhaskar Chakrabarty.
- (13) Bhaskar Chakrabarty.
- (14) Anil Kumar Dhar.
- (15) Jatindra Nath Ghosh.
- (16) Mahadeb Ch. Pal.
- (17) Anuradha Nag.
- (18) Prabhagati Chowdhury, Parbati Chowdhury.
- (19) Rampirit Prasad Shaw.
- (20) Ashoke Kumar Roy.
- (21) Shib Sankar Chowdhury.
- (22) Rambahadur Chowdhury.
- (23) Jagadish Chowdhury.
- (24) Sitaram Chowdhury Sitaram Chowdhury.
- (25) Anima Nag.
- (26) Sanat Dutta.
- (27) Rajindra Shaw.
- (28) Taranada Sadder.
- (29) Ashoka Dutta.

- (30) Sova Shaw.
- (31) Rumbagan Shaw.
- (32) Pancha Naskar.
- (33) Santosh Paramanik.
- (34) Fani Paramanik.
- (35) Yogi Shaw.
- (36) Kunieb Shaw.
- (37) Ankal Shaw.
- (38) Dulal Nag.
- (39) Akhil Das.
- (40) Nikhil Das.
- (41) Prosadi Singh.
- (42) Dulal Haldar.
- (43) Surya Bagi Surya Bagi.
- (44) Lakshmi Mandal, Lakshmi Nandal.
- (45) Gulabi Shaw.
- (46) Janak Shaw, Janak Shaw.
- (47) Lakshman Gayan.
- (48) Palan Sundar.
- (49) Muktaram Morol.
- (50) Batuebatrik.
- (51) Bharat Mondal.
- (52) Sunil Nag.
- (53) Eela Khan.
- (54) SK. Fakiruddin.
- (55) SK. Golam.
- (56) SK. Bulbul.
- (57) SK. Dilbhar.
- (58) Central Fisheries Corpn.
- (59) Abdul Haque.
- (60) Prasanta Kumar Maity.
- (61) Ratu Thakur.
- (62) Tara Nag.
- (63) Adi Ballygunge Silpa Samaty Ltd., Adi Ballygunge Silpa Samaty Ltd.
- (64) Dulal Mondal.
- (65) Nani Nondal.
- (66) Nirmal Paramanik.
- (67) Gaya Shaw.
- (68) Asrafi Shaw.
- (69) Nikhil Ch. Kundal.
- (70) Narayan Gopal Horc.
- (71) Haran Ch. Dey.
- (72) Bishnupada Das.
- (73) Bipin Chandra Bera.
- (74) Badal Ch. Sarkar.

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in or less together with all permanent and semi-permanent structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta, commonly known as 'Broad Street Market; as per deed No. 7036 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date : 26-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sajanwati W/o Lala Padam Prasad Jain r/o Vill Zadodha Panda, Teh. Devband, Moh. Rani Bazar. Distt. Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lala Har Bhagwan Das Lala Karam Chand r/o 6/972, infront Chakrota Bus Stand, Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 26th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. 95/Acq./Saharanpur/74-75/726.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Chakrota Bus stand, Saharanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saharanpur on 11-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Residential and commercial plot with a big shed situated in front of Chakrota Bus Stand bearing Municipal No. 6/972, Saharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 26-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NAGPUR.

Nagpur, the 31st July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/38/75-76.—Whereas, I, D. Ramarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Circle No. 19/27, Ward No. 1/3, House No. 2/0+3, West side portion of house situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nagpur, on 25-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Amrut Pharmacy (P) Ltd., Nagpur.
Through Director Shri Prataprao s/o Krushnarao Pradhan.

(Transferor)

- (1) Shri Vinayakrao s/o Laxmanrao Bawane.
- (2) Shri Wasudeorao s/o Laxmanrao Bawane.
- (3) Shri Madhukarrao s/o Laxmanrao Bawane.

(Transferee)

- (1) Bhartiy Hotel, Nagpur : Ground floor.
- (2) Nagpur Saree Kendra, Nagpur : 1st floor.
- (3) Shri D. V. Navgre, Nagpur : 2nd floor.

Nagpur Saree Kendra, Nagpur.

[Person in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West side of house No. 2/0+3, Circle No. 19/27, Ward No. 1/3 measuring 42' x 13'-9", half portion of three storied Building situated on Sita buldi main road, Nagpur (Maharashtra State).

D. RAMARAO,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

FORM ITNS—

(1) Shri Surajit Dass & Miss Brinda Dass.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Bibha Roy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
I.A.C. ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 22nd July 1975

Ref. No. AC-221/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/1B, situated at Jhamapukur Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(3) Shrimati Lila Das Gupta, Manju, Bishnu, Debesh, Bholanath, Bomkesh & Narain Chowdhury, Dr. Bholanath Pyne, A. N. Mitra, Anil Chatterjee and Satyabrata Sarkar.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in Premises No. 28/1B, Jhamapukur Lane, Calcutta-9, comprising a total area of 5 cottas 2 chittaks more or less and building thereon.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 22-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri C. Ratnam Mudliar S/o Chinappa Mudliar,
C/o Jayaram Cool Drinks, Trunk Road, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

(2) Smt. Ala Lakshmi Tayaramma W/o Sreeramulu,
Santhapet, Nellore, C/o Sreeramulu, Police Con-
stable, Kaluvai, Atmakur Tq. Nellore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. R.A.C.57/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-
raman,
being the competent authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 16/552, situated at Sankara Agraharam, Nellore,
(and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Nellore on 4-12-1974
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Door No. 16/552, Sankara Agraharam, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Chandaiben T. Desai, 30, Maharashtra Society, Ellisbridge Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Anandni Flats Co-op. Housing Society Ltd., Regd. Office: Hansa Villa Near Navrangpura, Crossing, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

- (1) Shri Rameshchandra Chimanlal Gandhi.
- (2) Smt. Hemlataben K. Patel.
- (3) Smt. Khorshed Maherji Avari.
- (4) Viraf Pcsottan Dukandar.
- (5) Indiraben K. Hagade.
- (6) Veenaben H. Desai.

C/o Anandni Flats Co-op. Hou. Soc. Ltd. Nr. St. Xavier's High School, Ahmedabad-9.

[Person in occupation of the property.]

Ahmedabad-380009, the 9th July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-460(201)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 67, 68, Sub-Plot No. 26, F.P. No. 387, T.P.S. No. 19 situated at Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 20-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the follow persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with construction) admeasuring 607 sq. yds. bearing Survey No. 67 & 68, Sub-Plot No. 26, Final Plot No. 387 of T.P.S. No. 19 and situated at Navrangpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahabir Prashad Modi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pitamber Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 7th July 1975 :

Ref. No. 31-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A House measuring 1043 sq. ft. situated at Bharoli Bazar, Deoria,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoria on 4-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House measuring 1043 sq. ft. is situated in Bharoli Bazar in Distt. Deoria.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahabir Prashad Modi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rukmani Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 7th July 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 52-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A House measuring 1043 sq. ft. situated at Vill. Bahroli Bazar Distt. Deoria. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Deoria on 4-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House measuring 1043 sq. ft. situated at village Bahroli Bazar Distt. Deoria.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Latta Devi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1975

Ref. No. 11-L/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A House situated at Bahroli Bazar Distt. Deoria, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Deoria on 4-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahabir Prashad Modi,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House measuring 1043 sq. ft. is situated at village Bahroli Bazar Distt. Deoria.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shishila Devi Jajodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Navneet Arun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 9th July 1975

Ref. No. 9-N/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 271/1 Area 3633 sq. ft. situated at Manza Chandpur Dehat Distt, Varansi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. M. Plot no. 271/1 having an area of 3633 sq. ft. is situated at Manza Chandpur Dehat Distt, Varansi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Radha Govinda Nandi, Rajendra Narayan Nandi, Nandolal Nandi, Radhapada Nandi, Hari-sadhan Nandi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satish Chand Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28th June 1975

Ref. No. AC-219/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Mahatma Gandhi Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—196 GI/75

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of land measuring 5 Cottahs more or less with building thereon at 14, Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 28-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh Kumar Bhowinka, Kamal Kishore Bhowinka and Smt. Ambika Debi w/o Late Durga Dutta Bhowinka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Utkal Automobiles, Pvt. Ltd., Cantonment Road, Cuttack town Represented by its Managing Director, Sri Nagin Bhagawanji Parikh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 9 FOREST PARK,
BHUBANESWAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhubaneswar-9, the 24th May 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 19/75-76/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B. Chand,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. plot No. 105/1 & 106/2, situated at Manglabag, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 6-12-1974.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The land with building situated on Cantonment Road, Manglabag of Cuttack town bearing C.S. Plot No. 105/1 and 106/2 registered on 6-12-74 in the office of the Dist. Sub-Registrar, Cuttack vide sale deed No. 7867.

G. B. CHAND,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 24-5-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anil Kumar Chanda and Others as per enclosed sheet.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

SHILLONG

Shillong, the 19th May 1975

Ref. No. A-99/75-76/515-36.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Baksa Patta No. 3, Dag Nos. 3097, 3098 and a part of Dag No. 3099, appertaining to Dag Nos. 3100, 3101 and 3102, situated at Silchar Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Silchar on 18-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

NAME OF TRANSFEROR

1. Shri Anil Kumar Chanda, s/o late Kamini Kumar Chanda now residing at Jithbhum, Santiniketan, Dist. Birbhum 2. Shrijukta Monika Chanda, Widow of Late Ashok Kumar Chanda, now residing at 54 E. Sujan Singh Parak, New Delhi. 3. Shrijukta Anjali Paul, W/o Shri Nikhil Ranjan Paul, now residing at 54 E. Sujan Singh Park, New Delhi. 4. Shrijukta Malabika Karlekar, W/o. Shri Hiranmay Karlekar now residing at 116 Golf Lings, New Delhi, 5. Shri Anujit Kumar Chanda, S/o Late Arun Kumar Chanda, now residing at Digboi, Assam. 6. Shri Amajit Kumar Chanda S/o Late Arun Kumar Chanda now residing at 131 Netaji Subhas Road, Tollygunge, Calcutta. 7. Shrijukta Jayasree Sen, W/o Shri Samarendra Chandra Sen now residing at 182 Netaji Subhas Road, Tollygunge, Calcutta. 8. Shrijukta Jayantee Nebhrajani, W/o Shri Vir Tirathdas Nebhrajani now residing at 1, Wellington Avenue, London, U.K. 9. Shrijuta Lauka Sarkar, W/o Shri Chamchal Sarkar L. 1/10 Hauz Khas, New Delhi. 10. Shri Sisir Kumar Dutta, S/o Hem Chandra Dutta now residing at 16, Hindusthan Park, Ballygunge, Calcutta. 11. The aforesaid Shri Anil Kumar Chanda being one of the three Executors and trustees of the will of the aforesaid Apurva Kr. Chanda, deceased, persons 9, 10 and 11 for and on behalf of Shri Anujit Kumar Chanda Alias Tarunendu alias chono.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Lala, Central Road, Silchar Town.

(Transferee)

(3) M/s Surma Electric Stores, Silchar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of lands of Baksa putta No. 3 of Mouza Silchar Town, Pargana Barakpar, Sub-Registry Office at Silchar, Dist. Cachar, Assam measuring 78 ft. on East to West and 43 ft. on North to South appertaining to Dags full 3097, 3098 and a part of Dag No. 3099 and 100 ft. on East to West and 84 ft. on North to South appertaining to Dag Nos. 3100, 3101, 3102 in full making a total area of more or less 16 kattas 2 chattaks only which is bounded on the North by the path leading to D.N.N.K. Girls' High School, south by drain and thereafter lands of the chandas, East by D.N.N.K. Girls' High School, East by the P.W.D. Road.

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Shillong.

Date : 19-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shreyas shopping Centre Owners' Association Secretary, Shri Mahendrakumar Nathalal Snah, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd May 1975

Ref. No. Acq.23-I-464(186)/1-1/74-75. —Whereas I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 256 & 257, Sub-Plot No. 2-A, T.P.S. No. 3, situated at Sheikhpur-Khanpur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 30-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) M/s Nirmal Land Corporation, Partners Bharatkumar Seetaram Delhiwala, Padma Prabhu Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property bearing Sub-Plot No. 2-A, Final Plot No. 256 & 257, of T.P.S. No. 3, situated at Sheikhpur-Khanpur (Navrangpura), Ahmedabad and having an area of 923 1/13 sq. yards (being 40/150 undivided share of 3000 sq. yds.).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-5-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Rani W/o Sri Bodh Raj, R/O Mohalla Kumharan, Ward No. 3, Muradnagar, Pargana Jalalabad, Dist., Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Mahendra Kaur W/O Shri Lakhvir Singh, R/O 161, Gopal Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) purchasers.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. F.No. Acq./181/Gbd/74-75/535.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. as per schedule situated at Ram Nagar, Ghaziabad, Meerut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

One house property consisting of unfinished two rooms, latrine, bathroom and kitchen in an area of 170-7/9 sq. yds. at plot No. 14, situated at Ram Nagar, Ghaziabad, Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

THE SCHEDULE

F. J. BAHADUR.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-6-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Dewan Suna Ulla, Lakhtokia, Gauhati,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anup Kumar Sanyal, C/o M/s Baidyanath Jewellery, Lakhtokia, Gauhati and Dalim Pathak, Advocate, Beltola, P.O. Dishpur, Gauhati.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 2nd May 1975

Ref. No. A-95/Gau/75-76.363-73.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 586, K. P. Patta No. 282 situated at Village Jafrigog, Mouza, Beltola, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 4th December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5(five) Bigha, 2(two) Kattas covered by Dag No. 586, K. P. Patta No. 282 situated at Village Jafrigog, Mouza Beltola in Kamrup District of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 2-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 30th May 1975

Ref. No. A-103/DBR/75-76/700-11.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As described in the schedule* situated at Mouza Tinsukia and Rangagora of Tinsukia Sub-Division, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dibrugarh on 16-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The Jokai (Assam) Tea Company Limited 21,
Netaji Subhas Road, Calcutta,

(Transferor)

(2) Shri Nandlal Agarwalla, Bishmile, P.O. Chabua,

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land known as Hukanpukri T.E. containing an area of 2489.14 acres more or less together with plantations, trees and also all buildings, factories and other structures and erections thereon or therein.

SCHEDULE*

1. NLR Grant No. 165 (160) Dag No. 1 to 11, 13 to 25, 74, 83 86, 88 to 103, 105 to 124, 104/125 23/126 and 74/127 in Mouza Rangagora.
2. NLR Grant No. 236(234)—Dag No. 14 to 19, 28 to 44, 56 to 59 and 66 in Mouza Rangagora.
3. NLR Grant No. 257—Dag No. 27, 46 to 53, 60 to 65, 67 to 72, 75 to 82, 84 and 87 situated and lying in Mouza Rangagora, Sub-Registration Office, Tinsukia.
4. NLR Grant -40(37) Dag No. 60 to 64 and 79 to 83 in Mouza Tinsukia.
5. NLR Grant No. 76(73) Dag No. 30 to 34, 36 to 39, 41 to 51, 55 to 58 and 59 in Mouza Tinsukia.
6. Pattah No. 1—Dag No. 1 to 22, 27 to 29, 52 to 54, 65, 66, 5/68 and 69 to 77 in Mouza Tinsukia.
7. Pattah No. 1—Dag No. 104 in Mouza Rangagora.
8. Pattah No. 1—Dag No. 1 to 20, 23 to 28, 30, 31, 36, 40, 43 to 48 and 50 Mouza Rangagora.
9. Pattah No. 12—Dag No. 55, 61, 66, 67, 69 and 72 in Mouza Rangagora.
10. Pattah No. 40—Dag No. 24 in Mouza Rangagora.
11. Pattah No. 33—Dag No. 77 and 78 in Mouza Tinsukia.
12. Pattah No. 33—Dag No. 131 in Mouza Rangagora.
13. Pattah No. 15—Dag No. 30, 31, 45 and 50 in Mouza Rangagora.

EGBERT SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax

Acquisition Range, Shillong.

Date : 30-5-1975.

Seal :

FORM ITNS _____

(2) M/s. Barasali Tea Co. Pvt. Ltd, Na-ali, Jorhat;
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 31st May 1975

Ref. No. A-102/JRT/75-76/685-97.—Whereas, I, Shri EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule* enclosed situated at Mouza Khangia and Kakadanga in Sibsagar District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jorhat on 30-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hemendra Prasad Barooah, Shri Romendra Pd. Barooah, Smt. Kamal Kumari Barooah, Trustees of Siva Prasad Barooah Family Trust, Club Road, Jorhat,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Sangsua T.E. containing lands measuring about 1003.07 hectares (excluding 18.06 acres under Nos. 114, 115(pt), 116 and 117 of Patta No. 9 periodic of village Sangsua, Mouza Khangia) together with tea plantations and all the buildings and other structures and erections and effects of permanent nature thereon or therein, collectively known as Sangsua T.E. in the District of Sibsagar.

SCHEDULE*

- | Sl. No. | Grant No. or patta No. | Mouza. |
|---------|--------------------------------|---------------|
| 1. | P. No. 1 (Grant No. 146/387) | Part Khangia. |
| 2. | Patta No. 1 | part Khangia. |
| 3. | P. No. 1 Grant No. 38/413 (Pt) | Khangia. |
| 4. | P. No. 1 Grant No. 163/570/179 | Part Khangia. |
| 5. | P. No. 1 Grant No. 135/20 | Part Khangia. |
| 6. | P. No. 1 Grant No. 135/20 | Part Khangia. |
| 7. | P. N. 1 Grant No. 172/441 | Khangia. |
| 8. | P. No. 9 | Khangia. |
| 9. | P. No. 1 | Khangia. |
| 10. | P. No. 5 | Khangia. |
| 11. | P. No. 5 | Khangia. |
| 12. | P. No. 15 (new) | Khangia. |
| 13. | P. No. 11 (new) | Khangia. |
| 14. | P. No. 1/KA | Khangia. |
| 15. | P. No. 18 (new) | Khangia. |
| 16. | P. No. 36 | Khangia. |
| 17. | P. No. 284 (N. 316) | Kakadanga. |
| 18. | P. No. 309 | Kakadanga. |
| 19. | P. No. 114 | Kakadanga. |

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Shillong.

Date : 31-5-1975.

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Ram Chand Misra,

(Transferor)

(2) Rampiari Devi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1975

Ref. No. 51—R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 88 situated at Maha Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 11-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. 88 measuring 10000 Sq. Ft. is situated at Maha Nagar, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Pd. Modi,

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1975

Ref. No. 54—M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Bearing No. situated at Vill. Bharauli Bazar Distt. Deoria, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Deoria on 4-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 1043 sq. ft. is situated at Vill. Bharoli Bazar, Distt. Deoria.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balraj Miglani s/o Shri Bheraya Lal Miglani
R/o 15A/16 East Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brij Nandan Gupta, S/o Shri Ram Roop Gupta
R/o 15A/16, East Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1975

Ref. No. IAC. Acq.II/845/75-76/1272.—Whereas, I, C. V. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-A/16 situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6/12/1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold property bearing No. 15A/16 East Patel Nagar, New Delhi with lease hold rights of land measuring 200 sq. yds under the said property and bounded as under :—
North : G. B. P.
South : G. B. P.
East : Service Lane
West : Road.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1st July, 1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Dumraon Properties & Enterprises (P) Ltd.,
Dumraon, Dist. Bhojpure.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Laxmi Devi Khemani W/o Late Kashi Nath
Khemani, C/o Shankar Cloth Stores, Chowk Bazar
Dumraon, Dist. Bhojpure.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNAObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Patna, the 25th June 1975

Ref. No. III-100/Acq/75-76/383—Whereas, I. J. Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Plot No. 3132, Tanzi No. 1347, situated at Dumraon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arrah on 18-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

On Plot of land measuring 3 Kathas 13 Dhurs bearing Survey plot No. 3132 Tanzi No. 1347 situated at Dumraon, as clearly described in deed No. 11830 dated 18-12-74,

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 25-6-75
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Patel Mavji Kanji & Bros.,
Jail Road Gate,
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Accumax Limited,
Naval Kunj Annex,
Dr. Rajendraprasad Road,
Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM, ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 3rd July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acq. 23-I-564(197)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 401, Plot No. 1 and 2 situated at Mavdi Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-12-74

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land, with compound wall, admeasuring 15555.5 sq. yards bearing Survey No. 401, Plot No. 1 and 2 of Mavdi Plot, Behind Bhaktinagar Railway Station, Rajkot and as fully described in the sale deed registered under registration No. 3811 dated 26-12-1974 by Registering Officer, Rajkot.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-7-1975

Seal :

FORM TINS

(1) Shri Motilal Da-ga, Marwaripatty,
Nowgong Town (Assam).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 1st July 1975

Ref. No. A-107/NGG/75-76/969-79.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 865,864,884, P.P. No. 382, situated at Haiborgaon, Nowgong, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nowgong on 23-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Mohanlal Agarwala } Haiborgaon,
Shri Deepchand Kothari } Nowgong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1(one) bigha, 1(one) katha covered by Dag No. 865, 864, 884, P.P. No. 382 situated at Haiborgaon in Nowgong Dist of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 1-7-75
Seal:

FORM ITNS

(1) Sri Ananta Vijay Sridhar Naik,
H. No. 5-8-42 Fateh Sultan Lane, Nampally,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref. No. RAC No. 138/74-75—Whereas, I. K. S. Venkata-
raman,
being the competent authority under section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-8-42, situated at Nampally, Hyderabad
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Hyderabad on 2-12-74
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(2) M/s Nandanam Construction Company, Represented
by the Managing Partners Sri N. Narahari Reddy,
and Sri M. L. Prasada Rao, H. No. 3-4-863,
Bakatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : A building with a land H. No. 5-8-42, Fateh
Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

Area : 3460 Sq. Ft.

East—Compound Wall of the Vendor,

West—Compound wall of the Vendor.

North—Compound wall of the Vendor,

South—Compound wall of the Vendor.

K. S. VEKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Prabir Kr. Dutt
'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 250/Acq.R-III/75-76/Cal—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21 situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parbati Prosanna Ghose
10/1, Rainey Park, Calcutta.

(Transferor)

- (3) 1. Sri Mihir Kr. Dutt
2. Sri Samir Kr. Dutt
3. Sri Sisir Kr. Dutt
4. Smt. Pratima Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Parbati Prosanna Ghose
10/1, Rainey Park, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Samir Kumar Dutt
'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16(3) 1. Sri Mihir Kumar Dutt
2. Sri Prabir Kumar Dutt.
3. Sri Sisir Kumar Dutt.
4. Smt. Pratima Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 251/Acq.R-III/75-76/Cal—Whereas, I. L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21 situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—196GI/75

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

Seal;

FORM ITNS

- (2) Shri Sisir Kumar Dutt
"Monica", 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferee)

- (3) 1. Sri Mihir Kumar Dutt
2. Sri Prabir Kumar Dutt
3. Sri Samir Kumar Dutt
4. Smt. Pratima Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 252/Acq.R-III/75-76/Cal—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21 situated at Gurusadny Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income raising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parbati Prosanna Ghose
10/1, Rainey Park, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Parbati Prosanna Ghose
10/1, Rainey Park, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16(2) Shri Mihir Kumar Dutt
'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Transferee)

- (3) 1. Sri Prabir Kumar Dutt
2. Sri Samir Kumar Dutt
3. Sri Sisir Kumar Dutt
4. Smt. Pratima Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 187/Acq-R-III/75-76/Cal—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 7-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. J-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

Seal :

FORM I.T.N.S. —————

(2) Smt. Pratima Dutt
 'Monica', 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
 SIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-III, 54, RAJI AHMED
 KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd April 1975

Ref. No. 253/Acq.R-III/75-76/Cal—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21 situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parbati Prosanna Ghose
 10/1, Rainey Park, Calcutta,
 (Transferor)

(3) 1. Sri Mihir Kumar Dutt
 2. Sri Prabir Kumar Dutt
 3. Sri Samir Kumar Dutt
 4. Sri Sisir Kumar Dutt

All of 9B, Lord Sinha Road, Calcutta.

(Persons whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all that piece and parcel of vacant land measuring 6 cotahs 14 chittacks 9 sq. ft. more or less being the north eastern portion of premises No. 21 Gurusaday Road as per deed No. I-7183 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 23-4-1975

Seal:

FORM IT.N.S.———

(2) (1) Tophani Bora, C/o. Prabhat Bora,

(2) Anupama Bora C/o Shri Nitya Bora, Inspector
Sales Tax, Nowgong.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 10th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. A-88/GLG/74-75/4229-39.—Whereas, I, Egbert Singh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing P. No. 1068, situated at Golaghat Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Golaghat on 26-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Chandra Mahanta, Jorhat.

(Transferor)

THE SCHEDULE

Land measuring 2 (two) bigha, 2 (two) katta and 11 (eleven) leches covered by P. No. 1068 situated at Golaghat Town in Sibsagar District of Assam State.

EGBERT SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 10-3-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ziaul Rahman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Aziz Ahmad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st March 1975

Ref. No. 41-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and situated at Lalpur Hamir, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilari, Distt. Moradabad on 12-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of 38—73 with tube well house and machinery in Village Lalpur Hamir, Teh. Bilari, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 31-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 27th May 1975

Notice No. 77/75-76/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 10/C and C.T.S. No. 420 situated at Keshavapur, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 2592 on 24-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Basanagawda Fakirgowda Patil, R/o. Keshavapur, Hubli.
2. Shri Fakiragowda Basanagowda Patil, R/o. Keshavapur, Hubli.
3. Shri Narasinh Gangadhar Shevade, R/o. Malamaddi, Dharwar.
- Shri Devadas Narasinh Shevade, Canara Bank, Traffic Island Branch, Hubli.

(Transferors)

- (2) M/s Naranji Kanju, Keshavapur, Hubli through its parents—
1. Shri Naranji Kanji,
2. Shri Motichand Naranji.
3. Shri Veerchand Naranji.
4. Shri Chamanlal Naranji and
5. Shri Ratilal Naranji, Merchants, Keshavapur, Hubli.

(Transferees)

- (3) 1. Shri Vaman Lingo Kulkarni,
2. Shri Bhimaji Narayana Dixit, Contractor,
3. Shri Venkappa Bhimappa Yadalli, Fire Wood Merchant and
4. Edward Humphreys,
- All residents of Keshavapur, Hubli.
- (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-Agricultural and Measuring 38 Gunthas Bearing R. S. No. 10C and C.T.S. No. 420 situated at Keshavapur, Hubli and Bounded;

On the East: By Hubli-Kusugal Road;

On the West and North: By Public Roads; and

On the South: By the Property of C.T.S. No. 419 Belonging to Dr. Ahmed and Mrs. D'Souza.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 27-5-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/245—Whereas, I, S. R. Vaish, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 548, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13th December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar Jawa S/o Shri Kishan Dayal Jawa, Chemist, House No. 217, Model Town, Karnal (Haryana).

(Transferor)

(2) Shrimati Santosh Jawa W/o Shri Ish Kumar Jawa, Plot No. 548, Raja Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 548 with constructed portion i.e. one Drawing room, under ground room, Kitchen, Bathroom & two small rooms situated in Gali No. 7, Raja Park, Jaipur. The area of the plot is 500 sq. yds.

S. R. VAISH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-6-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Maheshwar Dayal Mathur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshwar Dayal and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref. No. 55-R/Acq—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 163, situated at Shahnajaf Road Lucknow fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Lucknow on 23-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of plot No. 163 measuring 16 Biswa 17 Biswansi (22932 Sqr. fts.) situated on the back side of shahnajaf Road Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 17-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Vijai Kumar Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref No. 17-V/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. S. M. 271/1 situated at Mauza Chandpur Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-12-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sushila Devi Jajodia.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Divided portion of S.M. plot No. 271/1 measuring 3670 Sq. ft. situated at Mauza Chandpur Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Date 17.7.1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Dr. V. Sudhir, S/o V. Baliah, H. No. 3-6-563 at Himyatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 82/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-6-851 situated at Shali Banda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 26-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Indira Suri W/o Sri Jaipal Suri, H. No. 23-6-853/4 at Shali Banda, Hyderabad.

(Transferor)

THE SCHEDULE

Property : Portion of house M. C. No. 23-6-851, at Rambaksh Banda, Shalibanda, Hyderabad.
Area : 232.85 Sq. Metres.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-7-1975
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 30th June 1975

Ref. J. No. J.535(EG)/74-75/Acq. File No. 200.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 11-4-10 situated at Prabhakara Street, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 30-12-1974 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Dantu Venkataramanangatayaru, Being minor by guardian, mother Smt. Suryakantam, W/o Bhaskararao, Dantugari St. Kakinada.

2. Smt. Kavuta Gowri Subhadra, W/o Renukaram Dantugari St. Kakinada.

3. Sri Dantu Veeravenkatarama Subramanya Suryarao, S/o Sri D. Bhaskararao, Dantugari St. Kakinada.

(Transferor)

(2) Shri P. Rajagopal,
Pro. Satkar Hotel, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule property is Land and building as registered vide Dec. Nos. 6038/74; 6039/74 and 6040/74 of S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 30-6-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Sripada Narasimha Somayajulu, Gangalakurru
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Garimella Visweswararao, Gangalakurru.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

Ref. No. J. No. I(490)/EG/74-75/Acq. File No. 213.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,being the competent authority under section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Land Ac. 6-83 cents situated at Gangalakurru Village
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ambajipeta on 15-12-74for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 20th Novem-
ber, 1974 vide document No. 1628 registered on 7th Decem-
ber, 1974 before the S.R.O., Ambajipeta.

B. V. SUBBARAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 21-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

Ref. No. J(560)/EG/74-75/Acq. File No. 212.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 279/3 land 1-09 with sheds, buildings etc., Vetlapalem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samalkota on 31-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kondapally Ramakrishna
2. Kondapally Subbayamma
3. Kondapally Veeravenkata Satyanarayana
4. Vegulla Suryanarayanaamma.

(Transferor)

- (2) 1. Bikkina Krupanandam
2. Yenduri Kanakayya
3. Yenduri Venkatarao
4. Yenduri Badri Laxminarayanamma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 31st July 1974 vide document No. 2259 registered before the S.R.O., Samalkota on 31-12-1974.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 21-7-1975

Seal :

FORM ITNS

- (2) 1. Puchalapalli Sundarayya
 2. Makineni Basava Punnaiah
 3. Moturu Hanumantharao,
 Prajasakti Office, Governorpeta, Vijayawada.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 KAKINADA

Kakinada, the 22nd July 1975

Ref. No. J. No. I(432)/KR/74-75/Acq. File No. 214.—
 Whereas, I. B. V. Subbarao,
 being the competent authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.
 27-30-3 situated at Governorpeta, Vijayawada
 (and more fully described in the
 Schedule annexed hereto), has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
 Registering Officer at
 Vijayawada on 31-12-74
 for an apparent consideration which is less than the fair market
 value of the aforesaid property and I have reason to believe
 that the fair market value of the property as aforesaid ex-
 ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
 per cent of such apparent consideration and that the consi-
 deration for such transfer as agreed to between the Parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer:
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or which
 ought to be disclosed by the transferee for the pur-
 poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of section 269D of the said Act. to the following persons,
 namely :—

- (1) Maganti Subramanyam, S/o Venkateswarlu
 Vijayawada,
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of
 30 days from the service of notice on the respec-
 tive persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the
 Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 20th Decem-
 ber, 1974 *vide* document No. 4190 registered before the
 S.R.O., Vijayawada.

B. V. SUBBARAO,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 22-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd July 1975

Ref. No. RAC.No. 83/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-86 (Padmavathi Rice Mill.) situated at Miryalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Miryalguda on 12-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Palwai Viswanadham H. No. 26-97 Miryalguda,
2. P. Venkateshwerlu, H. No. 26-97 Miryalguda,
3. P. P. Mohan Rao, H. No. 26-97 Miryalguda,
Nalgonda Dist.

(Transferor)

- (2) 1. Jaini Lingaiah S/o Peddaiah, 2. J. Shankariah,
3. J. Rangaiah, 4. J. Narsaiah, 5. J. Premsagar,
all 5 are sons of Sri Peddaiah, residing at
H. No. 9-11, P.O. & Tq. Miryalguda, Nalgonda Dist.
6. G. Kotaiah, H. No. 26-62 P.O. Ty. Miryalguda,
7. P. Narayana, H. No. 10-34, Miryalguda,
8. G. Narsaiah, H. No. 24-11 at Miryalguda,
9. P. Veraiah, P.O. Tipparthi, Nalgonda Dist.
10. P. Venkatnarsaiah, R/o Sajjapur, Tq. Iluzurnagar, Nalgonda-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Padmavathi Rice Mill, G.P. No. 1-86 at Miryalguda Town, Viveknagar Street, Nalgonda Dist.
Area : 768 Sq. Yards.

R. RANGAYYA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range (I/C), Hyderabad.

Date : 22-7-1975

Seal:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

CORRIGENDUM

Dharwar, the 2nd August 1975

Read "BALSE" instead of BAISE as printed in item No. 1 (Transferor) in the notice u/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 dated 8-5-1975 published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 14-6-1975 on page 4750.

AND ALSO

read "HINDWADI" instead of Hinwadi occurring in item No. 4 [person(s) in occupation of the property] of the above notice.

R. PARTHASARATHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Dharwar.